MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 08 जुलाई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-186

अयोध्या चढ़ावाकाँड

चोरी-चोरी चुपके-चुपके

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

अयोध्या राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के आरोपियों से पाई-पाई वसूलने की तैयारी है। नकद बरामदगी के अलावा आरोपियों की संपत्तियों के जरिए भरपाई की जाएगी।

रिपोर्ट की मानें तो बीएनएसएस की धारा-107 के तहत अयोध्या पुलिस रिकवरी करेगी। इस प्रावधान में अपराध या अवैध तरीके से अर्जित संपत्तियों की रिकवरी की जाएगी। ये जांच की जा रही है कि आखिर ट्रस्ट की कितनी रकम और कितने का सोना-चांदी गायब है।

इस बीच अयोध्या में 6 जुलाई को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में दान में मिली राशि की गिनती में गड़बड़ी, उसकी जांच, कुछ पदाधिकारियों के इस्तीफे और मीडिया में चल रही चर्चाओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की गई। साथ ही आगे की व्यवस्थाओं को लेकर भी विचार किया गया।

ट्रस्ट ने बताया कि 2020 में स्थापना के बाद केवल 6 साल से भी कम समय में भगवान श्रीरामलला के भव्य मंदिर का निर्माण पूरा कर लिया गया। इस दौरान मंदिर परिसर में बने अन्य मंदिरों में भी प्राण-प्रतिष्ठा और धार्मिक विधियां पूरी की गईं। ट्रस्ट के अनुसार निधि समर्पण अभियान और दान से अब तक कुल 3,264 करोड़ रुपये प्राप्त हुए, जिनमें से 2,370 करोड़ रुपये मंदिर निर्माण और अन्य बड़े कार्यों में खर्च किए गए। वहीं 31 मार्च 2026 तक चढ़ावे के रूप में 582 करोड़ रुपये मिले, जिनमें से 391 करोड़ रुपये संचालन खर्च में उपयोग हुए। बाकी राशि बैंक खातों में सुरक्षित रखी गई है।

वहीं दूसरी ओर चढ़ावा चोरी के सभी आरोपियों की संपत्तियों का आकलन किया जा रहा है, जिसमें यह देखा जा रहा है कि मंदिर से जुड़ने के बाद किसकी कितनी संपत्ति बढ़ी है। कुछ आरोपियों की संपत्ति में अब तक की जांच में कई गुना संपत्ति बढ़ी पाई गई है।

इस बीच पता चला है कि अब तक गिरफ्तार किए गए 8 आरोपियों में से 6 वाराणसी की एक प्राइवेट सिक्योरिटी एजेंसी के कर्मचारी थे। एजेंसी से ही इन्हें वेतन मिल रहा था। एजेंसी ने मंदिर में नकदी गिनने का काम करने के लिए इन लोगों को भेजा था। रिपोर्ट के मुताबिक इस प्राइवेट एजेंसी का नाम सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज है। इस एजेंसी की शुरुआत दिसंबर 2017 में वाराणसी के रजिस्टर्ड एड्रेस के साथ हुई।

बाकी दो लोग राम शंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव को ट्रस्ट से वेतन मिलता था। जबकि सुभाष श्रीवास्तव जो एक बैंक कर्मचारी रहा था, वेतन नहीं लेता था।

सैनिक सिक्योरिटी सर्विसेज के मालिक और डायरेक्टर गौरव सिंह ने बताया कि उनकी एजेंसी को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की अयोध्या स्थित नया घाट ब्रांच ने कैश गिनने की प्रक्रिया के लिए हायर किया था। यह ब्रांच उन तीन बैंक ब्रांचों में से एक है, जहां श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का अकाउंट है। उन्होंने बताया कि एसबीआई ने 19 लोगों को कैश काउंटिंग टीम में शामिल करने के लिए मांगा था। इसके बाद एजेंसी ने इन लोगों को हायर करके बैंक को उपलब्ध कराया। उन्होंने बताया कि राम मंदिर ट्रस्ट से उनका कोई लेन-देन नहीं है। कैश काउंटिंग टीम में शामिल सभी 19 लोगों को करीब 20 हजार रुपये महीने वेतन मिलता था।

बैंक का ट्रस्ट को लेकर बड़ा खुलासा

वहीं डइख ने बताया है कि इस मामले में वो पूरी तरह से एसआईटी के साथ सहयोग कर रहा है। जनवरी 2024 से एसबीआई ट्रस्ट को बैंकिंग सर्विस दे रहा है। इस बीच पता चला है कि एसबीआई ब्रांच के अधिकारियों का आरोप है कि ट्रस्ट के सदस्यों ने बैंक पर कुछ खास लोगों को काउंटिंग टीम में शामिल करने का प्रेशर बनाया था। ▶8पर

चंपत 'राज'

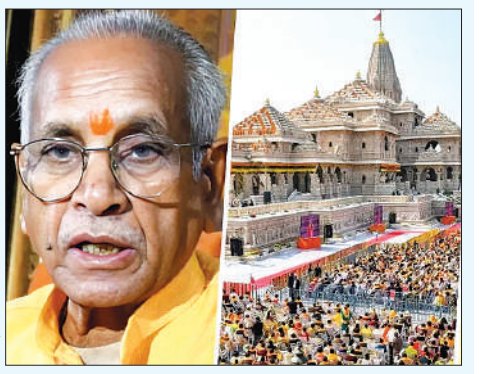

अयोध्या में राम मंदिर चढ़ावा चोरी की जांच कर रही स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (सीट) को चंपत राय ने जो जवाब दिए थे, वो अब सामने आ गए हैं। अपने जवाब में चंपत राय ने ट्रस्ट के सदस्य रहे अनिल मिश्र पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इसके साथ ही बैंक के साथ हुए एमओयू , दिशा-निर्देशों और सुरक्षा व्यवस्था पर भी कई सवाल खड़े किए हैं।

चंपत राय ने सीट से कहा है कि बैंक के साथ हुए एमओयू पर उनके हस्ताक्षर होने चाहिए थे। उन्होंने कहा कि बैंक के साथ हुए करार में गड़बड़ी हुई है। उनकी जानकारी के बिना एमओयू किया गया। बैंक की ओर से गणना प्रक्रिया के लिए जारी किए गए दिशा-निर्देशों पर भी असहमति जताई है। बैंक की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि 6 फरवरी 2025 के जिस दिशा-निर्देश पत्र का हवाला दिया जा रहा है, उस पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं। उन्हें इस पत्र की जानकारी 13 जून 2026 को हुई। उन्होंने कहा कि अगस्त 2020 से जून 2026 तक बैंक के साथ हुए सभी अनुबंधों पर उनके हस्ताक्षर मौजूद हैं, लेकिन 6 फरवरी 2025 के पत्र पर उनके हस्ताक्षर नहीं हैं।

सुरक्षा मानकों की खुल्लम-खुल्ला अनदेखी

चंपत राय ने आरोप लगाया कि बैंक ने गणना प्रक्रिया के दौरान तय सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया। उनके मुताबिक, गणना में लगे कर्मचारियों के लिए बिना जेब वाले कपड़ों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए था, लेकिन ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि अन्य सुरक्षा नियमों की भी जमकर अनदेखी की गई। उन्होंने बैंक की ओर से गणना कार्य के लिए हाउसकीपिंग स्टाफ की नियुक्ति पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि ऐसे संवेदनशील कार्य में निर्धारित मानकों का पालन होना चाहिए था। यह आशंका भी जताई कि या तो बैंक के अधिकारियों को नियमों के उल्लंघन की जानकारी नहीं थी, या फिर जानबूझकर अनदेखी की गई।

ट्रस्ट के पूर्व महामंत्री ने अपने बयान में यह भी कहा कि 9 फरवरी 2024 को बैंक के साथ किए गए चजण के तहत गणना कक्ष में सीसीटीवी कैमरे, लोहे की सलाखों वाले दरवाजे और अन्य सुरक्षा इंतजाम सुनिश्चित किए जाने थे। लेकिन जमीनी स्तर पर इन निर्देशों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने बैंक अधिकारियों से सफाई की मांग की है।

बद्रीनाथ-केदारनाथ : अध्यक्ष का निजी सचिव सस्पेंड

देहरादून, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले में बड़ा एक्शन हुआ है। बद्रीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (बीकेटीसी) ने कमेटी अध्यक्ष के निजी सचिव और आरोपी प्रमोद नौटियाल को सस्पेंड कर दिया है। इसके साथ ही आरोपी को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

मंदिर समिति की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, 2 जुलाई 2026 को मंदिर परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को खंगाला गया। इस दौरान खुलासा हुआ कि प्रमोद नौटियाल ने थाली भेंट गणना स्थान पर सामान्य गिनती के अलावा कुछ चीजें अपने मोबाइल के साथ अपने पास रख ली थी। ये पूरा मामला सीसीटीवी कैमरे में ऑन कैमरा कैद हुई है। मंदिर समिति ने इस फुटेज और सबूतों के आधार

पर आरोपी से 48 घंटे के भीतर लिखित सफाई मांगा है कि उसने अपने पास क्या रखा था। समिति का कहना है कि ये हरकत सामान्य थाली ▶8पर

सिया 'वर' चेतन!

प्रेमी संग गुप्त शादी का खुलासा

चेतन संग सिया

पुणे, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

पुणे के केतन अग्रवाल की हत्या मामले में जांच के दौरान बड़ा खुलासा सामने आया है। पुलिस को शक है कि आरोपी सिया गोयल और उसके प्रेमी चेतन चौधरी ने हत्या से कुछ महीने पहले ही गुपचुप शादी कर ली थी। फिलहाल पुलिस इस दावे की पुष्टि करने और यह पता लगाने में जुटी है कि क्या उनकी शादी कानूनी रूप से रजिस्टर्ड भी थी। पुणे ग्रामीण पुलिस के मुताबिक, 20 वर्षीय सिया गोयल और 22 वर्षीय चेतन चौधरी पर 25 वर्षीय केतन अग्रवाल की हत्या का आरोप है। पुलिस का कहना है कि दोनों ने 18 जून को पुणे जिले के लोहागढ़ किले की चट्टान से धक्का देकर केतन की हत्या कर दी थी। केतन और सिया की शादी इसी साल नवंबर में होने वाली थी।

जांच के दौरान पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन और डिजिटल रिकॉर्ड की जांच की। अधिकारियों के अनुसार, सिया और चेतन के बीच हुई चैट से संकेत मिले हैं कि दोनों ने पहले ही गुप्त रूप से शादी कर ली थी। इसके अलावा पुलिस को कुछ अन्य जानकारियां ▶8पर

इंडोनेशियाई राष्ट्रपति मोदी भक्त

मेरा डीएनए इंडियन

नई दिल्ली, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने भारत के साथ इंडोनेशिया के संबंधों का जमकर बखान किया है। इंडोनेशिया दौरे पर गए पीएम मोदी की मेजबानी करते हुए सुबियांतो कूटनीतिक मर्यादा से आगे जाकर भारत और पीएम मोदी की तारीफ कर रहे हैं।

सुबियांतो ने कहा है कि उन्होंने अपना डीएनए टेस्ट करवाया है और पाया है कि उनका डीएनए इंडियन है। यही वजह है कि जब वे भारतीय संगीत सुनते हैं तो उनका बदन थिरकने लगता है।

राष्ट्रपति सुबियांतो ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि, किसी भी राजनीतिक नेता के साथ खतरा यह होता है कि अगर उन्हें मंच और माइक मिल जाए, तो वे उससे हटना नहीं चाहते। मैं भारत की घरेलू राजनीति में दखल नहीं दे रहा हूं, लेकिन मैं व्यक्तिगत रूप से श्री

नरेंद्र मोदी जी का प्रशंसक हूं। उन्होंने कहा कि, 'मेरे करीबी साथी और सहयोगी इस बात की गवाही देंगे कि मैं नरेंद्र मोदी जी का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मैं कोई पेशेवर राजनेता नहीं हूं। इसका सबूत यह है कि मैंने पांच आम चुनावों में हिस्सा लिया और चार बार हारा। राष्ट्रपति बनने से पहले ही मैंने नरेंद्र मोदी की नीतियों का अध्ययन किया था और चूंकि उन पर कोई कॉपीराइट नहीं है, इसलिए मैंने उनकी कई नीतियों को अपनाया। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने उदारतापूर्वक मुझे उनकी नीतियों को अपनाने की अनुमति दी, इसलिए मुझ पर किसी अदालत में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता...

राष्ट्रपति ने कहा कि इंडोनेशियाई लोगों को भारत के अनुभव से सीखना चाहिए। हमारी सभ्यता और संस्कृति पर भारतीय सभ्यता का गहरा प्रभाव है। हमारी भाषा का लगभग 50% हिस्सा संस्कृत से आया है। हमारे बहुत से नाम संस्कृत के हैं। इसलिए, हमारे बीच यह निकटता है और हम और अधिक करीबी सहयोग का स्वागत करते हैं। राष्ट्रपति सुबियांतो ने अपना भारतीय लिंक बताते हुए कहा कि भारत की अपनी राजकीय यात्रा से ठीक पहले मैंने जीनोम सीक्वेंसिंग टेस्ट करवाया था। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0
न्यूनतम : 26^0

अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट फैसला बरकरार

38 को फांसी, 11 उम्रकैद

अहमदाबाद, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

गुजरात हाईकोर्ट ने मंगलवार को 2008 के अहमदाबाद सीरियल ब्लास्ट मामले में स्पेशल कोर्ट के फैसले को बरकरार रखा। निचली अदालत ने फरवरी 2022 में 38 दोषियों को फांसी और 11 दोषियों को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। दोषियों ने इसके खिलाफ हाईकोर्ट में अपील की थी। आज जस्टिस एवाई कोगजे और समीर दवे की बेंच ने निचली अदालत के फैसले के खिलाफ दायर सभी अपीलों को खारिज कर दिया। कोर्ट ने प्रतिबंधित आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) से जुड़े लोगों की सजा को सही ठहराया।

56 मृतकों को 10-10 लाख मुआवजा

कोर्ट ने सरकार को 56 मृतकों के परिजन को 10-10 लाख रुपए और 200 से ज्यादा घायलों को 1-1 लाख रुपए मुआवजा देने का निर्देश भी दिया। कोर्ट ने कहा कि मुआवजा राशि का भुगतान 30 मार्च 2027 तक कर दिया जाए।

धमाकों के बाद पुलिस ने अहमदाबाद की सभी ब्लास्ट साइट्स और सूरत में मिले बमों के मामलों में अलग-अलग एफआईआर दर्ज कीं। बाद में करीब 35 मामलों को मिलाकर एक बड़ा केस बनाया गया। सभी मामलों को एक साथ जोड़ने के बाद 2009 में इस केस का ट्रायल शुरू हुआ। ▶8पर

नर्स ने पति को टॉयलेट क्लीनर देकर मारा

निजामाबाद, 07 जुलाई (एजेंसियां)।

तेलंगाना में एक नर्स ने प्रेमी के साथ मिलकर 35 साल के पति की हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, महिला ने 30 जून को पति को छत से धक्का देकर मारने की कोशिश की थी। जब वह बच गया तो अस्पताल में इलाज के दौरान उसकी नस में लगी ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर इंजेक्ट कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने इस मामले में आरोपी महिला 32 साल की संध्या, उसके प्रेमी अनिल और उसके दोस्त वेंकट साई को गिरफ्तार कर लिया है। जांच एजेंसियों का दावा है कि यह हत्या पहले से रची गई साजिश का हिस्सा थी, जिसकी वजह संध्या का एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर था। यह पूरी घटना निजामाबाद जिले के मोपाल मंडल के न्यालाकल गांव की है। इसकी

खबर सोमवार को सामने आई।

पहले छत से धक्का दिया, लेकिन प्रशांत बच गया था

पुलिस के मुताबिक, प्रशांत हाल ही में खाड़ी देश से लौटा था। वह किस देश में था, यह जानकारी नहीं मिली। वापस आने पर उसे संध्या के अफेयर के बारे में पता चला तो उनमें झगड़े होने लगे। 30 जून को तीनों आरोपियों ने प्रशांत को पहले खूब शराब पिलाई। फिर मारपीट कर घर की छत से नीचे धक्का दे दिया। हालांकि, गंभीर चोटों के बावजूद प्रशांत की जान बच गई। आरोपियों ने उन्हें यह कहकर अस्पताल पहुंचाया कि वह नशे की हालत में खुद गिर गए थे। जांच में सामने आया कि संध्या एक निजी अस्पताल में नर्स के रूप में काम कर चुकी है। ▶8पर

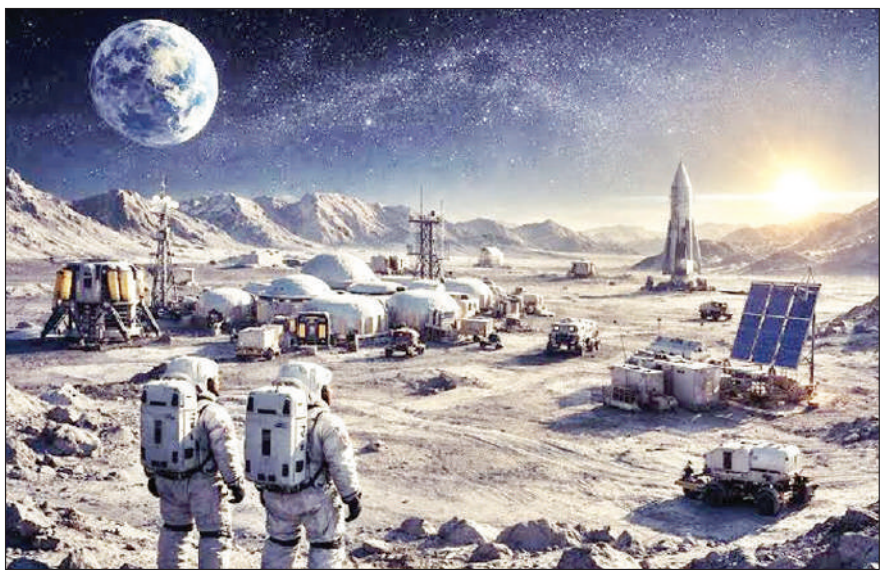

अमेरिका-चीन की चंद्रमा प्रतिस्पर्धा : नासा प्रमुख बोले, महीनों में होगा फैसला

न्यूयार्क

नासा प्रमुख जैरेड आइजैकमैन ने चेतावनी दी है कि चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों को फिर से भेजने की होड़ में अमेरिका अब चीन के साथ महीनों में प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने कहा कि दोनों देश पृथ्वी से परे मानव की स्थायी मौजूदगी स्थापित करने की अपनी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे यह मुकाबला तीव्र हुआ है। आइजैकमैन ने स्पष्ट किया कि बीजिंग का इरादा चांद पर अपने टाइकोनाट्स उतारने का है और इसमें कोई संदेह नहीं होना चाहिए।

उन्होंने कहा, हम अभी अंतरिक्ष की रेस में हैं और चीनी बहुत तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं। सवाल यह है कि क्या अमेरिका उनसे पहले वापस आएगा यह बयान चीन द्वारा 2030 से पहले चांद पर पहुंचने के लक्ष्य और नासा के 2028 के अंत तक लैंडिंग के लक्ष्य के बीच कम होते अंतर को दिखाता है।

नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम के माध्यम से, चंद्रमा की खोज को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया गया है और इसके लिए ऐतिहासिक निवेश किया गया है। आइजैकमैन ने बताया कि आर्टेमिस-3 अगले साल के लिए नियोजित है, जिसके बाद 2028 में आर्टेमिस-4 होगा, जब अंतरिक्ष यात्रियों के चांद की सतह पर उतरने की उम्मीद है।

यह मिशन नए लैंडिंग सिस्टम की पृथ्वी की कक्षा में सफल टेस्टिंग के बाद होगा। उन्होंने कहा कि 2030 के दशक की शुरुआत तक, चंद्रमा पर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जैसा बेस तैयार हो जाएगा, जहां क्रू लंबे समय तक रुककर मंगल ग्रह के मिशनों की तैयारी कर सकते है।

इस दीर्घकालिक रणनीति के तहत, नासा का लक्ष्य चांद पर एक स्थायी मानव मौजूदगी स्थापित करना है, जो मंगल ग्रह के भविष्य के मिशनों के लिए महत्वपूर्ण सीढ़ी का काम करेगी। चंद्रमा पर बेस के लिए आवश्यक इंफ्रास्ट्रक्चर 2027 की शुरुआत में आना शुरू हो जाएगा, जिसमें लूनर टेरेन व्हीकल और स्थायी ढांचे की शुरुआत शामिल है। 2028 तक, अंतरिक्ष यात्रियों के लिए चांद पर पहले से ही सामान मौजूद होने की उम्मीद है।

आइजैकमैन ने अमेरिका के अंतरिक्ष कार्यक्रम में निजी कंपनियों की बढ़ती भूमिका का भी समर्थन किया, यह कहते हुए कि उन्होंने अंतरिक्ष अन्वेषण के अर्थशास्त्र को बदल दिया है, जिससे मिशन काफी सस्ते हो गए हैं।

उन्होंने ब्लू ओरिजिन के न्यू ग्लेन राकेट के हालिया लांच फेलियर जैसी चुनौतियों का भी जिक्र किया, जिस पर नासा जांच में मदद कर रहा है ताकि भविष्य के चंद्र मिशन पर काम जारी रहे। आर्टेमिस कार्यक्रम अपोलो युग के बाद पहली बार इंसानों को चांद पर वापस भेजने की नासा की सबसे बड़ी कोशिश है, जिसका उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय साझेदारी और वाणिज्यिक अंतरिक्ष कंपनियों के जरिए चांद की सतह पर इंसानों की लगातार मौजूदगी बनाना और आखिर में अंतरिक्ष यात्रियों को मंगल ग्रह पर भेजना है।

न्यूज ब्रीफ

प्रधानमंत्री मोदी इंडोनेशिया में रामायण का कठपुतली मंचन देख प्रभावित

जकार्ता (इंडोनेशिया)। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अपनी तीन देशों की यात्रा के प्रथम चरण में इंडोनेशिया पहुंचे हैं। इंडोनेशिया पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। उनके सम्मान में सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वो छह जुलाई को रामायण का कठपुतली मंचन देख कर खासे प्रभावित हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने रामायण पर केंद्रित वेयांग कुलित की इस प्रस्तुति की खासतौर पर प्रशंसा की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, इंडोनेशिया की बहुमूल्य छाया कठपुतली परंपरा वेयांग कुलित का मनमोहक प्रदर्शन देखा, जिसने रामायण की कालजयी कहानी को जीवंत कर दिया। यह एक मार्मिक अनुस्मारक था कि कैसे हमारी साझा सभ्यतागत विरासत अपने शाश्वत मूल्यों को संरक्षित करते हुए, सुंदर स्थानीय अभिव्यक्तियों को लेते हुए, समुद्र और पीढ़ियों के पार यात्रा करती रही है। प्रदर्शन के लिए टीम, जिसे गणेश के नाम से जाना जाता है, को मेरी बधाई। प्रधानमंत्री ने अलग-अलग पोस्ट में सांस्कृतिक कार्यक्रम की श्रृंखला का जिक्र किया। उन्होंने लिखा, विहारा धर्म रत्न ग्रुप के कलाकारों की होमेज टू द ट्रिपल जेम की प्रस्तुति असाधारण रही। इसमें भगवान बुद्ध की शाश्वत शिक्षाओं और ट्रिपल जेम में निहित गहरे मूल्यों की झलक मिलती है। यह देखकर बहुत अच्छा लगता है कि इंडोनेशिया के लोग बौद्ध धर्म की समृद्ध विरासत को इतने जोश के साथ संजो रहे हैं और उसका जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा, जकार्ता में मुझे समन्वय समूह की भरतनाट्यम की शानदार प्रस्तुति देखने का सुखद अनुभव मिला। यह देखकर बहुत खुशी होती है कि इन अनमोल परंपराओं को इतनी निष्ठा और उत्कृष्टता के साथ संजोया और प्रस्तुत किया जा रहा है। प्रधानमंत्री ने लिखा, जकार्ता में भारतीय समुदाय से मिले गर्मजोशी भरे स्वागत से वो बहुत प्रभावित हुए। लोगों का स्नेह और भारत की प्रगति के प्रति उनकी गहरी प्रतिबद्धता प्रेरणादायक है।

नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर के बेटे जयवीर देउबा को आय से अधिक संपत्ति मामले में सात दिन के भीतर उपस्थित होने का नोटिस

काठमांडू। नेपाल के मनी लान्ड्रिंग जांच विभाग ने नेपाली कांग्रेस के पूर्व सभापति और पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा के पुत्र जयवीर देउवा को सात दिन के भीतर विभाग में उपस्थित होने का नोटिस जारी किया है। नोटिस में कहा गया है कि आय से अधिक संपत्ति (मनी लान्ड्रिंग) संबंधी जांच के दौरान कुछ महत्वपूर्ण विषयों पर स्पष्टीकरण और जानकारी प्राप्त करनी है। इसी उद्देश्य से जयवीर देउबा को नोटिस मिलने की तारीख से सात दिनों के भीतर विभाग के समक्ष उपस्थित होने के लिए कहा गया है। यह नोटिस देउवा परिवार के बुढानीलकण्ठ स्थित आवास पर चस्पा किया गया है। इससे पहले विभाग पूर्व प्रधानमंत्री शेरबहादुर देउवा और उनकी पत्नी आरजू राणा देउवा को भी पूछताछ के लिए बुला चुका है। हालांकि, आरजू ने विभाग को सूचित किया है कि वे सावन माह के अंत तक विभाग में उपस्थित होकर आवश्यक जानकारी और स्पष्टीकरण देंगी।

ईरान युद्ध के बाद ट्रंप-नेतन्याहू मुलाकात की बढ़ी संभावना

वाशिंगटन। इजरायल और अमेरिका के संयुक्त आपरेशन ने ईरान में जो तबाही मचाई है, उसके नतीजतन पूरी दुनिया की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। अब इस समस्या का हल निकालने में खुद अमेरिका के पसीने छूट रहे हैं। कई एक्सपर्ट्स मानते हैं कि इजरायल के उकसावे में ही ट्रंप ने यह कदम उठाया था, और अब जब अमेरिका शांति चाहता है, तो इजरायल ऐसा नहीं चाहता। इन सबके बीच एक दिलचस्प खबर यह आ रही है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की जल्द ही इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से व्हाइट हाउस में मुलाकात हो सकती है। यह मुलाकात ईरान युद्ध के बाद दोनों नेताओं के बीच पहली आमने-सामने की बैठक होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने फोन पर बातचीत में बताया कि नेतन्याहू ने उनसे मिलने की इच्छा जताई है, और यह बैठक नाटो शिखर सम्मेलन के बाद अगले सप्ताह या उसके अगले सप्ताह हो सकती है। ट्रंप ने इस दौरान स्पष्ट रूप से कहा कि उनके और नेतन्याहू के बीच अच्छे संबंध हैं, लेकिन वो अच्छी तरह से जानते हैं कि बास कौन है ट्रंप का यह बयान इजरायल के प्रति अमेरिका की नई कठोर नीति और मध्य पूर्व में अपनी शर्तों पर शांति स्थापित करने की इच्छा को दर्शाता है। हालांकि, अमेरिकी प्रशासन के कुछ अधिकारियों का मानना है कि दोनों नेताओं के बीच पहले जैसी सहमति अब नहीं रही है, और इस मुलाकात के बाद क्या परिस्थितियां होंगी।

पाकिस्तान का सैन्य तख्तापलट : क्या 1971 जैसे बन रहे हालात

इस्लामाबाद

इस वक्त पाकिस्तान चौतरफा घिरा हुआ है। अफगानिस्तान से जहां पंगा चल रहा है वही बलूच भी पाकिस्तान पर हमलावर हैं। उनकी अपनी मांगे है और वे निरंतर अपने हक के लिए लड़ रहे हैं। इसके अलावा पाकिस्तान के अपने आतंरिक मामले हैं। महंगाई और गरीबी, भुखमरी ने आम आदमी को गुस्से में खड़ा कर दिया है। आतंकवाद और सेना के साथ शहबाज सरकार की पटरी नहीं बैठ पाने की खबरें भी चल पड़ी हैं। ऐसे में सवाल उठने लगा है कि क्या पाकिस्तान में 1971 जैसे हालात बनने लगे हैं20 दिसंबर 1971 को, बांग्लादेश के पाकिस्तान से अलग होने के मात्र चार दिन बाद, तात्कालिक राष्ट्रपति याह्या खान ने सैन्य दबाव में इस्तीफा दे दिया। 1971 के युद्ध में मिली करारी हार के बाद पाकिस्तानी सेना राजनीति से कुछ दूर हटी थी, और ऐसे में प्रमुख राजनेता जुल्फिकार अली भुट्टो ने देश की बागडोर संभाली। उन्होंने राष्ट्रपति पद ग्रहण कर एक नई सरकार के गठन और देश को स्थिरता प्रदान करने का बीड़ा उठाया।

भुट्टो ने एक नए पाकिस्तान, नए संविधान और नई व्यवस्था का वादा किया, जिससे समाज के विभिन्न वर्गों को उम्मीद मिली। साल 1973 में, उनके और उनके सहयोगियों द्वारा तैयार किया गया नया संविधान अपनाया गया, जिसने संसदीय शासन प्रणाली को बहाल किया। भुट्टो राष्ट्रपति पद छोड़कर अधिक शक्तिशाली प्रधानमंत्री बन गए, क्योंकि वे राष्ट्रपति पद को केवल औपचारिक मानते थे। लेकिन, प्रधानमंत्री बनते ही भुट्टो की सत्ता लोलुपता बढ़ती गई।उन्होंने फेडरल सिक्योरिटी फोर्स का गठन किया, जिसका काम उनकी सुरक्षा करना था, लेकिन यह जल्द ही एक अर्धसैनिक बल बन गया, जिसका उपयोग विरोधियों को दबाने के लिए किया जाने लगा। उनकी अपनी पार्टी पीपीपी में भी दरारें आने लगीं, और आरोप लगे कि भुट्टो ने अपने करीबी सहयोगियों को भी चुप कराकर जेल में डालना शुरू कर दिया। युवा पीढ़ी और छात्र भी कार्रवाइयों का शिकार हुए, जिससे अक्सर विश्वविद्यालयों का कामकाज ठप हो जाता था।1977 में भुट्टो ने दूसरा राष्ट्रीय चुनाव कराने का फैसला किया। नौ विपक्षी दलों ने मिलकर पाकिस्तान नेशनल एलायंस (पीएनए) बनाया और भुट्टो की पीपीपी को चुनौती दी। एफएसएफ के इस्तेमाल और धांधली के आरोपों के बावजूद, पीएनए ने भुट्टो पर अपने हमले तेज किए, धार्मिक मंच का सहारा लेते हुए इस्लामी सिद्धांतों पर लौटने का आह्वान किया। भुट्टो की पार्टी ने बहुमत से चुनाव जीता, लेकिन बड़े पैमाने पर धांधली के आरोपों और हिंसक प्रदर्शनों ने देश को अशांत कर दिया। यह जीत एक खोखली साबित हुई।

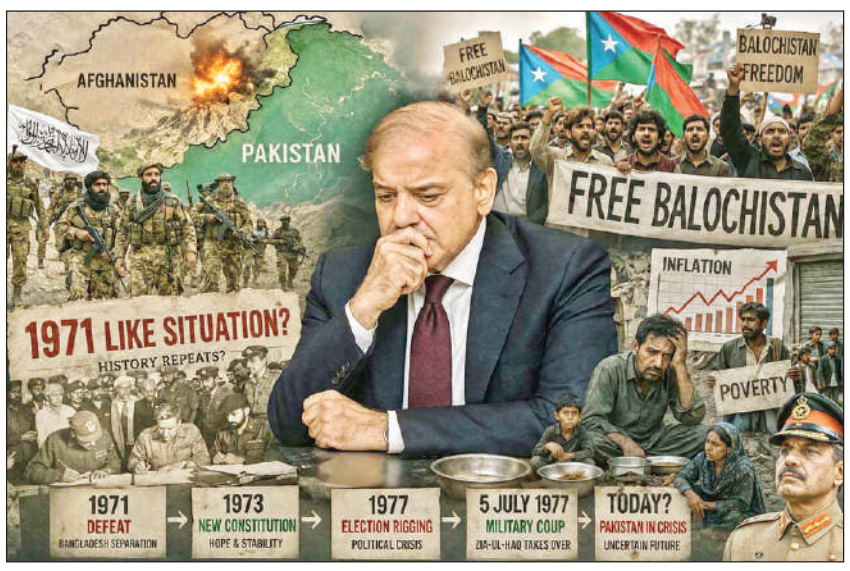

स्थिति का लाभ उठाते हुए, 5 जुलाई 1977 को तत्कालीन सेना प्रमुख जनरल मोहम्मद जिया-उल-हक, जिसे खुद भुट्टो ने चुना था, ने सत्ता पर कब्जा कर लिया। चुनाव परिणामों को खारिज करते हुए भुट्टो को घर में नजरबंद कर दिया गया और सरकार भंग कर दी गई। जिया-उल-हक ने शुरुआत में नए चुनाव का वादा किया, लेकिन उनका इरादा भुट्टो को दोबारा सत्ता में लौटने से रोकना था। भुट्टो को एक राजनीतिक विरोधी की हत्या का आदेश देने के आरोप में गिरफ्तार कर उन पर मुकदमा चलाया गया। इसी के साथ भुट्टो युग का अंत हो गया, और पाकिस्तान में जिया-उल-हक के सैन्य शासन की शुरुआत हुई। 1971 में जो सैन्य दखल कुछ समय के लिए थमा था, वह 1977 में पूर्ण रूप से वापस आ गया और तब से लेकर आज तक पाकिस्तान की राजनीति में सेना का हस्तक्षेप जारी है। यह घटनाक्रम आज भी पाकिस्तान में लोकतंत्र के संघर्ष का एक प्रमुख कारण बना हुआ है।

खेतों से लेकर फैक्ट्री तक काम करेंगे चीनी रोबोट, चीन ने खोला दुनिया का पहला रोबोट स्कूल

बीजिंग। चीन ने एक बार फिर अपनी तकनीकी क्षमताओं का लोहा मनवाया है। दुनिया में जहां इंसानी शिक्षा के माडल विकसित किए जा रहे हैं, वहीं चीन ने एक नई क्रांति की शुरुआत कर दी है। शंघाई में दुनिया का पहला ह्यूमनाइड रोबोट ट्रेनिंग सेंटर खुल चुका है, जो अब तक की सबसे अनोखी पहल है। यहां सिर्फ इंसान नहीं, बल्कि 100 से अधिक इंसानों जैसे दिखने वाले रोबोटों को उन सभी कामों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जो हम अपने रोजमर्रा के जीवन में करते हैं। चाहे वह खेत हों या फैक्ट्रियां, घर हों या अस्पताल। यह दर्शाता है कि भविष्य में रोबोट हमारी जिंदगी का एक अभिन्न और सक्रिय हिस्सा बनने वाले हैं, और चीन इस बदलाव में सबसे आगे रहना चाहता है। इस अनूठे प्रशिक्षण केंद्र में रोबोटों को शुरुआत में लगभग 45 बुनियादी काम सिखाए जाएंगे। इनमें सामान्य वस्तुओं को उठाना, पकड़ना, सही जगह पर रखना और एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाना शामिल है। ये ऐसे कार्य हैं जो औद्योगिक और घरेलू दोनों ही परिवेशों में अत्यंत आवश्यक होते हैं। धीरे-धीरे उन्हें अधिक जटिल कार्यों के लिए भी तैयार किया जाएगा, जैसे कपड़े मोड़ना, अलमारियां साफ करना, नाजुक गैजेट्स की सफाई करना और अन्य घरेलू व औद्योगिक कार्य। दिलचस्प बात यह है कि इंसानों के लिए आसान लगने वाला टी-शर्ट मोड़ना भी इन रोबोटों के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण कामों में से एक माना जाता है, जिस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा ताकि वे मानवीय निपुणता के करीब पहुंच सकें।

नेपाल में सत्तारूढ़ दल के संशोधित विधान में बड़ा बदलाव, प्रधानमंत्री बालेन्द्र पर शिकंजा कसा

काठमांडू

नेपाल की सत्तारूढ़ राष्ट्रीय स्वतन्त्र पार्टी (आरएसपी) ने अपने संशोधित पार्टी विधान में महत्वपूर्ण प्रावधान जोड़ा है। नए नियम के अनुसार यदि संसदीय दल का नेता यानी प्रधानमंत्री पार्टी अध्यक्ष के नीतिगत निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो उसे पद से हटाया जा सकेगा।

संशोधित विधान में पार्टी अध्यक्ष के काम, कर्तव्य और अधिकारों के तहत संसदीय दल के साथ समन्वय को वैचारिक और राजनीतिक नेतृत्व का हिस्सा बनाया गया है। इसके तहत अध्यक्ष को यह अधिकार दिया गया है कि यदि वह स्वयं संसदीय दल का नेता नहीं है, तो भी वह संसद में पार्टी की आधिकारिक नीति, सिद्धांत, निर्णय और दृष्टिकोण के प्रभावी प्रतिनिधित्व तथा क्रियान्वयन के लिए संसदीय दल को आवश्यक नीतिगत मार्गदर्शन दे सकेगा।

विधान में स्पष्ट उल्लेख है कि पार्टी अध्यक्ष द्वारा दिए गए ऐसे नीतिगत निर्देशों का पालन करना संसदीय दल, उसके नेता यानि प्रधानमंत्री और सभी सांसदों का अनिवार्य दायित्व होगा। इस प्रावधान के अनुसार, यदि पार्टी अध्यक्ष के निर्देशों की अवहेलना की जाती है, तो संबंधित संसदीय दल के नेता को पद से हटाने की कार्रवाई की जा सकती है। यह व्यवस्था विधान की धारा 68 (1) में शामिल की गई है।

धारा में कहा गया है कि यदि संसदीय दल का नेता धारा 11(क) (3) के तहत पार्टी अध्यक्ष द्वारा दिए गए नीतिगत मार्गदर्शन का पालन नहीं करता है, तो उसे पदमुक्त किया जा सकता है। इसी धारा में अध्यक्ष को संसदीय दल को नीतिगत दिशा-निर्देश देने का अधिकार भी प्रदान किया गया है।

इस नए प्रावधान के अनुसार, पार्टी अध्यक्ष रवि लामिछाने द्वारा जारी नीतिगत निर्देशों का पालन संसदीय दल के नेता और सभी आरएसपी सांसदों के लिए अनिवार्य होगा। यदि कोई नेता या सांसद इन निर्देशों की अनदेखी करता है, तो अध्यक्ष को उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए संसदीय दल के नेता को पद से हटाने का अधिकार प्राप्त होगा।

2028 से आने का दावा करने वाले युवक के वीडियो वायरल

लंदन। समय यात्रा के दावे हमेशा से कौतूहल का विषय रहे हैं, जिनकी वैज्ञानिक पुष्टि अब तक नहीं हुई है। इसके बावजूद, सोशल मीडिया पर जेवियर नाम के युवक के वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं, जो खुद को वर्ष 2028 का टाइम ट्रैवलर बताता है। उसका दावा है कि वह दो साल आगे की दुनिया में अकेला रह रहा है, जहां वर्ष 2028 तक पूरी मानव सभ्यता समाप्त हो चुकी है और वह पृथ्वी पर बचा अंतिम इंसान है। जेवियर लगातार वीडियो साझा कर अपने दावों को सही साबित करने की कोशिश कर रहा है। उसके वीडियो में स्पेन, लंदन और अन्य स्थानों की सड़कें पूरी तरह सुनसान दिखाई देती हैं। इमारतें, संग्रहालय, वाहन और अन्य ढाँचे सामान्य स्थिति में नजर आते हैं, लेकिन कहीं भी कोई व्यक्ति दिखाई नहीं देता। उसका दावा है कि मुझे अकेले रहते 340 दिन हो गए हैं और उसने कई शहर देखे, पर किसी इंसान से सामना नहीं हुआ। वह यह भी बताता है कि बिजली और इंटरनेट सेवाएं अब भी चालू हैं, जिसके कारण अपने वीडियो अपलोड कर पा रहा है। टिकटाक पर जेवियर के 66 लाख से अधिक फालोअर्स हैं और वीडियो लाखों लोग देख रहे हैं। हालांकि, इन दावों पर लोगों की राय बंटी हुई है। जहां कुछ लोग इसे सच मान रहे हैं, वहीं अधिकांश इसे रचनात्मक वीडियो निर्माण या अभिनय का हिस्सा मानते हैं।

हमास ने गाजा की प्रशासनिक समिति भंग की, नई तकनीकी समिति के गठन का रास्ता साफ

गाजा सिटी

फिलिस्तीनी इस्लामिक संगठन हमास ने लगभग दो दशकों से गाजा पट्टी का प्रशासन संभाल रही अपनी सरकारी समिति को भंग करने की घोषणा कर दी है। इस फैसले से गाजा के प्रशासन का कार्यभार एक नई तकनीकी नेशनल कमेटी फार द एडमिनिस्ट्रेशन आफ गाजा (एनसीएजी) को सौंपने का मार्ग प्रशस्त हो गया है।

हमास ने 2006 के चुनावों में जीत के बाद 2007 में प्रतिद्वंद्वी संगठन फतह को हटाकर गाजा पर नियंत्रण स्थापित किया था और तब से वह वहां शासन चला रहा था।

अक्टूबर 2025 में इजराइल और हमास के बीच युद्धविराम लागू होने के बाद से हमास कई बार यह संकेत दे चुका था कि वह दैनिक प्रशासन से पीछे हटने को तैयार है। हालांकि, उसके हथियार छोड़ने का मुद्दा अब भी सबसे बड़ी बाधा बना हुआ है।

हमास के सरकारी मीडिया कार्यालय के प्रमुख इस्माइल अल-थवाब्ता ने बताया कि आपातकालीन सरकारी समिति के प्रमुख मोहम्मद अल-फर्रा ने आधिकारिक रूप से इस्तीफा दे दिया है और समिति को भंग कर दिया गया है, ताकि प्रशासनिक जिम्मेदारियां एनसीएजी को सौंपी जा सकें।

एनसीएजी का गठन अक्टूबर 2025 में युद्धविराम समझौते के बाद किया गया था। यह समिति फिलहाल मिस्र की राजधानी काहिरा में कार्यरत है और गाजा का प्रशासन संभालने के लिए तैयार होने का दावा कर रही है।

समिति के प्रमुख अली शाअथ ने कहा कि आवश्यक संसाधन और सुविधाएं उपलब्ध होते ही एनसीएजी अपनी राष्ट्रीय जिम्मेदारियां निभाने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने स्पष्ट किया कि गाजा में एक ही प्रशासन, एक ही कानून और एक ही सशस्त्र बल होना चाहिए।

युद्धविराम के लिए गठित अंतरराष्ट्रीय बोर्ड आफ पीस ने भी हमास के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि गाजा में सभी हथियार एनसीएजी के नियंत्रण में होने चाहिए।

खामेनेई का पार्थिव शरीर ले जाया गया कोम, जामकरन मस्जिद में की गई प्रार्थना, जुलूस की तैयारी

तेहरान

ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के पार्थिव शरीर को पवित्र शहर कोम पहुंचाया गया। खामेनेई के अंतिम संस्कार की रस्में चार जुलाई से शुरू हुई हैं। उन्हें नौ जुलाई को उनके जन्मस्थान मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। आठ जुलाई को उनके पार्थिव शरीर को इराक ले जाया जाएगा। वहां के नजफ और कर्बला में विशेष श्रद्धांजलि सभा का आयोजन होना है।

संवाद समिति इरना, अल जजीरा और तेहरान टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, कोम के गवर्नर जनरल अकबर बेहनामजू ने शहीद नेता के पार्थिव शरीर के पहुंचने की पुष्टि की है। उन्होंने कहा कि अंतिम संस्कार प्रार्थना मंगलवार सुबह 6:00 बजे जामकरन मस्जिद में हुई। इसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। उन्होंने कहा कि कोम प्रांत शहीद नेता और उनके परिवार के अंतिम संस्कार जुलूस की मेजबानी करने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि जुलूस को पैगंबर-ए-आजम बुलेवार्ड से हजरत मासूमेह की पवित्र मजार पर ले जाया जाएगा। ईरान में खामेनेई के राजकीय अंतिम संस्कार की रस्में चार जुलाई से शुरू हुई हैं। नौ जुलाई को उन्हें पवित्र शहर मशहद के इमाम रजा के मकबरे में सुपुर्द-ए-खाक किया जाएगा। इसके बाद 40 दिनों तक सार्वजनिक शोक मनाया जाएगा। पहले दिन उनके और परिवार के ताबूतों को तेहरान की ग्रैंड मोसाला मस्जिद में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। पांच जुलाई को दुनिया भर के नेताओं ने प्रार्थना सभा में हिस्सा लिया। छह जुलाई को तेहरान में अंतिम संस्कार जुलूस निकाला गया। इसमें हिस्सा लेने के लिए भारी भीड़ उमड़ी। नौ जुलाई को अंतिम यात्रा पवित्र शहर मशहद पहुंचेगी। मशहद में उन्हें पूरे राजकीय सम्मान के साथ दफनाया जाएगा। अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों की 28 फरवरी को अमेरिका-इजराइल के हमले में मौत हो गई थी। अयातुल्ला जाफर सोभानी ने सोमवार को जनाजे की नमाज का नेतृत्व किया। खामेनेई के उत्तराधिकारी और उनके बेटे मोजतबा खामेनेई अपने पिता के अंतिम संस्कार की रस्मों में अब तक नजर नहीं आए हैं। कोम में 984 ईस्वी में निर्मित जामकरन मस्जिद को साहिब अल-जमान मस्जिद भी कहा जाता है। यह कोम शहर के बाहरी इलाके में स्थित महत्वपूर्ण शिया तीर्थस्थल है। यह मस्जिद शिया मुसलमानों के 12वें इमाम महदी (अल-मद) को समर्पित है। मंगलवार की रात को यहां श्रद्धालु मन्नतें मांगने पहुंचते हैं।महत्वपूर्ण मौकों, बड़े संकट या संघर्ष के समय इस मस्जिद के गुंबद पर बदले या न्याय का प्रतीक लाल झंडा फहराया जाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपना धैर्य न खोएँ, ख़ास तौर पर मुश्किल हालात में। रियल एस्टेट और वित्तीय लेन-देन के लिए अच्छा दिन है। शाम को साथियों का साथ मज़ेदार रहेगा। आपके प्यार को न सुनना पड़ सकता है। ख़ुद को अभिव्यक्त करने के लिए अच्छा समय है- और ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कीजिए, जो रचनात्मक हों। आज टीवी या मोबाइल पर कोई मूवी देखने में आप इतना व्यस्त हो सकते हैं कि आप जरुरी कामों को करना भी भूल जाएंगे। शादी सिर्फ़ एक छत के नीचे रहने का नाम नहीं है; एक-दूसरे के साथ कुछ समय बिताना भी ज़रूरी है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। आज के दिन आपका कठिन परिश्रम फलदायी सिद्ध होगा। वक्त पर चलने के साथ-साथ अपनों को वक्त देना भी आवश्यक है। यह बात आज आप समझेंगे लेकिन इसके बावजूद भी आप अपने घरवालों को पर्याप्त समय नहीं दे पाएंगे। आप दुनिया में ख़ुद को सबसे रईस महसूस करेंगे, क्योंकि आपके जीवनसाथी का व्यवहार आपको ऐसा महसूस कराएगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा। आपके पास आज पैसा भी पर्याप्त मात्रा में होगा और इसके साथ ही मन में शांति भी होगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आपके लिए आज बहुत सक्रिय और लोगों से मेल-जोल भरा दिन रहेगा। लोग आपसे आपकी राय मांगेंगे और जो भी आप कहेंगे, उसे बिना सोचे मान लेंगे। आज का दिन फ़ायदेमंद साबित होगा, क्योंकि ऐसा लगता है कि चीज़ें आपके पक्ष में जाएंगी और आप हर काम में अव्वल रहेंगे

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

जो लोग अब तक पैसे को बिना वजह ही उड़ा रहे थे आज उन्हें अपने आप पर काबू रखना चाहिए और धन की बचत करनी चाहिए। परिवार के सदस्यों का आपके जीवन में विशेष महत्व होगा। आप दफ़्तर में माहौल में बेहतरी और कामकाज के स्तर में सुधार को महसूस कर सकते हैं। इस राशि के जातक आज के दिन अपने भाई-बहनों के साथ घर पर कोई मूवी देख सकते हैं। ऐसा करके आप लोगों के बीच प्यार में इजाफा होगा। आपका जीवनसाथी आपकी कमज़ोरियों को सहलाएगा और आपको सुखद अनुभूति देगा।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आपका हँसमुख स्वभाव दूसरों को ख़ुश रखेगा। आज आपको अपने भाई या बहन की मदद से धन लाभ होने की संभावना है। परिवार के सदस्यों की अच्छी सलाह आज आपके लिए लाभदायक सिद्ध होगी। आज किसी ऐसे इंसान से मिलने की संभावना है जो आपके दिल को गहराई से छूएगा। नए ग्राहकों से बात करने के लिए बेहतरीन दिन है। दिल के करीबी लोगों के साथ आपका वक्त बिताने का मन करेगा लेकिन आप ऐसा कर पाने में सक्षम नहीं हो पाएंगे।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज के दिन आपको धन लाभ होने की पूरी संभावना है लेकिन इसके साथ ही आपको दान-पुण्य भी करना चाहिए क्योंकि इससे आपको मानसिक शांति मिलेगी। अपने जीवन-साथी के साथ बेहतर समझ ज़िन्दगी में ख़ुशी, सुकून और समृद्धि लाएगी। आज आप जीवन में सच्चे प्रेम की कमी का अनुभव करेंगे। दफ़्तर में आप तारीफ़ पाएंगे। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी-सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

जल्दबाज़ी में निवेश न करें- अगर आप सभी मुमकिन कोणों से परखेंगे नहीं तो नुकसान हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताज़ा करने के लिए अच्छा दिन है। काम के लिए मौक़े परिचित महिलाओं की ओर से आ सकते हैं। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दुर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। आपका जीवनसाथी ही आपका हमदम है।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आज आराम के लिए बहुत कम समय है- क्योंकि पहले के टाले हुए काम आपको व्यस्त रखेंगे। बिना किसी को अवगत कराए ही आज आपके घर में किसी दूर के रिश्तेदार की एंट्री हो सकती है जिसके कारण आपका समय खराब हो सकता है। किसी के प्रभाव में आकर आपका जीवनसाथी आपसे झगड़ सकता है, लेकिन प्यार और सद्भाव से मामला सुलझ जाएगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आपके मन में जल्दी पैसे कमाने की तीव्र इच्छा पैसा होगी। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। अपने दिल की बात ज़ाहिर करके आप ख़ुद को काफ़ी हल्का और रोमांचित महसूस करेंगे। बिना गहराई से समझे-बूझे किसी व्यावसायिक/क़ानूनी दस्तावेज़ पर हस्ताक्षर न करें। अपने ज़बरदस्त आत्मविश्वास का फ़ायदा उठाएँ, बाहर निकलें और कुछ नए सम्पर्क व दोस्त बनाएँ। आप और आपका हमदम एक-दूसरे से आज एक-दूसरे की ख़ूबसूरत भावनाओं का इज़हार कर सकेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज बिना किसी की मदद के ही आप धन कमा पाने में सक्षम होंगे। कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना जश्न और उल्लास के पल लेकर आएगा। आप अचानक गुलाबों की ख़ुश्बू से ख़ुद को सराबोर पाएंगे। यह प्यार की मदहोशी है, इसे महसूस करें। जो काम आप कर चुके हैं, उसके चलते आज आपको पहचान मिलेगी। अपने बच्चों को आज समय का सदुपयोग करने की सलाह दे सकते हैं। आज चाहे दुनिया इधर-की-उधर ही क्यों न हो जाए, आप अपने जीवनसाथी के साथ समय गुजारेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अपने दिन की शुरुआत कसरत से करें- यही वक़्त है जब आप अपने बारे में अच्छा महसूस करने की शुरुआत कर सकते हैं- इसे अपनी दिनचर्या में शामिल करें और नियमित रखने की कोशिश करें। आप अच्छा पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप पारंपरिक तौर पर निवेश करें। आपकी स्वच्छन्द जीवनशैली घर में तनाव पैदा कर सकती है, इसलिए देर रात तक बाहर रहने और ज़्यादा ख़र्च करने से बचें। नई परियोजनाओं और कामों को अमली जामा पहनाने के लिए बेहतरीन दिन है। दीर्घावधि में कामकाज के सिलसिले में की गयी यात्रा फ़ायदेमंद साबित होगी

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

पारिवारिक समस्याओं को प्राथमिकता दें। आज अपने प्रिय से दूर होने का दुःख आपको टीस देता रहेगा। पैसे बनाने के उन नए विचारों का उपयोग करें, जो आज आपके ज़ेहन में आएँ। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। दिन में जीवनसाथी के साथ बहस के बाद एक बेहतरीन शाम गुज़रेगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 जुलाई 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : अष्टमी दोपहर 12:24 तक
नक्षत्र : रेवती सायं 04:01 तक
योग : अतिगंड दोपहर 12:37 तक
करण : कौलव दोपहर 12:24 तक
चन्द्रराशि : मीन सायं 04:01 तक
सूर्योदय : 05:47, सूर्यास्त 06:54 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:59, सूर्यास्त 06:50 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:50 , सूर्यास्त 06:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:40 ,सूर्यास्त 06:44 (विजयवाडा)
शुभ चौघड़िया
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पंचक सायं 04:01 तक , गण्डमूल चालू है

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※
पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

चेवेल्ला–शादनगर हाईवे पर खुला डिवाइडर कट बना ब्लैक स्पॉट
लगातार हादसों से स्थानीय लोगों में आक्रोश

चेवेल्ला (रंगा रेड्डी जिला), 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

चेवेल्ला–शादनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर कंदवाड़ा गांव जाने वाले मार्ग के सामने, विद्या विकास कॉलेज के समीप डिवाइडर में छोड़ा गया खुला कट लगातार सड़क दुर्घटनाओं का कारण बन रहा है। विडंबना यह है कि कुछ ही दूरी पर अधिकृत यू-टर्न उपलब्ध होने के बावजूद अनेक वाहन चालक इसी खुले कट का उपयोग कर रहे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि संबंधित विभाग की ओर से अब तक इस समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सबसे दर्दनाक हादसा महज एक सप्ताह पहले, 1 जुलाई को हुआ, जब कंदवाड़ा निवासी छात्र सात्विक रेड्डी सुबह लगभग 7:30 बजे स्कूल जाने के लिए सड़क किनारे बस का इंतजार कर रहे थे। उसी दौरान तांडूर डिपो की एक आरटीसी बस की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार, डिवाइडर के खुले कट से एक कार के अचानक यू-टर्न लेने और बस की तेज रफ्तार के कारण चालक ने कार को बचाने का प्रयास किया, जिसके दौरान छात्र बस की चपेट में आ गया।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यह पहली दुर्घटना नहीं है। उनके अनुसार, इस स्थान पर पहले भी कई सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें अनेक लोगों की जान जा चुकी है तथा कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। इसके बावजूद न तो इस खतरनाक कट को बंद किया गया है और न ही दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी सुरक्षा उपाय किए गए हैं।

शुभ लाभ दैनिक हिंदी पत्रिका इस समाचार को प्रशासन, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, पुलिस तथा संबंधित विभागों का ध्यान इस गंभीर समस्या की ओर आकर्षित करने के जनहित उद्देश्य से प्रकाशित कर रही है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि यदि समय रहते इस ब्लैक स्पॉट पर प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में और भी गंभीर हादसे हो सकते हैं।

स्थानीय लोगों ने मांग की है कि डिवाइडर के इस खुले कट को तत्काल स्थायी रूप से बंद किया जाए तथा आवश्यक बैरिकेडिंग, चेतावनी संकेतक, गति नियंत्रण के उपाय और नियमित पुलिस निगरानी सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में किसी अन्य परिवार को ऐसी त्रासदी का सामना न करना पड़े।

अब सभी की निगाहें संबंधित विभागों की कार्रवाई पर हैं। स्थानीय नागरिकों को उम्मीद है कि इस जनहित के मुद्दे पर शीघ्र प्रभावी कदम उठाकर इस दुर्घटना-प्रवण स्थान को सुरक्षित बनाया जाएगा।

सेवा और समर्पण की मिसाल बन चुका है राधे-राधे ग्रुप,
जरूरतमंद तक पहुंच रही मानवता की खुशबू : महेश गुप्ता

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 के पास नियमित चंदन सेवा कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत श्रद्धा, उत्साह और सेवा भावना के साथ किया गया।

इस अवसर पर समाजसेवी महेश गुप्ता ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि किसी भी समाज की वास्तविक पहचान उसके सेवा संस्कारों से होती है और राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद आज उसी सेवा, समर्पण और मानवता का जीवंत उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा कि निस्वार्थ भाव से किया गया प्रत्येक सेवा कार्य ईश्वर की सच्ची आराधना है तथा जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना सबसे बड़ा पुण्य है। महेश गुप्ता ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का प्रत्येक सदस्य बिना किसी जाति, धर्म, वर्ग या क्षेत्र के भेदभाव के मानव सेवा को अपना सर्वोच्च कर्तव्य मानकर कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला देवी कुमावत, पाबुराम कुमावत, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल एवं गोपाल गोयल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक कार्यकर्ता एवं सदस्य उपस्थित रहे।

सभी ने सेवा कार्यों को समाज की सबसे बड़ी शक्ति बताते हुए अधिक से अधिक लोगों से इस पुण्य अभियान से जुड़ने का आह्वान किया।

धर्मस्थलों में भेदभाव परमात्मा का अपमान, उपासना का अधिकार सभी को समान : कमल मुनि

मैसूर, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

धार्मिक उपासना का अधिकार केवल इंसानों को ही नहीं, बल्कि प्राणी मात्र को समान रूप से प्राप्त है। महिला हो अथवा पुरुष, किसी भी जाति या वर्ग का व्यक्ति हो, उसे उपासना से वंचित रखने का अधिकार किसी को नहीं है। उक्त विचार राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश ने अपने प्रवचन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि उपासना में जाति, पद, प्रतिष्ठा, ऊंच-नीच अथवा सामाजिक भेदभाव का कोई स्थान नहीं है। जिसके मन में जितने अधिक पवित्र भाव होंगे, वह उतना ही परमात्मा के निकट होगा।

राष्ट्रसंत ने कहा कि आराधना एवं उपासना में वीआईपी संस्कृति की घुसपैठ तथा उसे सर्वोच्च स्थान देना सामान्य श्रद्धालुओं की भावनाओं को कुचलने के समान है। यह परमात्मा के साथ छल है तथा धर्म पर कलंक और अभिशाप है। उन्होंने कहा कि जब तक पहले आओ, पहले पाओ की व्यवस्था लागू नहीं होगी, तब तक सच्ची धार्मिकता स्थापित नहीं हो सकती।

उन्होंने आगे कहा कि जब उपासना पर धन का प्रभाव हावी हो जाता है, तब धर्म की आत्मा वहां से विदा हो जाती है और केवल मृतप्राय धर्म का पालन रह जाता है। भगवान राम और शबरी, भगवान महावीर और चंदनबाला जैसे उदाहरणों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि सभी महापुरुषों ने समानता का संदेश दिया और प्रत्येक व्यक्ति को समान अधिकार प्रदान किए।

राष्ट्रसंत कमल मुनि जी ने कहा कि किसी भी धर्मस्थल में किसी व्यक्ति के प्रवेश या उपासना पर प्रतिबंध लगाना तथा किसी प्रकार का भेदभाव करना, साक्षात परमात्मा का अपमान करने के समान है।

उन्होंने कहा कि जहां मानव और मानव के बीच किसी भी माध्यम से भेदभाव की दीवार खड़ी की जाती है, वहां धर्मस्थल भी पापस्थल में परिवर्तित हो जाता है। प्रवचन के अंत में उन्होंने कहा कि केवल बाहरी उपासना पद्धति की भिन्नता के आधार पर अपनी उपासना को श्रेष्ठ और दूसरों की उपासना को हीन सिद्ध करने का प्रयास करना सबसे बड़ी संकीर्णता है।

पदयात्रा के दौरान अध्यक्ष सुभाष दरड़ा, मंत्री बुद्धमल बाघमार, अशोक मुथा, किरण पटवा, गौतम सकलेचा, राकेश बाठिया, प्रकाश चुतर, महावीर खाबिया तथा सरोज मुथा ने सेवा का लाभ प्राप्त किया।

राष्ट्रसंत कमल मुनि जी कमलेश का अगला प्रवचन 8 जुलाई को प्रातः 9:00 बजे क्षमता भवन में आयोजित होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के उपस्थित रहने की संभावना है।

मदनूर में ग्राम पंचायत बैठक: अवैध शराब और प्लास्टिक निषेध पर चर्चा, सचिव पर लापरवाही का आरोप

मदनूर, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्राम सरपंच ऊषा संतोष मिस्त्री की अध्यक्षता में सोमवार को ग्राम पंचायत भवन में बैठक हुई। सदस्यों ने सचिव संदीप को आड़े हाथ लेते हुए ग्राम सभा में अवैध शराब बंद करने और प्लास्टिक उपयोग निषेध पर हुई चर्चा का हवाला दिया। सदस्यों ने पत्रकारों को बताया कि गांव के विकास को लेकर कहने के बावजूद पंचायत अधिकारी लापरवाही बरत रहे हैं।

हनुमान मंदिर की हुंडी से 5 लाख से अधिक आय, कंपाउंड निर्माण की योजना

मदनूर, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सलाबतपुर स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर की हुंडी से 5,04,716 रुपये की आय प्राप्त हुई। मंदिर अधिकारी वेणु ने बताया कि बंदोबस्ती विभाग के सहायक आयुक्त विजय रामा राव की उपस्थिति में मंगलवार को हुंडी खोली गई और भक्तों के समक्ष राशि की गणना की गई। सहायक आयुक्त ने बताया कि मंदिर कंपाउंड का एस्टीमेट तैयार है। सरकार से निधि मंजूर होने पर दीवार निर्माण कराया जाएगा, अन्यथा देवदया शाखा से तार फेंसिंग की जाएगी। इस दौरान 5 किलो चांदी, 300 ग्राम मिश्रित चांदी और 2 ग्राम सोना पुनः हुंडी में रखा गया। कार्यक्रम में मंदिर सचिव रामलू, कर्मचारी वेणु कुलकर्णी, कल्पना, पुजारी अरविंद, विजय, शैलेन्द्र महाराज उपस्थित रहे।

एसआईआर अभियान का बहिष्कार, भूमि विवाद के स्थायी समाधान की मांग

आसिफाबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। आसिफाबाद जिले के केरामेरी मंडल में तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा से लगे विवादित गांवों के ग्रामीणों ने विशेष मतदाता सूची पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान का बहिष्कार कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि जब तक उनकी वर्षों पुरानी भूमि संबंधी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं किया जाता, तब तक वे एन्यूमरेशन फॉर्म स्वीकार नहीं करेंगे।

ग्रामीणों ने मांग की है कि तेलंगाना और महाराष्ट्र के जिला कलेक्टर तथा तहसीलदार स्वयं गांवों का दौरा कर उनकी समस्याओं का मौके पर समाधान करें। अंतापुर और भोलापटार ग्राम पंचायतों के कुछ लोगों ने फॉर्म स्वीकार किए हैं, लेकिन परंधोली, कोटा, लेंडीगुड़ा, शंकर लोद्दी, परंधोली तांडा, मुकद्दंगुड़ा और महाराजगुड़ा सहित कई गांवों के मतदाताओं ने एसआईआर प्रक्रिया से दूरी बनाए रखी है।

बूथ लेवल अधिकारियों और सुपरवाइजरों द्वारा चलाए गए जागरूकता अभियान के बावजूद ग्रामीण अपने निर्णय पर अडिग हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि तेलंगाना-महाराष्ट्र सीमा के 15 गांवों में बड़ी संख्या में रहने वाले अनुसूचित जाति समुदाय के लोगों की भूमि संबंधी समस्याएं वर्षों से लंबित हैं।

ग्रामीणों के अनुसार, वर्ष 2014 तक वे बैंक ऋण लेकर इन जमीनों पर खेती करते थे। इसके बाद किसी भी सरकार ने उनकी भूमि का पंजीकरण नहीं किया और न ही पहानी (भूमि अभिलेख) जारी किए। वहीं, वन विभाग इन जमीनों को आरक्षित वन क्षेत्र बताकर वहां पौधारोपण का प्रयास कर रहा है और खेती करने में बाधाएं उत्पन्न कर रहा है। ग्रामीणों ने स्पष्ट किया कि जब तक उनकी भूमि के स्वामित्व और अभिलेखों को लेकर स्थायी समाधान नहीं निकाला जाता, तब तक वे एसआईआर प्रक्रिया में भाग नहीं लेंगे।

आरपी पटनायक ने किए कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी के दर्शन

पेद्दापल्ली, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। प्रख्यात संगीत निर्देशक, गायक और अभिनेता आरपी पटनायक ने सोमवार को अपने परिवार के साथ जगतियाल जिले के कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में दर्शन किए। मंदिर पहुंचने पर अधिकारियों और पुजारियों ने उनका पारंपरिक स्वागत किया।

विशेष पूजा-अर्चना के बाद मुख्य पुजारी लक्ष्मण चारी ने उन्हें तीर्थ प्रसाद व शेषवस्त्र भेंट कर आशीर्वाद दिया। आरपी पटनायक ने कहा कि दर्शन एक आध्यात्मिक अनुभव रहा और उन्होंने भगवान से सभी के कल्याण की कामना की। इस दौरान मंदिर अधीक्षक चंद्र शेखर और निरीक्षक चेकिला अशोक उपस्थित रहे।

कालेश्वरम जोन पुलिस ड्यूटी मीट संपन्न, वैज्ञानिक जांच पर जोर

मंचेरियाल, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। रामगुंडम पुलिस आयुक्त अंबर किशोर झा ने मंगलवार को कालेश्वरम जोन स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट में कहा कि अपराधों की जांच वैज्ञानिक और तकनीकी तरीकों से की जाए, ताकि मामलों का निष्पक्ष व प्रभावी खुलासा हो सके।पेद्दापल्ली, मंचेरियाल, कोमुरम भीम आसिफाबाद, जयशंकर भूपालपल्ली और मुलुगु जिलों के अधिकारी इसमें शामिल हुए। सीपी ने कहा कि ड्यूटी मीट पेशेवर कौशल निखारने और आत्मसमीक्षा का मंच है। यहां सीखी तकनीकों से जांच की गुणवत्ता सुधरेगी। चार श्रेणियों- साइंटिफिक एड्स टू इन्वेस्टिगेशन, एंटी सबोटाज चेक, कंप्यूटर अवेयरनेस और डॉग स्क्वाड में प्रतियोगिताएं हुईं। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अधिकारी हैदराबाद के मलकाजगिरि में राज्य स्तरीय ड्यूटी मीट में जोन का प्रतिनिधित्व करेंगे।इस अवसर पर एडिशनल डीसीपी के. श्रीनिवास, एसीपी नागेंद्र गौड़, श्रीनिवास, रवींदर, प्रवीण कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

बांसवाड़ा में होटलों का निरीक्षण

बांसवाड़ा, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। म्युनिसिपल कमिश्नर गोपू गंगाधर ने मंगलवार को बांसवाड़ा नगर निगम क्षेत्र के होटलों और रेस्टोरेंट का निरीक्षण किया। मानसून और जनस्वास्थ्य को देखते हुए खाद्य सामग्री व सफाई व्यवस्था की जांच की गई।

कमिश्नर ने कई दिनों से रखे सामान को तुरंत हटाने के निर्देश दिए और सफाई न मिलने पर जुर्माने की चेतावनी दी। मानकों का पालन नहीं करने पर दो होटलों पर जुर्माना लगाया गया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में प्रतिदिन निरीक्षण होगा। होटल मालिकों को सफाई मानकों का सख्ती से पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

पेयजल के वैकल्पिक इंतजाम पर मंथन

बांसवाड़ा, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। वाइस चेयरपर्सन रेशमा बेगम एजाज की अध्यक्षता में मंगलवार को बांसवाड़ा म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में गवर्निंग बॉडी की बैठक हुई। मिशन भागीरथ के तहत शहर को सिंगुर जलाशय से पेयजल आपूर्ति की जाती है, लेकिन जलस्तर कम होने से आपूर्ति बाधित होने की आशंका है। बैठक में सदस्यों ने वैकल्पिक इंतजामों पर चर्चा की और पेयजल संकट न हो, इसके लिए जरूरी कदम उठाने की अनुमति दी।

युवाओं के लिए फ्री स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग

पेद्दापल्ली, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जिला कलेक्टर के सौजन्य से नेशनल एकेडमी ऑफ कंस्ट्रक्शन (एनएसी) की देखरेख में बेरोजगार युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट ट्रेनिंग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला रोजगार अधिकारी एम. राजशेखर ने बताया कि प्रशिक्षण के बाद रोजगार मार्गदर्शन व प्लेसमेंट में मदद दी जाएगी। फिल्म टेक्नोलॉजी और सॉफ्टवेयर के 3 महीने के कोर्स में सिनेमैटोग्राफी, साउंड रिकॉर्डिंग, वीडियो एडिटिंग, डिजिटल डिज़ाइन, डबिंग की ट्रेनिंग होगी। इसके लिए न्यूनतम योग्यता एसएससी है। कंस्ट्रक्शन ट्रेड्स में कंस्ट्रक्शन सेफ्टी, इलेक्ट्रीशियन, सर्वेयर, एमईपी, स्कैफोल्डिंग आदि के 45 दिन से 6 महीने तक के कोर्स होंगे। इच्छुक अभ्यर्थी 15 जुलाई तक पेद्दापल्ली जिला रोजगार कार्यालय में आवेदन करें। सीटें सीमित हैं।

डोंगली पीएसीएस सचिव बी. बाबूराव को सर्वश्रेष्ठ सेवा पुरस्कार

डोंगली, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सहकारी सप्ताह के अवसर पर जिला सहकारिता विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सर्वश्रेष्ठ सेवा पुरस्कार प्राप्त करने पर प्राथमिक कृषि सहकारी समिति (पीएसीएस) के सचिव बी. बाबूराव को समिति अध्यक्ष रमेश पाटिल ने शॉल भेंट कर सम्मानित किया।इस अवसर पर शासी निकाय के सदस्य, प्रबंधक, संस्था के कर्मचारी और किसान उपस्थित रहे और बाबूराव को बधाई दी।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है। इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं।

इस गुप्त मंत्र को सुनने और बोलने से ही दूर हो जाती है सारी समस्याएं

यह मंत्र निम्न प्रकार है-

नमो स्तवन अनंताय सहस्त्र मूर्तये, सहस्त्रपादाक्षि शिरोरु बाहवे
सहस्त्र नाम्ने पुरुषाय शाश्वते, सहस्त्रकोटि युग धारिणे नम:

जानिए एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में, जिसे सुनने और बोलने से ही समस्याएं भाग जाती हैं, लेकिन इसे किसी को बताना नहीं चाहिए।

प्राचीन भारतीय ग्रंथों में कई ऐसे मंत्र दिए गए हैं जिनकी सहायता से असंभव कार्य को भी संभव किया जा सकता है।

इन मंत्रों के प्रयोग से किसी भी कठिनाई को चुटकी बजाते ही दूर करना तो मामूली चीज है ही, साथ में जन्म-जन्मान्तर के भी बंधन कट जाते हैं। आज की इस पोस्ट में हम एक ऐसे ही शक्तिशाली मंत्र के बारे में बताएंगे जिसे सुनने मात्र से ही पाप कट जाते हैं। इस मंत्र के जाप से जीवन की बडी से बडी बाधा भी आसानी से कट जाती है।

जीवन में आने वाली समस्त बाधाओं से मुक्ति पाने के लिए रोज सुबह इस मंत्र का जाप करना चाहिए। इस मंत्र को भगवान शिव तथा विष्णु की पूजा में इस्तेमाल किया जाता है। यह मंत्र अत्यन्त गुप्त है तथा आमतौर पर इसका उल्लेख नहीं किया जाता है।

ऐसे करें इस्तेमाल

इस मंत्र के बारे में महाभारत के अनुशासन पर्व तथा तंत्र के प्राचीन ग्रंथों में लिखा गया है। इसके इस्तेमाल की विधि भी अत्यन्त सरल है। आपको केवल इतना सा करना है कि रोज सुबह नहा-धोकर, साफधुले हुए कपडे पहने तथा भगवान विष्णु की पूजा करें। उन्हें पीले पुष्प, प्रसाद, चंदन आदि समर्पित करें और यथायोग्य उनकी पूजा कर उनसे इस मंत्र के जाप को आरंभ करने का आशीर्वाद लें।

इसके पश्चात एक स्वच्छ व शुद्ध आसन पर एकांत में बैठकर भगवान शिव अथवा विष्णु का ध्यान करते हुए इस मंत्र का जाप आरंभ कर दें। एक माला रोजाना कर लें। आपके लिए इतना ही पर्याप्त रहेगा। साथ ही समस्या हल होने तक इसका जाप लगातार जारी रखें।

पूजा के दौरान रोजाना किसी जीव (भिखारी, बच्चे, पशु या पक्षी) को भोजन दान दें। इसके अलावा घर पर आए साधु को भी अन्नदान दें। इसके बाद सच्चे मन से प्रार्थना कर अपने काम में जुट जाएं। अवश्य ही आपकी इच्छा पूरी होगी।

शुक्रवार को देवी लक्ष्मी के इन मंत्रों के जाप से आर्थिक कष्ट दूर हो जाते हैं

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं ।

शुक्रवार को मां लक्ष्मी का दिन होता है और माना जाता है कि मां लक्ष्मी की पूजा से इंसान को धन की प्राप्ति होती है। श्री महालक्ष्मी पूजन के कुछ सरल मंत्र हैं जिससे सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है। वैभव लाता है। महालक्ष्मी के पूजन में निम्न में से किसी भी एक मंत्र का जप 108 बार करना चाहिए।

श्री महालक्ष्मी के पूजन के सरल मंत्र

महालक्ष्मी पूजन के दो सरल मंत्र हैं। जिनका उच्चारण भी सरल है। महालक्ष्मी की प्रसन्नता के लिए रोज इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

श्री महालक्ष्म्यै नम:। ऊँ महालक्ष्म्यै नम:। श्री महालक्ष्मी के अन्य मंत्र-

शास्त्रों में देवी लक्ष्मी को प्रसन्न करने के कई मंत्र हैं। जिनमें से तीन मंत्र इस प्रकारहैं। इन मंत्रों को तीव्र असरकारी कहा गया है। लेकिन उच्चारण में कठिन है। इसलिए प्रशिक्षित होने पर ही इन मंत्रों का जाप करें।

ऊँ श्रीं श्रियै नम:।
श्रीं हीं क्लीं ऐं कमलवासिन्यै स्वाहा ।
ऊँ श्रीं हीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं हीं श्रीं ऊँ महालक्ष्म्यै नम:।

रावण ने मंदोदरी को बताए थे 'स्त्रियों के 8 अवगुण'

लंकापति रावण का नाम सुनते ही लोग उसके बारे में बुरा सोचने लगते हैं क्योंकि उसने मां सीता का हरण किया था। हम में से बहुत कम ही लोग जानते हैं कि वह एक महापंडित था, जिसने कठोर तपस्या कर के ढेर सारा ज्ञान अर्जित किया था।

रावण की एक पत्नी थी, जिसका नाम मंदोदरी था और वह उससे अति प्रेम करता था।

लेकिन रामचरित मानस के अनुसार जब रावण ने सीता का हरण कर लिया तब उसके बाद श्रीराम वानर सेना सहित समुद्र पार करके लंका पहुंच गए थे, तब मंदोदरी डर गई और उसने रावण के पास जा कर बोला कि आप युद्ध ना करें और सीता को वापस उनके पति श्रीराम के हवाले कर दें और उनसे क्षमा मांग लें।

यह सुनने के बाद रावण अपी पत्नी पर हंसा और महिलाओं के आठ अवगुणों को सुनाने लगा। आइये जानते हैं कि रावण ने स्त्रियों के कौन से 8 अवगुण बताए थे।

पहला अवगुण

पहला अवगुण है, महिला में बहुत ज्यादा साहस होना। इसके चलते वो कई बार उस जगह पर साहस का प्रदर्शन कर देती हैं, जहां उन्हें नहीं करना चाहिये। इससे उन्हें और उनके परिवार वालों को बाद में पछताना पडता है। साहस को दु:साहस नहीं बनाना चाहिये।

दूसरा अवगुण

दूसरा अवगुण है, उनकी निरंतर झूठ बोलने की आदत। रावण ने कहा था कि महिलाएं बात बात पर झूंठ बोलती हैं, लेकिन उन्हें नहीं पता कि झूंठ ज्यादा दिनों तक छुप नहीं पाता।

तीसरा अवगुण

वे काफी चंचल होती हैं। उनका मन बार बार बदलता रहता है और उनके मन की बात को समझना काफी मुश्किल होता है।

चौथा अवगुण

वे कई बार दूसरों के खिलाफ साजिश भी रचती हैं ताकि परिस्थिति उनके अनुकूल हो। अपना काम सिद्ध कराने के लिए महिलाएं क्या-क्या करती हैं, इसकी भी चर्चा की है रावण ने।

पांचवां अवगुण

हांलाकि वो एक ओर तो साहसी होती हैं मगर वे उतनी ही जल्दी घबरा भी जाती हैं। अगर उन्हें लगता है कि काम उनके मुताबिक नहीं हो रहा है तो, वह बदलाव देख डर जाती हैं।

छठा अवगुण

महिलाएं थोडी मूर्ख भी होती हैं। वे बिना सोचे समझे फैसला कर लेती हैं और बडी समस्या में पड जाती हैं और इसका एहसास उन्हें बडी देर से होता है।

सातवां अवगुण

उनका निर्दयी होना। स्त्रियों को पुरुषों के मुकाबले दयालु माना जाता है, लेकिन रावण के अनुसार स्त्रियां निर्दयी होती है। वे अगर कभी दया का भाव छोड दे यानि निर्दयी हो जाए तो कभी भी दया नहीं दिखाती।

आठवां अवगुण

महिलाएं देखने में चाहे कितनी भी सुंदर हों, खूबसूरत गहने और साडी पहने, लेकिन वह साफ-सफाई का ध्यान नहीं रखती। इस कारण से रावण ने महिलाओं को अपवित्र कहा था।

भाग्यशाली बनने के ये हैं 5 उपाय

हर व्यक्ति भाग्यशाली बनने की तमन्ना रखता है। इसके लिए वह कई जतन करता है। वह कठिन परिश्रम करता है। ताकि वो अपनी जिम्मेदारियों को पूरी तरह से निभा सके। लेकिन फेंगशुई में ऐसे कई उपाय बताए गए हैं। जिन्हें आजमाकर आप भाग्यशाली बन सकते हैं।

1. मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियां न हों: ध्यान रखें कि घर के मुख्य द्वार के दोनों ओर खिडकियों का होना दोषपूर्ण माना जाता है। इससे घर के मालिक की आर्थिक समस्याएं बढती हैं। इन खिडकियों के माध्यम से व्यक्ति का भाग्य हवा के साथ बह कर बाहर चला जाता है। इस समस्या के समाधान के लिए खिडकियों की चौखट पर गोल पत्तियां वाले पौधे का गमला रख दें या ऊपर खिडकी में टांग दें।

2. प्रवेश द्वार के अगल-बगल पौधे रखें : घर व ऑफिस के प्रवेश द्वार के अगल-बगल में फूलों के गमले रखने चाहिए। ये घर में या ऑफिस में प्रवेश करने वाली ऊर्जा को और अधिक सकारात्मक व शक्तिशाली बना देते हैं। ध्यान रहे कि ये पौधे कांटेदार व नुकीली पत्तियां वाले नहीं हों।

3. हिंसा दर्शाते चित्र न लगाएं : घर में कभी भी हिंसा वाले चित्र न लगाएं। विशेष रूप से दक्षिण-पश्चिम कोने में तो बिल्कुल भी नहीं। क्योंकि यह कोना रिश्तों से संबंधित होता है। महाभारत के दृश्य, पुस्तक रखना घर परिवार में कलह का कारण बनता है। इससे मन भी अशांत रहता है।

4. सीधे चढाव के दोष को दूर कीजिए : घर में तिरछा या घुमावदार चढाव अच्छा माना जाता है। सीधे चढाव पर ची का प्रवाह एकदम तेज होता है। इसे कम करने के लिए नीचे छह खोखली रॉड वाली एक पवन घंटी (विंड चाइम) लटका देनी चाहिए। यह आगंतुकों के प्रवेश की सूचना देती है तथा गृह स्वामी को उनके प्रति सचेत करती है।

5. संदूक में दोहरा आइना लगाएं : अपने घर व दुकान के संदूक में नीचे व ऊपर की ओर आइना(मिरर) लगा होना चाहिए। इस प्रकार संदूक आपके पैसे को कई गुना बढा देगा। आमदनी भी अधिक होगी। संदूक में लाल फीते से तीन चीनी सिक्के बांध कर रखने से लक्ष्मी जी की प्राप्ति होती है।

मुस्कुराहट ऐसे बनाएगी सफल व्यक्ति

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है।

डिक्शनरी की परिभाषा अनुसार मुस्कराहट, चेहरे का एक ऐसा भाव है जिसमें होठों के किनारे हल्के से ऊपर की तरफउठ जाते हैं, और इससे एक व्यक्ति का उत्साह, उसकी रजामंदी या खुशी जाहिर होती है।

मुस्कान तथा प्रसन्नता हमारे शरीर एवं मन पर आश्चर्यजनक प्रभाव डालते हैं और शोक, भय, क्लेश जैसी प्राणघातक वृत्तियों का उन्मूलन क्षण भर में कर डालते हैं और इसी वजह से आनंद को ईश्वरीय गुण कहा गया है, क्योंकि वह हमारे शरीर में मधुर रस उत्पन्न करता है और किसी अव्यक्त मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया से शरीर और मन पर तत्काल शान्ति का अलौकिक प्रभाव डालता है।

भौतिकता की अंधी दौड में भागते हुए इंसानों को संयोग से यदि कोई मुस्कुराता हुआ व्यक्ति दिख जाता है, तो उसे देखकर वे बडे प्रसन्न हो जाते हैं और उसकी ओर आकर्षित होते हैं। इसके पीछे का मूल कारण है 'सकारात्मक प्रभाव' जो केवल एक मुस्कान मात्र से व्यक्ति को अपने सर्व दु:ख दर्द भुला देता है और सुख व संतोष की अनुभूति कराता है और इसीलिए ही मनुष्य को जब भी हंसने का अवसर मिले, तब जी भरके खूब हंसना चाहिए। याद रहे जो व्यक्ति हंसना नहीं जानता, वह जीना नहीं जानता।

हंसने वाले की ओर सारा संसार आकर्षित होता है और रोने वाले से सबको विकर्षण रहता है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मनुष्य जितनी देर हंसता है, उतनी ही अवधि की वृद्धि वह अपने जीवन में कर लेता है। तभी तो कहते हैं कि जो सदा हंसता-मुस्कुराता है, वह अस्सी वर्ष की अवस्था में भी नौजवान लगता है, वहीं इसके बिल्कुल विपरीत जो मन-मलीन और उदास रहता है, वह बीस वर्ष की आयु में भी बूढा लगने लगता है। हंसने से फेफडों को भी नवीन शक्ति मिलती है, जिससे शरीर का रक्त शुद्ध और सशक्त बनता है। आज एक तरफ अनेक प्रकार के टीवी सीरियल्स मनुष्यों को जबरदस्ती हंसाने का प्रयास कर रहे हैं तो दूसरी तरफ महानगरों में बने विविध लाफिंग क्लस मानव के चेहरे पर जबरदस्ती हंसी लाने का अल्प प्रयास कर रहे हैं। परन्तु यह कृत्रिम हास्य में क्या मजा असली मजा और आनंद तो वास्तविक मुस्कान में है, जो बदकिस्मती से हमें किसी के भी चेहरे पर दिखती नहीं है, क्यों।

इसका कारण है हमारे मन का मैल। जी हां जैसे दीपक की बाती में चाहे कितनी भी रोशनी हो पर उस पर लगे कांच के आवरण पर यदि मिट्टी या कालिमा लगी हो तो वह प्रकाश मैले कांच से अवरुद्ध हो जाता है एवं पूर्णरूपेण बाहर नहीं फैल सकता, ठीक इसी प्रकार से जब तक हमारे मन पर छल, कपट, ईर्ष्या, द्वेष, काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार की कालिमा है, तब तक हमारी आत्मा की खुशी अवरुद्ध होती रहेगी और हमारे चेहरे पर मुस्कराहट आयेगी नहीं, इसलिए सर्वप्रथम हमें इस कालिमा को दिव्य गुणों की धारणा द्वारा दूर करना होगा, अन्यथा हमारा जीवन इन्हीं अवगुणों के वशीभूत सदा दुखी व असंतुष्ट रहेगा। क्या हमने मनुष्य जन्म ऐसे ही रोते-बिलखते काटने के लिए लिया हैं या हंसते-खेलते और गाते-मुस्कराते हुए महोत्सव की भांति आनन्द लेने के लिए लिया है। तय आपको करना है, क्योंकि यह जीवन आपका है। हंसने से खत्म हो जाता है मनोविकारों का विष : हंसने से अनेक द्रव्य मस्तिष्क में प्रवाहित होते हैं जो हमें अनेक बीमारियों से बचाते हैं और तंदुरुस्त रखते हैं, इसीलिए ही हास्य को स्वास्थ्य का मूल-मंत्र माना गया है। ईर्ष्या, द्वेष, क्रोध आदि उत्तेजनाओं से जो शारीरिक अस्त व्यस्तता उत्पन्न हो जाती है, मनोविकारों का जो विष अवयवों में संचित हो जाता है, वह हंसने से दूर हो जाता है।

मन जीतें जग जीत

जीवन भावयुद्ध की तरह है। अक्सर हम पाते हैं कि हम संग्राम में खडे हैं। कभी मन को राहत मिलती है तो कभी संवेदनाएं भी आहत भी होती हैं। मर्म पर लगी इस चोट की वजह कभी हमारा अहंकार होता है तो कभी दूसरों का। जीवन में कभी हम दूसरों से प्रभावित होते हैं और कभी अपनों से। समृद्ध जीवन के लिए जरूरी है कि भावनाओं के युद्ध में, विचारों और संबंधों के युद्ध में हम पराभूत न हों। लेकिन हो सकता है जिसने मनोविकार जीत लिए। जो मानसिक विकारों से मुक्त नहीं हो पाता वह विजेता नहीं हो सकता है। जो चित्त की वृत्तियों को स्थिर नहीं कर पाता वह जीत नहीं सकता। इसलिए गुरु नानक ने कहा है, 'मन जीते जग जीत'। शास्त्र कहते हैं कि मन ही मनुष्य के बंधन और मुक्ति का कारण है। मन से बंधे हैं हम और मन की मुक्ति से ही मनुष्य मुक्त होगा। मुक्ति से अर्थ जडता, आलस्य, प्रमाद, संकीर्णता, भ्रम और भय से मुक्ति से है। इसलिए कभी अगर हम मुक्त हुए तो उसमें मन ही सहायक बनेगा। जब हम अपने मन पर नियंत्रण कर लेंगे तो हम चीजों से पार जा सकेंगे। संसार में जीत उसी की वही है जिसके पास विवेक है। मुश्किल परिस्थितियों में अपने विवेक के जरिए मनुष्य राह निकाल सकता है। विवेकवान मनुष्य बहुत तुच्छ चीजों पर ध्यान नहीं देता और चीजों को समग्रता में देखता है। इसलिए कितनी ही कठिन परिस्थिति क्यों न हो कुछ पल के लिए बिना तनाव के विचार करें। विचारें कि आप जो करने जा रहे हैं क्या वह बेहतर है, क्या वह हितकारी है और आप अच्छा रास्ता चुनने में हमेशा सफल रहेंगे।

ये हैं भगवान श्रीकृष्ण को प्रसन्न करने के 7 मंत्र

1-कृं कृष्णाय नम:

यह स्वयं भगवान श्रीकृष्ण द्वारा बताया गया मूलमंत्र है। इसके प्रयोग से रुका हुआ धन प्राप्त होता है। इसके अलावा इस मूलमंत्र का जाप करने से घर-परिवार में सुख की वर्षा होती है।

2- ऊं श्रीं नम: श्रीकृष्णाय परिपूर्णतमाय स्वाहा

यह श्रीकृष्ण का सप्तदशाक्षर महामंत्र है। अन्य मंत्र शास्त्रीय मान्यताओं के अनुसार 108 बार जाप करने से ही सिद्ध हो जाते हैं लेकिन इस महामंत्र का पांच लाख जाप करने से ही सिद्ध होता है। इससे अटके काम पूरे होते हैं।

3- गोवल्लभाय स्वाहा

ये केवल दो शब्द दिखाई देते हैं लेकिन धार्मिक संदर्भ से देखें तो इन शब्दों को बनाने के लिए प्रयोग में आए सात अक्षर बेहद महत्वपूर्ण हैं। यदि उच्चारण के समय एक भी अक्षर सही से नहीं पढा जाए, तो इस मंत्र का असर खत्म हो जाता है।

4- गोकुल नाथाय नम:

इस आठ अक्षरों वाले श्रीकृष्ण मंत्र का जो भी साधक जाप करता है उसकी सभी इच्छाएं व अभिलाषाएं पूर्ण होती हैं। आर्थिक, आत्मिक और भौतिक सुखों की प्राप्ति होती है।

5- क्लीं ग्लौं क्लीं श्यामलांगाय नम:

ज्इस मंत्र का प्रयोग साधक आर्थिक स्थिति में सुधार की कामना से करते हैं। यह संपूर्ण सिद्धि देना वाला मंत्र है। यह मंत्र आर्थिक स्थिति में सुधार ही नहीं करता बल्कि उसे दृढ भी बनाता है।

6- ऊं नमो भगवते श्रीगोविन्दाय

ज्यह ऐसा मंत्र है जो विवाह से जुडा है। जो जातक प्रेम विवाह करना चाहते हैं लेकिन किन्हीं कारणों से हो नहीं रहा तो वे प्रात: काल में स्नान के बाद ध्यानपूर्वक इस मंत्र का 108 बार जाप करें।

7- ऐं क्लीं कृष्णाय ह्रीं गोविंदाय

श्रीं गोपीजनवल्लभाय स्वाहा हसों

ज्यह मंत्र उच्चारण में थोडा कठिन जरूर है लेकिन इसका प्रभाव अचूक है। यह मंत्र वाणी का वरदान देता है।

जानकारी

नीम के तेल में छिपा है हर रोग का उपचार

नीम की प्रयोग आयुर्वेदिक औषधि के रूप में किया जाता है। नीम के बीज से निकाला हुआ तेल हमारे कई काम आ सकता है। नीम के तेल में बहुत सारे औषधीय गुण छुपे हुए हैं। यह तेल बेहद ही सुगंध वाला होता है। ये सेहत और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है। इसके अलावा यह कई बीमारियों के लिए भी कारगर होता है। इसके बारे में विस्तार से बताते हैं।

मोतियाबिंद की बीमारी: आंखों में मोतियाबिंद और रतौंधी हो जाने पर नीम के तेल को सलाई से आंखों में अंजन की तरह से लगाएं। आंखों में सूजन हो जाने पर नीम के पत्ते को पीस कर अगर दाई आंख में है तो बाएं पैर के अंगूठे पर नीम की पत्ती को पीस कर लेप करें। ऐसा अगर बाई आंख में हो तो दाएं अंगूठे पर लेप करें, आंखों की लाली व सूजन ठीक हो जाएगी।

मलेरिया से बचाव: नीम से मलेरिया भगाया जा सकता है। इससे मच्छर और पैदा होने वाले लार्वा को खत्म किया जा सकता है। मच्छरों पर यह बहुत असरदार होता है। नीम के तेल से मलेरिया पर काबू पाया जा सकता है। किसानों के लिए यह जैविक कीटनाशक का काम करता है। यह पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता। यह जमीन या पानी की आपूर्ति में कोई हानिकारक पदार्थ नहीं मिलाता, यह बायोडीग्रेडेबल है। यह मधुमक्खियों और केंचुए के रूप में उपयोगी कीड़े को नुकसान नहीं पहुंचाता।

स्वस्थ त्वचा: रूखी सूखी त्वचा के लिए नीम बहुत फायदेमंद साबित हो सकता है। एक्जिमा से स्किन पर सूजन और खुजली होती है। इसके लिए इफेक्टिड एरिया में नीम का तेल लगाएं। जलने की वजह से शरीर में जख्म बन जाने पर नीम का तेल लगाने से जख्म जल्दी ठीक हो जाते हैं। इन्फेक्शन से बचाता है। कील-मुंहासों और त्वचा के दाग भी दूर हो जाते है।

रक्तप्रदर मे लाभ: आधा चम्मच नीम का तेल दूध में मिलाकर सुबह-शाम को पीने से रक्तप्रदर और सभी प्रकार के प्रदर बन्द हो जाता है। एथलीट फूट, नाखून कवक जैसे त्वचा रोग फंगल संक्रमण के कारण होते हैं। नीम में पाए जाने वाले दो योगिक 'गेदुनिन' और 'निबिडोल' त्वचा में पाए जाने वाले फफूंद को समाप्त करते हैं और संक्रमण को कम करते हैं।

रुसी दूर करे: बालों को चमकदार, स्वस्थ बाल के लिए,सूखापन दूर करने के लिए नीम के तेल का प्रयोग करें। नीम का तेल नियमित लगाने से सिर की खुजली दूर होगी जिससे रूसी की समस्या ठीक हो जाएगी। इसके तेल से बाल दो मुंहे भी नहीं होते।गंजेपन की समस्या है तो सिर में नीम का तेल लगाएं। इससे जूएं-लीखें भी दूर हो जाती हैं।

दांतों और मसूड़ों की मजबूती: दांतों और मसूड़ों की समस्या में नीम का तेल की कुछ बूंदों मंजन में मिला कर मले। नीम के तेल में एंटी बेक्टीरियन तत्व पाए जाते हैं । जो दांतों में होने वाली समस्यओं जैसे दांतों के दर्द, दांतों का कैंसर, दांतों में सड़न आदि में राहत देता है।

रोके बढ़ती हुई उम्र: नीम में पाये जाने वाले तत्व ऑक्सीकरण रोधक होते हैं। जो चेहरे में होने वाले परिवर्तनों को रोक देते हैं। नीम के तेल लगाने से चेहरे की झुर्रियां कम होती है। और आपकी बढ़ती हुई उम्र रूक जाती है।

गर्मी और बारिश में सफर
खूबसूरत भी है खतरनाक भी

इन बातों का रखें ख्याल तो होगी आसानी

गर्मियों की छुट्टियां खत्म होते होते मानसून शुरू हो जाता है। अक्सर लोग इन्हीं दिनों सफर के लिए जाते हैं। ऐसे में इन बातों का रखें खास ध्यान।

हर मौसम में रखें ख्याल

इन दोनों ही मौसम में आप सफर पर सूती और ढीले ढाले कपड़े लेकर जायें। ये कपड़े जल्दी सूखने वाले और ईको फ्रेंडली हो तो और भी अच्छा है। इसी तरह सबसे आरामदेह फुटवियर को सफर के लिए रखें। इसके अलावा सनग्लास और सनस्क्रीन ले जाना बिलकुल ना भूलें।

स्ट्रीट फूड को विशेष तौर पर अवॉइड करें। इससे गैस, अपच और डिहाइड्रेशन जैसी प्राब्लम्स हो सकती हैं। ज्यादा ऑयली खाना खाने से भी बचें। ठंडे और लिक्वेड फूड जूस, तरबूज खाना प्रिफर करें।

अगर आप को कोई स्पेसफिक प्राब्लम है और उसकी दवायें खाते हैं तो उसे जरूर साथ रख लें। गर्भवती महिलायें पानी और स्नैक्स जरूर साथ में कैरी करें ताकि लंबे सफर के दौरान बीच बीच में कुछ खाती और पीती रहें। बच्चों के लिए भी सफर में कुछ खाने पीने लेकर जरूर चलें। सरदर्द, अपच, उल्टी रोकने वाली जरूरी दवायें और ओरल रिहाइड्रेशन पाउडर आदि ले जाना ना भूलें।

सफर चाहे कार, विमान, ट्रेन या बस किसी से भी करें पर सबसे कंफर्टेबल तकिया जरूर कैरी करें ताकि बैकपेन जैसी प्रॉब्लम्स ना हों। साथ ही थकान से बचने के लिए बीच-बीच में रुक कर थोड़ा आराम जरूर करें।

मानसून में कार के सफर में रखें याद

अगर आप बाई रोड कार से ट्रैवल कर रहे हैं तो इस बात का ख्याल रखें कि आप सड़क के लगभग बीच में ही गाड़ी चलायें। हालाकि कई बार भारी ट्रैफिक के दौरान यह संभव नहीं होता है लेकिन कोशिश करें आप सड़क के ज?यादा किनारे न जायें।

अक्सर लांग ड्राइव पर ब्रेक का प्रयोग कम होता है लेकिन बीच-बीच में हल्का सा ब्रेक लगाते रहें इससे ब्रेकिंग पैड सुखते रहेंगे और अचानक जरूरत पड़ने पर उनकी ग्रिप अच्छी रहेगी।

गाड़ी में म्यूजिक सुनना सबको पसंद होता है पर वाल्यूम को धीमा रखें जिससे कार पर पड़ने वाली बारिश की बूंदों की आवाज से आपको बारिश की गति का अंदाजा मिलता रहेगा।

बरसात में ड्राविंग के दौरान सड़क पर बड़े वाहन जैसे बस, ट्रक आदि से दूरी बनाये रखें और उन्हें ओवरटेक करने की गलती ना करें।

सड़क के किनारे मिट्टी वाले रास्ते से बचें। बारीश के बाद मिट्टी पर फिसलन बढ़ जाती है जो गति और ब्रेकिंग सिस्टम दोनों को प्रभावित कर नुकसान पहुंचा सकती है।

बनें टेक्नोफ्रेंडली

यात्रा के लिए मौसम कोई भी हो पर बड़े काम की बात है। आज कल स्मार्ट फोन्स और टैक्नॉलिजी का जमाना है। इसलिए सफर पर जाने के पहले कई सिक्योरिटी एप्स को अपने फोन में डाऊनलोड करके रखें। ये आपके लिए खासी मददगार साबित हो सकती हैं।

इन एप्स से आपको जहां आप घूमने जा रहे हैं उसके नक्शे, होटल से लेकर फ्लाइट्स या दूसरे सफर के साधनों और लेंग्वेज ट्रांसलेटर्स तक हर चीज में मदद कर सकती हैं।

सबसे आखिर में रवाना होने से पहले जिस जगह आप जा रहे हैं वहां की टूरिज्म वेबसाइट्स पर नजर डाल लें और समझ लें कि आपने सफर के लिए सही मौसम चुना है।

रयूमैटॉइड अर्थराइटिस

जब खुद का दुश्मन बने शरीर...

रीढ़ की हड्डी (स्पाइन) को कई विकारों से ग्रस्त कर देता है स्पाइनल रयूमैटॉइड अर्थराइटिस। रोग गंभीर है लेकिन जीन थेरेपी और अन्य आधुनिक इलाज से इस मर्ज को काबू में लाया जा सकता है। स्पाइनल रयूमैटॉइड अर्थराइटिस ऐसी बीमारी है, जिसमें हमारे शरीर का रोग-प्रतिरोधक तंत्र (इम्यून सिस्टम) हमें बचाने के बजाय हमारे शरीर पर ही आक्रमण करने लग जाता है। इस रोग में शरीर का रोग-प्रतिरोधक तंत्र हमारे शरीर के खिलाफ उसमें बनने वाले प्रोटीन, हड्डियों में स्थित कणों, जोड़ों, इंटरवर्टिब्रल डिस्क (आई. वी. डी) और रीढ़ की मांसपेशियों को खत्म करने लग जाता है। इसके परिणामस्वरूप हमारे जोड़ खराब होने लग जाते हैं, जिससे रीढ़ में विकार आ जाता है, जिसे हम स्पॉन्डिलाइटिस कहते हैं।

रोग का दुष्प्रभाव

स्पाइनल रयूमैटॉइड अर्थराइटिस के कारण आने वाले अधिकतम बदलावों को पलटा नहीं जा सकता। इसके परिणामस्वरूप रीढ़ की हड्डी हमेशा के लिए कार्य करना बंद कर देती है या फिर इसमें अकड़न रह जाती है। ज्यादातर यह माना जाता है कि यह बीमारी लाइलाज है और इसके साथ ताउम्र रहना पड़ेगा। यह रोग कम उम्र खासतौर पर किशोरावस्था में शुरू हो सकता है। रोगी की गंभीरता को देखा जाए, तो इसका प्रभाव न सिर्फ रोगी के शरीर पर परंतु पीड़ित व्यक्ति के मस्तिष्क 58 और सामाजिक और आर्थिक स्थितियों पर भी पड़ता है।

बीमारी के लक्षण

जोड़ों में सूजन, अकड़न या लालिमा होना, थकावट महसूस करना, तेज बुखार होना रयूमैटॉइड अर्थराइटिस के प्रमुख लक्षण हैं। यह रोग कम आयु में प्रारंभ हो जाता है, जिससे जल्दी ही रीढ़ की हड्डी में विकार और सूजन बढ़ जाती है। अंततः रीढ़ की हड्डी का स्पॉन्डिलाइटिस हो जाता है।

परंपरागत इलाज परंपरागत इलाज के अंतर्गत रयूमैटॉइड अर्थराइटिस में शुरुआती तौर पर तेज एंटी-इनफ्लेमेटरी दवाएं दी जाती हैं। दवा का प्रभाव बढ़ाने के लिए एंजाइम्स (ओरल फॉर्म टैब्लेट या कैप्सूल के रूप में) भी दिए जाते हैं। इसके अलावा डॉक्टर पल्स थेरेपी-भी कुछ समय के लिए देते हैं। इसमें स्टेरॉइड्स दिए जाते हैं। इलाज के दौरान डॉक्टर डिजीज मॉडीफाइंग ड्रग्स भी देते हैं। ये उपचार स्थायी रूप से बीमारी को ठीक नहीं करते, बस रोगी के लक्षणों में अल्पकालिक राहत प्रदान करते हैं।

स्टाइलिश दिखने के लिए चुनें सही आईवेयर

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं तो कलरफुल व डिजाइनर सनग्लासेस ट्राई करें। इन दिनों स्क्वेयर, रेक्टैंगुलर व हाफ फ्रेम वाले, कैट आई शेप वाले गॉगल्स अभी भी ट्रेंड में है...

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव-

स्टाइलिश और अट्रैक्टिव दिखना चाहती हैं तो कलरफुल व डिज़ाइनर सनग्लासेस ट्राई करें। इन दिनों स्क्वेयर, रेक्टैंगुलर व हाफ फ्रेम वाले सनग्लासेस ज्यादा पसंद किए जा रहे हैं।

कैट आई शेप-

कैट आई शेप वाले गॉगल्स अभी भी टेंड् में हैं लेकिन कलरफुल फ्रेम्स वाले गॉगल्स की बात ही कुछ अलग है।

स्पोर्टी लुक गॉगल्स

स्पोर्टी लुक के लिए स्क्वेयर शेप वाले ये गॉगल्स आपकी पर्सनैलिटी में चार चांद लगा देंगे।

हाफ फ्रेम वाले गॉगल्स

हाफ फ्रेम वाले ये गॉगल्स अट्रैक्टिव लुक के लिए पसंद किए जाते हैं।

मोटे फ्रेम वाले गॉगल?स-

रेट्रो स्टाइल के मोटे फ्रेम वाले गॉगल्स यंगस्टर्स की पहली पसंद हैं। ये रेट्रो के साथ कैजुअल लुक भी देते हैं।

एविएटर शेप वाले गॉगल्स

स्टाइलिश दिखने के लिए एविएटर शेप वाले गॉगल्स को ट्राई करें।

हेयर रिंग से दें बालों को नया स्टाइल

परफेक्ट मेकअप, हेयर स्टाइल और ड्रेस आपको स्टाइलिश दिखाता है। अगर आपका हेयर स्टाइल अच्छा न हो तो आपकी लुक खराब हो जाती हैं। बालों में स्टाइलिश लुक देने के लिए आजकल कई चीजों का इस्तेमाल किया जाता है जैसे कि हेयर रिंग। हेयर रिंग का इस्तेमाल करके आप सबसे अलग दिख सकती है। आजकल लड़कियां खूब हेयर रिंग बालों का यूज कर रही हैं। आज हम आपको बताते हैं कि कैसे आप हेयर रिंग का इस्तेमाल बालों को स्टाइलिश दिखा सकती हैं।

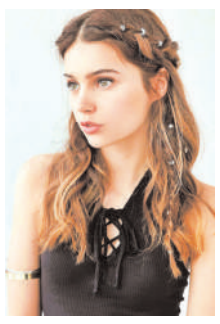

- हेयर रिंग बनाने के लिए आपको चोटी बनाना बहुत जरूरी है इसलिए सबसे पहले बालों की चोटी बना लें।
- हेयररिंग ज्यादा फ्रेंच, बॉक्सर और डबल उच हेयर स्टाइल पर अच्छे लगते हैं।
- अब इन्हें चोटी पर थोड़ी-थोड़ी दूरी पर लगाएं।
- ये रिंग्स बालों पर आसानी से ऐडजस्ट हो जाती हैं। इनको आप कोई डिजाइन देकर भी लगा सकती है।
- आप चाहें तो इन्हें अलग-अलग डिजाइन देकर लगा सकती है जिससे आपके बाल सुंदर लगें।

ऐसे दूर करे आंखों की थकान

खूबसूरत आंखे हर किसी को अपनी ओर आकर्षित करती हैं। यह जरूरी नहीं कि आंखे सिर्फ मेकअप के साथ ही खूबसूरत दिखती है। नींद न पूरी होना या काम का प्रशेर अधिक होने से हमारी आंखे थकी-थकी लगती है, जिससे चेहरे की खूबसूरती कम हो जाती है।

आईब्रो पेंसिल: आंखों की थकान छुपाने के लिए आईब्रो पेंसिल का इस्तेमाल करें। अपनी आईब्रो को पेंसिल के साथ भरें। इससे आंखों की थकान भी छिप जाएगी और उन्हें नया लुक भी मिलेगा।

ठंडे खीरे के स्लाइस: अपनी आंखों को खीरे के स्लाइस से ढके। इससे आंखों की थकान दूर होगी।

आईशैडो: आईशैडो के साथ अपनी आंखों की थकान को छुपाएं। इसके लिए कुछ खास तरह से आईशैडो लगाएं। ऐसा करने से आपकी आंखे सुंदर भी दिखेगी।

क्लीनजिंग और मॉइस्चराइजर: स्किन की क्लीनजिंग करके आंखों पर ठंडे पानी के छींटे मारें। इसके बाद मॉइस्चराइजिंग क्रीम से हल्के हाथों से आंख के आस-पास मसाज करें। ऐसा करने से ब्लड सर्कुलेशन बढ़ेगा और आंखों की थकान दूर होगी।

रेसिपी

मसाला मशरूम

सामग्री

1 कटा टमाटर, 1 कटी प्याज,1 टुकड़ा दालचीनी, 2 छोटे चम्मच अदरक लहसुन का पेस्ट, 6-7 लौंग,6-7 छोटी इलायची, 2 छोटे चम्मच तेल,1 छोटा चम्मच पिसी लाल मिर्च, नमक स्वादानुसार, 250 ग्राम कटा मशरूम, 1 कटोरी हरा धनिया।

विधि

इस को बनाने के लिए सबसे पहले मिक्सर में टमाटर, प्याज, दालचीनी और अदरक-लहसुन का पेस्ट, लौंग, इलायची और थोड़ा पानी डालकर पीस लें। अब एक पैन में तेल गर्म होने के बाद इस पेस्ट को डालकर कुछ देर भूनें फिर उसमें पिसी लाल मिर्च और नमक मिलाएं। सब चीजों को अच्छी तरह से मिला लेने के बाद उसमें मशरूम डालें। फिर से सब सामग्रियों के साथ मशरूम को मिलायें और अब 5–7 मिनट तक ढक कर पकाएं। अब उसको सर्विंग बाउल में ढालकर धनिया पत्ता से गार्निश करें और गरमागरम सर्व करें।

चॉकलेट लावा केक

सामग्री

200 ग्राम चॉकलेट
110 ग्राम मक्खन
3 अंड़े
60 ग्राम चीनी
1 टीस्पून वैनिला एक्सट्रेक्ट
30 ग्राम मैदा

विधि

एक पैन लेकर उसमें पानी डाल दें और इसमें चॉकलेट डालकर गर्म करें। इसमें मक्खन डालकर अच्छे से मिलाएं ताकि यह पिघल जाए। एक अलग बाऊल लेकर उसमें 2 अंड़े और1अंड़े का पीला भाग मिलाकर फैट लें। इसमें अब वनीला एसैंस और चीनी डालकर मिक्स कर लें। इसमें मैदा डालकर मिला लें। इसके बाद इसमें पिघली हुई चॉकलेट और मक्खन का मिक्सचर डालकर मिला लें। ध्यान रखें इसमें गांठ न पड़े। अब कप केक के पेपर सांचों पर मक्खन लगाएं ताकि केक इस पर चिपके न और इस पर थोड़ा मैदा छिड़क दें। इसमें अब केक का मिक्सचर डाल दें। ओवन को 350एस्र/180एष्ट पर प्री हीट करें और इसमें 5-10 मिनट के लिए कप केक को रखें। बेकिंग के बाद केक को सांचे से निकाल कर प्लेट में रखें और इसे चॉकलेट सिरप से गार्निश करें। वनिला आइसक्रीम के साथ इसे सर्व करें।

रोज खाएं मुट्ठीभर भीगे हुए चने, फिर देखिए कमाल

बादाम यादाशत को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। बच्चों ही नहीं बड़ों के लिए भी यह बहुत फायदेमंद होते हैं।

इसमें विटामिन इ, जिंक, कैल्शियम,मैग्नीशियम,मिनरल्स और ओमेगा- 3 फैटी एसिड से भरपूर होते हैं लेकिन बादाम की तुलना में चना कम कीमत में ज्यादा फायदे देता है। इसमें आयरन, प्रोटीन और कई मिनरल्स पाए जाते हैं। जो शरीर को एनर्जी देते हैं।

1. कमजोरी करे दूर

इनमें आयरन, प्रोटीन और मिनरल्स काफी मात्रा में पाए जाते हैं। इसे खाने से शरीर को कई एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं। इसके सेवन से कमजोरी दूर होती है।

2. हार्ट डीजीज

चना खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहता है। इससे हार्ट डिजीज का खतरा कम होता है और हार्ट हेल्दी रहता है।

3. एनीमिया में फायदेमंद

इसमें आयरन की मात्रा अधिक होती है। अगर आप एनीमिया की समस्या से परेशान हैं तो रोजाना चना खाने से इस समस्या से छुटकारा मिलेगा।

4. किडनी की सफाई

चने में फॉस्फोरस होता है जो हीमोग्लोबिन का लेवल बढाता है और किडनी से एक्स्ट्रा साल्ट निकालता हैं।

5. हेल्दी स्किन

इसे चबा कर खाने से स्किन हेल्दी और ग्लोइंग रहती है।

इसका रोजाना सेवन करने से स्किन से जुड़ी कई समस्याओं जैसे- खुजली और रैशेज से छुटकारा मिलता है।

6. यूरिन प्रॉब्लम

अगर आप बार-बार यूरिन जाने की समस्या से परेशान हैं तो भीगे चनों को गुड़ के साथ खाएं। ऐसा करने से इस प्रॉब्लम से राहत मिलेगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ

संपादकीय

शांति का राग या पाकिस्तान को बचाने की चाल?

पड़ोसी देशों के बीच शांति और सौहार्द की बातें सुनने में हमेशा आदर्श और सुखद लगती हैं। कौन नहीं चाहता कि सीमा पर तनाव खत्म हो और दोनों देशों की जनता चैन से रहे? वैसे भी भारत तो प्रारंभ से ही मित्रता का पक्षधर रहा है। भारत का तो दर्शन ही 'वसुधैव कुटुम्बकम' का है। पाकिस्तान की फितरत को अनदेखा करके भारत ने हमेशा दोस्ती का हाथ बढ़ाया है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से हमेशा पीठ पर वार किया गया है। अब भारत ने तय कर लिया है कि 'गोली और बोली' एक साथ नहीं चलेगी। पाकिस्तान को भारत से संबंध ठीक करने हैं तो उसे सबसे पहले आतंकवाद का मार्ग छोड़ना पड़ेगा। यह बात उन सब पाकिस्तान प्रेमियों को समझनी चाहिए, जो भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सुधारने के लिए अचानक से वकील बनकर उस समय प्रकट हुए हैं, जब पाकिस्तान अपने ही घर में बुरी तरह घिर गया है। ऐसा लगता है कि यह पत्र पाकिस्तान को संकट से उबारने के लिए ही लिखा गया है।

पाकिस्तान की फितरत को अनदेखा करके भारत ने हमेशा दोस्ती का हाथ बढ़ाया है, लेकिन पाकिस्तान की ओर से हमेशा पीठ पर वार किया गया है। अब भारत ने तय कर लिया है कि 'गोली और बोली' एक साथ नहीं चलेगी। पाकिस्तान को भारत से संबंध ठीक करने हैं तो उसे सबसे पहले आतंकवाद का मार्ग छोड़ना पड़ेगा। यह बात उन सब पाकिस्तान प्रेमियों को समझनी चाहिए, जो भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सुधारने के लिए अचानक से वकील बनकर उस समय प्रकट हुए हैं, जब पाकिस्तान अपने ही घर में बुरी तरह घिर गया है। ऐसा लगता है कि यह पत्र पाकिस्तान को संकट से उबारने के लिए ही लिखा गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध ठीक हों, इसके लिए दोनों देशों के 117 प्रमुख नागरिकों ने दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को एक संयुक्त खुला पत्र लिखा है। इसमें द्विपक्षीय वार्ता को दोबारा शुरू करने, उच्चायुक्तों की नियुक्ति, वीजा सेवाओं की बहाली और व्यापारिक व धार्मिक गलियारों को खोलने की वकालत की गई है। यह पत्र लिखने वालों में कई नाम ऐसे हैं, जिनका पाकिस्तान प्रेम पहले भी खुलकर सामने आता रहा है।

भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध ठीक हों, इसके लिए दोनों देशों के 117 प्रमुख नागरिकों ने दोनों देशों के प्रधानमंत्रियों को एक संयुक्त खुला पत्र लिखा है। इसमें द्विपक्षीय वार्ता को दोबारा शुरू करने, उच्चायुक्तों की नियुक्ति, वीजा सेवाओं की बहाली और व्यापारिक व धार्मिक गलियारों को खोलने की वकालत की गई है। यह पत्र लिखने वालों में कई नाम ऐसे हैं, जिनका पाकिस्तान प्रेम पहले भी खुलकर सामने आता रहा है। पत्र लिखने वाले विदेश नीति के कितने बड़े जानकार हैं, यह तो वे ही बता सकते हैं लेकिन उन्हें यह जानकारी जरूर होनी चाहिए कि कूटनीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के यथार्थ में केवल आदर्शवाद नहीं चलता। पाकिस्तान के हितों को प्राथमिकता देने वाले इस पत्र को लिखने वालों में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर जैसे लोग भी शामिल हैं। मणिशंकर अपने पाकिस्तान प्रेम के लिए कुख्यात हैं। वास्तव में देश के किसी भी राजनीतिक दल और नेता का इस मामले में वही पक्ष होना चाहिए, जो भारत सरकार का है। मणिशंकर अय्यर को अपनी ही पार्टी के नेता मनीष तिवारी से सीखना चाहिए। कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध सुधारने और बातचीत फिर से शुरू करने की मांग का कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इस पहल को 'बिना शर्त आत्मसमर्पण' करार दिया और स्पष्ट किया कि पाकिस्तान जब तक आतंकवाद को प्रायोजित करना बंद नहीं करता, तब तक शांति वार्ता संभव नहीं है। बहरहाल, इस पत्र को लिखने का समय, इसकी अंतर्वस्तु और इसके पीछे की नीयत पर गंभीर और स्वाभाविक सवाल उठ रहे हैं, जो स्वाभाविक भी हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर इन बुद्धिजीवियों और राजनेताओं को अचानक आज ही पाकिस्तान से संबंध सुधारने की याद क्यों आई? यह पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान इस समय अपने इतिहास के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। वह अपने ही घर में बुरी तरह घिर चुका है। उसकी अर्थव्यवस्था दिवालियापन की कगार पर है और देश आंतरिक कलह की आग में जल रहा है। वास्तविकता यह है कि पाकिस्तान अपने ही बोए हुए कांटों से लहूलुहान हो रहा है। जिन आतंकी सांपों को उसने भारत को डसने के लिए पाला था, वे आज उसी को डस रहे हैं। देश के अंदरूनी हालात इतने बदतर हैं कि बलूचिस्तान से लेकर खैबर पख्तूनख्वा तक, कई हिस्से पाकिस्तान के दमनकारी तंत्र से मुक्ति का मार्ग देख रहे हैं। पाकिस्तान जिन रसातल की स्थितियों में पहुँच गया है, उसके हिसाब से उसे भारत के सामने घुटनों पर आने में अब अधिक समय नहीं लगेगा। संभव है कि देर-सबेर अखंड भारत का वह सपना साकार हो जाए, जो करोड़ों देशभक्त भारतीयों की आँखों में पल रहा है। श्री अरविंद से लेकर दीनदयाल उपाध्याय तक अनेक महापुरुष कह चुके हैं कि पाकिस्तान का निर्माण करना अव्यवहारिक निर्णय था। एक न एक दिन यह निर्णय गलत साबित होगा। आज समय की चाल उसी दिशा में बढ़ रही है, जब पाकिस्तान के सामने भारत की शरण में आने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं होगा।

कुछ अलग

कर्म की कसौटी

कभी कभी लगता है कि हमने किसी को नुकसान नहीं पहुंचाया है और न ही किसी के विषय में कुछ गलत सोचा है, फिर भी जीवन में दुःख है। कई बार ऐसा प्रतीत होता है कि अच्छे लोगों के साथ गलत चीजें होती हैं, जबकि खराब लोग जीवन का आनंद ले रहे हैं! लेकिन यह वास्तविकता नहीं है, इन तथाकथित खराब लोगों ने अतीत में अवश्य ही कुछ अच्छा कर्म किया है, जिसके कारण आज उन्हें अच्छे परिणाम मिल रहे हैं और जो लोग अच्छा कर रहे हैं, अगर उनके साथ कुछ बुरा हो रहा है तो जाने-अनजाने में उनके द्वारा अतीत में कुछ तो गलत हुआ होगा। हालांकि यदि किसी के साथ कुछ बुरा हो रहा है तो इसका अर्थ केवल यह नहीं है कि ऐसा उनके बुरे कर्मों के कारण हो रहा है। इसका एक कारण उनकी स्वयं की मूर्खता भी हो सकती है या फिर हो सकता है कि जीवन में किसी विशेष परिस्थिति के कारण उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कारण जो भी हो, कठिन समय आपके कार्य करने की कुशलता को निखारता है। दुःख जीवन में गहराई लाता है। इसलिए परिस्थिति चाहे अच्छी हो या खराब, हर स्थिति का उपयोग अपने लाभ के लिए करें, यही बुद्धिमत्ता है। अच्छे कर्म वे हैं जो जीवन में योग्यता लाते हैं और आपको आनंदित करते हैं। गलत कर्म वे हैं, जिससे आप स्वयं को भी चोट पहुंचाते हैं और उनसे दूसरों को भी हानि होती है। अच्छे या गलत कर्मों को पकड़ कर न बैठे रहें; उनमें फंसे नहीं, आगे बढ़ें। जीवन में किसी भी रिश्ते में कभी मीठे तो कभी कड़वे अनुभव आते ही हैं, लेकिन यदि आप हर समय इसका विश्लेषण करने बैठेंगे तो इसका कोई अंत नहीं है। लोगों के विचार, भावनाएं और मत सब कुछ बदलता है।

इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया

डिजिटल क्रांति के दौर में बढ़ते साइबर अपराध, बड़ी चुनौती

आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है- साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं।

डिजिटल क्रांति ने भारत को अभूतपूर्व गति, सुविधा और पारदर्शिता प्रदान की है। आज मोबाइल बैंकिंग, यूपीआई, ई-कॉमर्स, ऑनलाइन शिक्षा, डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) ने सामान्य नागरिक के जीवन को सरल और सक्रिय बनाया है। भारत विश्व की सबसे बड़ी डिजिटल अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से उभर रहा है और 'डिजिटल इंडिया' तथा 'विकसित भारत-2047' का सपना इसी तकनीकी परिवर्तन पर आधारित है। किंतु इस उजले परिदृश्य के समानांतर एक भयावह अंधेरा भी तेजी से फैल रहा है- साइबर अपराधों का बढ़ता साम्राज्य। डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन वित्तीय ठगी, फिशिंग, पहचान की चोरी, निवेश घोटाले, व्यक्तिगत गोपनीयता पर सेंध, सोशल मीडिया के माध्यम से अपराध, बाल यौन शोषण सामग्री का प्रसार और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग आज केवल तकनीकी समस्या नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक नैतिकता के लिए गंभीर चुनौती बन चुके हैं। विडंबना यह है कि जिस तकनीक का उद्देश्य मनुष्य के जीवन को सुरक्षित, सुविधाजनक और ज्ञानसमृद्ध बनाना था, वही तकनीक अपराधियों के लिए सबसे प्रभावी हथियार बनती जा रही है। इंटरनेट की असीम संभावनाओं का लाभ जितनी तेजी से समाज ने उठाया है, उतनी ही तेजी से अपराधियों ने भी उसे अपने हित में ढाल लिया है। परिणामस्वरूप डिजिटल दुनिया में विश्वास का संकट गहराता जा रहा है। डिजिटल व्यवस्था की सबसे बड़ी पूंजी विश्वास है। जब कोई नागरिक मोबाइल पर क्यूआर कोड स्कैन करता है, यूपीआई से भुगतान करता है या किसी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर निवेश करता है, तब वह केवल तकनीक पर नहीं, बल्कि पूरे डिजिटल तंत्र की विश्वसनीयता पर भरोसा करता है। यदि यही भरोसा लगातार साइबर ठगी, फर्जी कॉल, फिशिंग, नितांत व्यक्तिगत सूचनाओं के सार्वजनिक होने के भय, निवेश घोटालों और पहचान की चोरी जैसी घटनाओं से टूटने लगे, तो डिजिटल अर्थव्यवस्था की नींव कमजोर पड़ जाएगी। जिस प्रकार नकली मुद्रा का प्रसार पूरी आर्थिक व्यवस्था को संकट में डाल देता है, उसी प्रकार डिजिटल धोखाधड़ी का बढ़ना कैशलेस अर्थव्यवस्था की अवधारणा को कमजोर कर सकता है। परंपरागत अपराधों और साइबर अपराधों में मूलभूत अंतर है। पहले अपराध किसी निश्चित क्षेत्र तक सीमित रहते थे, अपराधी की पहचान और गिरफ्तारी की संभावना अपेक्षाकृत अधिक होती थी। आज साइबर अपराधी हजारों किलोमीटर दूर बैठकर कुछ ही मिनटों में लाखों लोगों तक पहुंच सकता है। उसके लिए जोखिम न्यूनतम और लाभ अधिकतम है। यही असंतुलन साइबर अपराध को अत्यंत खतरनाक बनाता है। अपराध का यह नया स्वरूप सीमाओं, भाषाओं और कानूनों की पारंपरिक सीमाओं को भी चुनौती दे रहा है। चिंता केवल आर्थिक अपराधों तक सीमित नहीं है। हाल के दिनों में सोशल मीडिया मंचों पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ी सामग्री के प्रचार-

प्रसार के आरोपों ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया है। यदि लोकप्रिय डिजिटल मंचों पर पैसे लेकर ऐसे विज्ञापन प्रसारित हो सकते हैं, तो यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं बल्कि नैतिक और सामाजिक विफलता भी है। प्रश्न यह भी है कि क्या सोशल मीडिया कंपनियां केवल स्वयं को तकनीकी मंच कहकर अपनी जिम्मेदारी से मुक्त हो सकती हैं? जब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और एल्गोरिद्म यह तय करते हैं कि कौन-सा विज्ञापन किस व्यक्ति तक पहुंचेगा, तब उन मंचों की जवाबदेही भी उतनी ही बड़ी हो जाती है। आज अनेक डिजिटल प्लेटफॉर्म आपत्तिजनक सामग्री हटाने का दावा करते हैं, किंतु व्यवहार में उनकी प्राथमिकता कई बार राजस्व और व्यावसायिक हित प्रतीत होती है। यदि बाल यौन शोषण, अश्लीलता, साइबर ठगी या संगठित अपराध से जुड़े विज्ञापन और सामग्री लंबे समय तक सक्रिय रह सकते हैं, तो यह केवल अपराधियों की सफलता नहीं, बल्कि डिजिटल मंचों की जवाबदेही पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच संतुलन बनाए बिना डिजिटल समाज स्वस्थ नहीं रह सकता। साइबर अपराध का सबसे दुखद पक्ष पीड़ित की मानसिक पीड़ा है। जीवनभर की बचत कुछ मिनटों में गायब हो जाती है। इसके बाद पुलिस, बैंक और साइबर हेल्पलाइन के चक्कर लगते हैं, लेकिन समय पर कार्रवाई नहीं होने के कारण अधिकांश मामलों में धन वापस नहीं मिल पाता। इससे नागरिक के भीतर व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है। यदि अपराधी को दंड न मिले और पीड़ित को राहत न मिले, तो कानून का भय भी समाप्त होने लगता है। भारत सरकार ने साइबर सुरक्षा को मजबूत करने के लिए अनेक कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल, हेल्पलाइन, साइबर क्राइम समन्वय केंद्र तथा डिजिटल सुरक्षा संबंधी अनेक पहलें शुरू की गई हैं। न्यायपालिका ने भी ऑनलाइन धोखाधड़ी को आर्थिक सुरक्षा से जोड़कर गंभीर चिंता व्यक्त की है। फिर भी नीति और उसके प्रभावी क्रियान्वयन के बीच बड़ी दूरी दिखाई देती है। शिकायत दर्ज होने के बाद शुरुआती कुछ घंटे सबसे महत्वपूर्ण होते हैं। यदि इसी अवधि में बैंक खाते फ्रीज कर दिए जाएं और धन के प्रवाह को रोक दिया जाए तो बड़ी राशि बचाई जा सकती है। लेकिन अक्सर कार्रवाई में देरी अपराधियों के पक्ष में चली जाती है। डिजिटल सुरक्षा अब केवल पुलिस का विषय नहीं रही। यह आर्थिक नीति, राष्ट्रीय सुरक्षा, शिक्षा, प्रशासन और अंतरराष्ट्रीय सहयोग से जुड़ा बहुआयामी प्रश्न बन चुकी है। विकसित देशों ने साइबर सुरक्षा को राष्ट्रीय सुरक्षा के समान महत्व दिया है। विशेष एजेंसियां, अत्याधुनिक तकनीक, प्रशिक्षित विशेषज्ञ, रियल टाइम डेटा साझा करने की व्यवस्था और कठोर दंडात्मक कानून वहां की व्यवस्था का हिस्सा हैं। भारत को भी इसी दिशा में और अधिक सुदृढ़ कदम उठाने होंगे। स्थानीय पुलिस को डिजिटल फॉरेंसिक, ब्लॉकचेन विश्लेषण, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जांच और अंतरराष्ट्रीय साइबर कानूनों का प्रशिक्षण देना समय की आवश्यकता है। इसके साथ ही नागरिक जागरूकता भी उतनी ही आवश्यक है। तकनीक जितनी उन्नत होगी, अपराधी भी उतने ही नए तरीके खोजेंगे। इसलिए विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और सामाजिक संगठनों के माध्यम से डिजिटल साक्षरता को जनआंदोलन बनाया जाना चाहिए। लोगों को संदिग्ध लिंक, फर्जी कॉल, निवेश योजनाओं और सोशल मीडिया के छल-प्रपंचों से बचने का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। किंतु यह भी उतना ही सत्य है कि सुरक्षा का पूरा दायित्व नागरिक पर डालकर सरकार, बैंक और डिजिटल कंपनियां अपनी जिम्मेदारी से मुक्त नहीं हो सकतीं। सुरक्षित डिजिटल वातावरण उपलब्ध कराना संस्थागत दायित्व है। भ्रष्टाचार, लापरवाही और कमजोर केवाईसी व्यवस्था भी साइबर अपराध को बढ़ावा देती है। यदि फर्जी पहचान के आधार पर बैंक खाते खुलते हैं, यदि भुगतान प्लेटफॉर्म समय पर संदिग्ध लेन-देन नहीं रोकते, यदि आंतरिक मिलीभगत से अपराधियों को सुविधा मिलती है, तो यह केवल तकनीकी दोष नहीं बल्कि संस्थागत अपराध है। इसलिए पारदर्शी ऑडिट, कठोर उत्तरदायित्व और सख्त दंड व्यवस्था अनिवार्य होनी चाहिए। साइबर अपराध अब किसी एक देश की समस्या नहीं रहा। इंटरनेट की दुनिया में अपराधी सीमाओं से मुक्त हैं, इसलिए समाधान भी वैश्विक होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र सहित विश्व की प्रमुख शक्तियों को साइबर अपराध के विरुद्ध साझा कानूनी ढांचा, त्वरित सूचना आदान-प्रदान और तकनीकी सहयोग विकसित करना होगा। जिस प्रकार आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक सहयोग आवश्यक माना गया, उसी प्रकार साइबर अपराध के विरुद्ध भी विश्वव्यापी समन्वय समय की मांग है। अंततः डिजिटल क्रांति का वास्तविक उद्देश्य केवल तकनीकी प्रगति नहीं, बल्कि मानव जीवन को अधिक सुरक्षित, समृद्ध और सम्मानजनक बनाना है। यदि यही क्रांति भय, असुरक्षा और अविश्वास का कारण बनने लगे, तो उसकी सफलता अधूरी रह जाएगी। डिजिटल भारत की वास्तविक शक्ति उसके ऐप्स, सर्वरों और आंकड़ों में नहीं, बल्कि उस विश्वास में निहित है, जिसके साथ करोड़ों नागरिक प्रतिदिन अपने मोबाइल पर एक-एक लेन-देन करते हैं।

देश दुनिया से

जल के बिना भी संकट, जल के साथ भी संकट

भारतीय शहर आज विकास की सबसे बड़ी विडंबना का प्रतीक बन चुके हैं। वर्ष का एक हिस्सा पानी की एक-एक बूंद के लिए भटकते हुए गुजरता है, तो दूसरा उसी पानी से बचने के संघर्ष में। कुछ ही महीने पहले दिल्ली, मुंबई, बेंगलुरु और चेन्नई जैसे महानगरों में सूखे नल, घटता भूजल, टैंकरों के पीछे लंबी कतारें और ₹वॉटर क्राइसिस₹ के बोर्ड दिखाई दे रहे थे। आज वही शहर मूसलाधार बारिश में डूबे हैं। सड़कें नदियों में बदल गई हैं, मेट्रो स्टेशन जलमग्न हैं, वाहन बह रहे हैं और जनजीवन ठप पड़ा है। यह केवल मौसम का उतार-चढ़ाव नहीं, बल्कि उस विकास मॉडल की विफलता है जिसने प्रकृति के साथ चलने के बजाय उसे पराजित करने का भ्रम पाल लिया। सबसे बड़ी चिंता यह है कि जल संकट और जलभराव अब अलग-अलग समस्याएँ नहीं, बल्कि एक ही अव्यवस्थित व्यवस्था के दो चेहरे हैं। गर्मियों में दिल्ली का भूजल खतरनाक स्तर तक गिर जाता है और लोग पानी के लिए भटकते हैं, जबकि मानसून की पहली तेज बारिश में वही इलाके घुटनों तक पानी में डूब जाते हैं। मुंबई में हर वर्ष लोकल ट्रेनें ठप पड़ती हैं और लाखों लोग प्रभावित होते हैं। तकनीकी राजधानी बेंगलुरु में सड़कें जलमग्न होने पर आईटी कंपनियों को वर्क फ्रॉम होम लागू करना पड़ता है। चेन्नई में 2015 की विनाशकारी बाढ़ की यादें आज भी भय पैदा करती हैं। शहरी विकास मंत्रालय के अनुसार, पिछले पाँच वर्षों में प्रमुख शहरों में जलभराव की घटनाएँ लगभग 35 प्रतिशत बढ़ी हैं। यह केवल वर्षा की तीव्रता नहीं, बल्कि हमारी योजनागत विफलता का प्रमाण है। इस संकट की जड़ें प्रकृति में नहीं, हमारी विकास नीति में हैं। शहरों के अंधाधुंध विस्तार ने झीलों, तालाबों, वेटलैंड्स और प्राकृतिक जलमार्गों को निगल लिया। सदियों तक वर्षा जल सँभालने वाले जलाशयों की जगह मॉल, बहुमंज़िला इमारतें, कॉलोनियाँ और सड़कें खड़ी हो गईं। नतीजतन वर्षा जल के प्राकृतिक निकास मार्ग समाप्त हो गए। बादल अपना काम करते हैं, लेकिन शहर विफल हो जाते हैं। पानी के पास बहने का रास्ता नहीं

बचता, इसलिए वह सड़कों, बेसमेंटों, मेट्रो स्टेशनों और रिहायशी इलाकों में भर जाता है। दिल्ली-एनसीआर का अनेक स्थानों पर 50–60 वर्ष पुराना ड्रेनेज तंत्र आज की आबादी और वर्षा का दबाव नहीं झेल पा रहा, जबकि मुंबई में समुद्र से पुनः प्राप्त भूमि पर जल निकासी और गंभीर हो गई है। प्रकृति को कुचलकर किए गए विकास की कीमत आज हर नागरिक चुका रहा है। स्थिति इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि यह कोई अप्रत्याशित आपदा नहीं। हर वर्ष मानसून आता है, भारी बारिश होती है और जलभराव होता है, फिर भी प्रशासन की तैयारी अधूरी रहती है। नालों की सफाई अधूरी, पंपिंग स्टेशन खराब, ड्रेनेज का आधुनिकीकरण फाइलों में और जल निकासी पर निवेश नाकाफी रहता है। नतीजा, कुछ घंटों की बारिश ही शहर की रफ्तार थाम देती है। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, शहरी बाढ़ से हर वर्ष हजारों करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। इसके बावजूद स्मार्ट सिटी परियोजनाओं में ड्रेनेज, भूजल पुनर्भरण और वर्षा जल प्रबंधन प्राथमिकता नहीं बन पाए। योजनाएँ आधुनिक दिखती हैं, लेकिन बुनियादी ढाँचा आज भी जर्जर और उपेक्षित है। प्रशासनिक उदासीनता की सबसे बड़ी कीमत आम नागरिक चुकाते हैं। कर्मचारी घंटों जाम में फँसते हैं, विद्यार्थी विद्यालय नहीं पहुँच पाते, छोटे व्यापारी कारोबार ठप होने को विवश होते हैं और कई बार गंभीर रोगी समय पर अस्पताल तक नहीं पहुँच पाते। जलभराव केवल असुविधा नहीं, बल्कि दुर्घटनाओं, संक्रामक रोगों, बिजली संकट और आर्थिक ठहराव का कारण बनता है। दूसरी ओर गर्मियों में यही नागरिक टैंकरों से महँगा पानी खरीदने को मजबूर होते हैं। यानी कुछ ही महीनों में एक ही शहर पानी की कमी और पानी की अधिकता—दोनों का संकट झेलता है। इससे बड़ा विकास का विरोधाभास क्या हो सकता है? स्पष्ट है कि समस्या का समाधान केवल राहत कार्यों से नहीं होगा। भारत को ऐसी समग्र जल नीति चाहिए, जो जल संरक्षण, जल निकासी और भूजल पुनर्भरण—तीनों को समान महत्व दे। हर नए निर्माण में वर्षा जल संचयन, पर्मिएबल सड़कें तथा वेटलैंड्स, झीलों और तालाबों का संरक्षण अनिवार्य हो। उपेक्षित पारंपरिक जलाशयों के पुनर्जीवन का राष्ट्रीय अभियान चलाया जाए। दिल्ली, बेंगलुरु और हैदराबाद में वेटलैंड पुनर्स्थापन के सफल मॉडल साबित कर चुके हैं कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और वैज्ञानिक योजना से जल संकट और जलभराव, दोनों पर प्रभावी नियंत्रण संभव है। अब इन्हें देश की शहरी नीति का अनिवार्य हिस्सा बनाना होगा। समय आ गया है कि शहरों की योजना कंक्रीट नहीं, जल के आधार पर बने। किसी भी सड़क, कॉलोनी, फ्लाईओवर, मेट्रो या आवासीय परियोजना को तभी स्वीकृति मिले, जब वह प्राकृतिक जल प्रवाह में बाधा न बने। शहरी नियोजन का हर निर्णय इस सोच पर आधारित हो कि वर्षा का पानी संकट नहीं, भविष्य की जल सुरक्षा का सबसे बड़ा स्रोत है। वर्षा जल का वैज्ञानिक संचयन, भूजल पुनर्भरण और प्राकृतिक जलमार्गों का पुनर्जीवन सुनिश्चित हो जाए, तो आज का यही पानी कल सबसे बड़ी जीवन-संपदा बन सकता है। भारतीय शहर आज ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहाँ विकास की दिशा बदलना अनिवार्य है।

आप का नज़रिया

पर्यावरण नहीं, अस्तित्व का प्रश्न है वनों का संरक्षण

भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह-अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है। वनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आधार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। हालांकि इन उपलब्धियों के साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्पतियों, जीव-जंतुओं, सूक्ष्मजीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं। इनका स्थान कृत्रिम पौधारोपण कभी नहीं ले सकता। विशेष चिंता का विषय पूर्वोत्तर भारत है, जहां सड़क निर्माण, जलविद्युत परियोजनाओं, झूम खेती, भूस्खलन तथा अन्य विकास गतिविधियों के कारण कई क्षेत्रों में वन क्षेत्र में कमी दर्ज की गई है।

आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविधता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण-पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है।

दृष्टि कोण

दुनिया की छत से इलेक्ट्रॉनिक युद्ध की तैयारी

जो तिब्बत 'दुनिया की छत' के नाम से मशहूर था, अब चीन उसे इलेक्ट्रो मैग्नेटिक मार्ग वाले रॉकेट लॉन्चिंग अधिकेंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। पेइचिंग इंस्टिच्यूट ऑफ़ स्पेस साइंस के अंतरिक्ष विज्ञानी यू थांग ने पिछले हफ़्ते कहा, 'चीन की स्पेस इंडस्ट्री के कुछ बहुत ही साहसी और होनहार युवाओं ने दो दशक से भी ज़्यादा समय पहले शिंगहाई-तिब्बत पठार के ऊंचाई वाले और कम हवा वाले इलाकों में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्च ऑर्बिट बनाने का आइडिया दिया था। अब वो साकार हो रहा है।' इलेक्ट्रोमैग्नेटिक रॉकेट लॉन्च टेक्नोलॉजी, एक क्रांतिकारी अंतरिक्ष प्रक्षेपण प्रणाली है, जो पारंपरिक केमिकल, ईंधन के बजाय शक्तिशाली चुंबकीय क्षेत्रों (मैग्नेटिक फील्ड) का उपयोग करके रॉकेट या पेलोड को अंतरिक्ष में लॉन्च करती है। यह तकनीक लक्ष्य तक पहुंचने में सटीक है, और अंतरिक्ष यात्रा की लागत को काफी हद तक कम करने की क्षमता रखती है। इस प्रणाली में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक ट्रैक (विद्युत चुम्बकीय पटरियों) का उपयोग किया जाता है, जो विद्युत ऊर्जा को गतिज ऊर्जा (कायनेटिक एनर्जी) में बदलती हैं। एक बार आवश्यक गति प्राप्त करने के बाद, पेलोड या छोटा रॉकेट वातावरण में ऊपर की ओर छूट जाता है, और अंतरिक्ष के लिए अपनी यात्रा जारी रखता है। इससे भारी मात्रा में ईंधन की बचत होती है। इसे ध्यान में रखें कि पारंपरिक रॉकेटों के कुल वजन का 80-90 प्रतिशत हिस्सा केवल ईंधन होता है। इलेक्ट्रोमैग्नेटिक लॉन्चर इस ईंधन के भार को खत्म कर देते हैं, जिससे रॉकेट बहुत अधिक पेलोड (उपग्रह या उपकरण) ले जा सकते हैं। यह तकनीक अंतरिक्ष यान को पारंपरिक केमिकल इंजनों की तुलना में कहीं अधिक गति देती है। इससे मंगल ग्रह की यात्रा का समय 8-9 महीने से घटकर केवल 30-60 दिन होने का दावा किया जा रहा है। यह 300 किलोवाट तक की शक्ति पर काम करता है, और हाइड्रोजन के आवेशित कणों (प्रोटॉन और इलेक्ट्रॉन) को 100 किलोमीटर प्रति सेकंड की आश्चर्यजनक गति प्रदान करता है। भारत में

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक (विद्युत-चुंबकीय) रॉकेट लॉन्च तकनीक अभी भी शुरुआती अनुसंधान और विकास के चरण में है। भारत में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक एयरक्राफ्ट लॉन्च सिस्टम (ईएमएएलएस) चीन से काफी पीछे है। चीन फ़ुज़ियान (टाइप 003) विमान वाहक पर अपने विद्युत चुम्बकीय कैटापुल्ट को सफलतापूर्वक चालू कर चुका है, अमेरिका के बाद ऐसा करने वाला वह दुनिया का दूसरा देश है। पीपल्स लिबरेशन आर्मी की ग्राउंड फोर्स रिसर्च इंस्टिट्यूट में तैनात प्रोफेसर हान ने इसे दुनिया में अपनी तरह का पहला प्रोजेक्ट बताया, और कहा कि यह पूर्व निर्धारित योजना के मुताबिक बड़ी सफलताओं के साथ लगातार चल रहा है। हान ने '4,000 मीटर (13,123 फुट) से ज़्यादा ऊंचे पठार से सीधे डेटा इकट्ठा किया है। उन्होंने इस पर अनुसंधान किया है कि रॉकेट को ज़्यादा ऊंचाई वाले माहौल के लिए कैसे ऑप्टिमाइज़ किया जाए, जहां सर्दियों में तापमान बहुत कम होता है, जिससे हवा का दबाव कम होता है। यह समुद्र तल के प्रेशर का लगभग आधा हो सकता है। इसका मतलब है उड़ान के दौरान हवा का घर्षण कम होता है, और शायद रेंज भी ज़्यादा होती है, खासकर तिब्बत जैसे दुनिया की छत पर रॉकेट को और भी ज़्यादा पावरफुल हथियार बना देगा।' ज़ियांग चीन के पूर्वी सिचुआन प्रांत का शहर है। 2026 की शुरुआत में ज़ियांग में हाई-टेम्परेचर सुपरकंडक्टिंग नेविगेशन सिस्टम के सफल परीक्षण ने इस टेक्नोलॉजी को हकीकत के करीब ला दिया है। इस प्रोजेक्ट का नेतृत्व 'ज़ियांग कमर्शियल एयरोस्पेस लॉन्च टेक्नोलॉजी रिसर्च इंस्टिट्यूट' के शोधार्थी कर रहे हैं।

बालोगुन के रेड कार्ड विवाद पर ट्रंप की टिप्पणी के बाद रेफरी क्लास के समर्थन में उतरा फीफा

मियामी

फीफा विश्व कप 2026 में अमेरिका के स्ट्राइकर फोलारिन बालोगुन को मिले रेड कार्ड को लेकर विवाद गहरा गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ब्राज़ीलियाई रेफरी राफेल क्लास की निष्पक्षता पर सवाल उठाने के बाद फीफा ने अपने रेफरी का खुलकर बचाव किया और कहा कि क्लास विश्व के सर्वश्रेष्ठ रेफरियों में से एक हैं तथा उनकी ईमानदारी और पेशेवर क्षमता पर संगठन को पूरा भरोसा है।

राउंड आफ-16 से पहले यह विवाद तब शुरू हुआ जब बालोगुन को बोस्निया और हर्जेगोविना के खिलाफ राउंड आफ-32 मुकाबले में वीएआर समीक्षा के बाद रेड कार्ड दिखाया गया था। रेफरी क्लास ने बालोगुन को तारिक मुहरेमोविच के टखने पर स्टड मारने का दोषी मानते हुए मैदान से बाहर भेज दिया था।

हालांकि बाद में फीफा ने बालोगुन पर लगी एक मैच की पाबंदी हटा दी, जिससे वह बेल्जियम के खिलाफ प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में खेलने के लिए उपलब्ध हो गए।

ट्रंप ने रेफरी पर उठाए सवाल - अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने इस फैसले की समीक्षा कराने को कहा था। उन्होंने राफेल क्लास पर निशाना साधते हुए कहा, अगर आप उनके पुराने रिकार्ड देखें तो वे थोड़े संदिग्ध लगते हैं। हालांकि ट्रंप ने अपने आरोपों के समर्थन में कोई ठोस कारण या उदाहरण नहीं दिया।

फीफा ने दिया रेफरी का साथ - फीफा ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा, राफेल क्लास विश्व के प्रमुख पेशेवर रेफरियों में शामिल हैं और फीफा विश्व कप में टीम वन (फीफा के एलीट रेफरी समूह) के सम्मानित सदस्य हैं। अपने पूरे करियर में उन्होंने लगातार उच्चतम स्तर की पेशेवरता और ईमानदारी का परिचय दिया है।

फीफा ने यह भी स्पष्ट किया कि टूर्नामेंट के दौरान रेफरियों के मीडिया से बात न करने की नीति के तहत क्लास इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे।

इंफैन्टिनो बोले- रेफरियों का सम्मान जरूरी - फीफा अध्यक्ष जियानी इंफैन्टिनो ने कहा, मैं फिर दोहराना चाहता हूं कि हमें रेफरियों और खेल के नियमों का सम्मान करना चाहिए। यह बहुत सरल बात है और इसे कभी भी कम करके नहीं आंका जा सकता। रेफरी नहीं होंगे तो फुटबाल भी नहीं होगा।

न्यूज़ ब्रीफ

युवराज को पिता के बयानों के लिए माफी मांगने की जरुरत नहीं : कपिल

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा कि युवराज सिंह को अपने पिता योगराज

सिंह के विवादित बयानों को लेकर माफी मांगने की कोई जरुरत नहीं है। योगराज ने कई अवसरों पर कपिल को लेकर कई आरोप लगाए थे और कहा था कि उन्हें कपिल ने ही पहले नॉर्थ जोन फिर हरियाणा और अंत में भारतीय टीम का कप्तान बनने के बाद टीम से बाहर करवाना और उनका अंतरराष्ट्रीय करियर समाप्त किया था। उन्होंने यहां तक कहा था कि उनके बेटे युवराज के पास कपिल से अधिक ट्राफियां हैं। पिता के इस प्रकार के बयानों के लिए युवराज ने कपिल से मांफी मांगी थी। कपिल ने युवराज की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, युवराज को माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है। वह एक महान क्रिकेटर हैं, जिन्होंने खेल को बेहद लोकप्रिय बनाया है। रिकॉर्ड बनते-टूटते रहते हैं पर जिस में युवराज खेले, लोगों ने उन पर खूब प्यार लुटाया। कपिल ने योगराज को अपने बचपन का दोस्त बताते हुए स्वीकार किया कि उन्हें कठोर स्वभाव के लोग पसंद नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिंदगी में बहुत कुछ होता है, लेकिन व्यक्ति को हमेशा आगे बढ़ना चाहिए। साथ ही कहा कि योगराज के बेटे ने देश के लिए इतना अच्छा प्रदर्शन किया है, उन्हें खुश रहना चाहिए। साथ ही कहा कि किसी व्यक्ति का स्वभाव उसकी प्रतिक्रिया से पता चलता है। उन्होंने कहा, आपको जिंदगी में सब चीजें नहीं मिलतीं पर उसके कारण किसी को भी कुछ भी कह देन ठीक नहीं है। अउकर कोई उग्र प्रतिक्रिया दे तो आप क्या करेंगे। कपिल ने योगराज को उनकी उपलब्धि याद दिलायी और कहा, कितने लोग हैं, जिन्होंने योगराज की तरह देश के लिए क्रिकेट भी खेला और अभिनय भी किया। इस तरह देखें तो उन्होंने कई लोगों से ज्यादा कुछ हासिल किया। इसके बाद भी अगर आप नाखुश हैं तो फिर कुछ नहीं किया जा सकता।

फीफा विश्व कप 2026: क्वार्टर फाइनल की तस्वीर लगभग साफ, छह टीमों ने अंतिम-8 में बनाई जगह

नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में क्वार्टर फाइनल की तस्वीर अब लगभग पूरी तरह साफ हो गई है। राउंड आफ-16 के शुरुआती मुकाबलों के बाद छह टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंतिम-8 में अपनी जगह पक्की कर ली है, जबकि बाकी दो स्थानों का फैसला होने वाले मुकाबलों के बाद होगा। अब तक क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली टीमों में मोरक्को, फ्रांस, नार्वे, इंग्लैंड, स्पेन और बेल्जियम शामिल हैं। मोरक्को ने कनाडा को 3-0 से हराकर सबसे पहले अंतिम-8 का टिकट कटाया। इसके बाद फ्रांस ने परागवे को 1-0 से मात दी। सबसे बड़ा उलटफेर नार्वे ने किया, जिसने पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील को 2-1 से हराकर इतिहास रच दिया। इंग्लैंड ने मेजबान मेक्सिको को रोमांचक मुकाबले में 3-2 से हराया, जबकि स्पेन ने पुर्तगाल को 1-0 से शिकस्त देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

नेट अभ्यास में लगी चोट के बाद भी वैभव ने दिखाया जबरस्त जज्बा, पांच मिनट बाद ही बल्लेबाजी कर लगाये चौके और छक्के

ट्रेंटब्रिज। इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले से पहले नेट अभ्यास के दौरान भारतीय टीम के उभरते हुए

बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी गंभीर चोट का शिकार होते-होते बाल-बाल बचे। यहां की तेज और उछाल भरी पिचों पर अभ्यास के दौरान एक गेंद उन्हें लग गयी थी। इसके बाद वह दर्द से परेशान दिखे हालांकि इसके बाद भी इस उभरते हुए खिलाड़ी ने असाधारण जज्बा दिखाया और पांच मिनट के अंदर ही दोबारा बल्लेबाजी करने लगे। वैभव को उस उस समय मशहूर थ्रो-डाउन स्पेशलिस्ट रघु अभ्यास करा रहे थे। रघु ने वैभव की परीक्षा के लिए एक बेहद तेज बाउंसर फेंकी। वैभव इस लेंथ गेंद पर पुल शाट खेलने गए पर गेंद की रफ्तार और अतिरिक्त उछाल के कारण वह इससे खेलने में विफल रहे और गेंद सीधे उनके पेट और छाती के बीच लगी। इससे वैभव दर्द के कारण् घुटनों के बल बैठ गये। सहयोगी स्टाफ और खिलाड़ी वैभव के पास पहुंचे और उन्हें संभाला। फिजियो ने तुरंत उनकी चोट का देखा। सभी तनाव में आ गये पर राहत की बात ये रही की वैभव की चोट गंभीर नहीं निकली और उन्होंने फिर से बल्लेबाजी शुरु कर दी। मैदान पर वापसी करते ही वैभव ने जिस प्रकार से आक्रामक अंदाज में खेला उससे मेजबान टीम को ये संदेश गया कि वह खेलने के लिए तैयार हैं। चोट लगने के बावजूद वैभव के फुटवर्क और आक्रामकता में जरा भी कमी नहीं आई।

इंग्लैंड से टीम इंडिया की शर्मनाक हार

सूर्यवंशी, ईशान, अय्यर सब फेल, भारतीय क्रिकेट इतिहास में कभी नहीं हुआ ऐसा

ट्रेंट ब्रिज: भारत और इंग्लैंड के बीच खेली जा रही पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया को बेहद शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच को इंग्लैंड की टीम ने 125 रनों से अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ ही उन्होंने सीरीज में 2-0 की मजबूत बढ़त बना ली है। आयरलैंड दौरे से चला आ रहा हार का सिलसिला टीम इंडिया के लिए रुकने का नाम नहीं ले रहा है। इस मैच में गेंदबाजी से लेकर बल्लेबाजी तक टीम इंडिया ने हर सेक्टर में निराश किया। भारतीय टीम का ऐसा बुरा हाल काफी बड़ा चिंता का विषय बन गया है। इसके अलावा श्रेयस अय्यर की कप्तानी और टीम इंडिया के कोचिंग स्टाफ पर भी बड़े सवाल खड़े हो रहे हैं। वर्ल्ड चैंपियन टीम का ऐसा हाल फैंस के समझ के परे है।

भारत के इतिहास की सबसे बड़ी हार

टीम इंडिया के लिए यह टी20 इंटरनेशनल में अब तक कि सबसे बड़ी बार है। इससे पहले टीम इंडिया को साल 2019 में वेलिंगटन में न्यूजीलैंड के हाथों 80 रनों से हार का सामना करना पड़ा था, लेकिन इस मैच को तो टीम इंडिया 125 रनों से हार गई है। इस हार को भारतीय फैंस और टीम इंडिया सालों तक नहीं भूल सकेगी। टीम इंडिया चाह कर भी इस दाग को नहीं मिटा सकेगी। टीम इंडिया की रनों के मामले में अब तक की सबसे बड़ी हारों पर नजर डालें तो, यह कुछ इस प्रकार है।

-80 रन बनाम न्यूजीलैंड, साल 2019
-76 रन बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2026
-51 रन बनाम साउथ अफ्रीका, साल 2025

हैदराबाद में जमीनी स्तर पर फुटबॉल को बढ़ावा देंगे स्पेनिश युवा स्टार अर्तुरो गार्सिया पेरेज़

हैदराबाद । भारत में फुटबॉल की जमीनी स्तर की प्रतिभाओं को निखारने के लिए एक बड़े अभियान की शुरुआत होने जा रही है। इसके तहत स्पोर्ट्स विलेज यूरोपा (बार्सिलोना, स्पेन) और सिल्वर स्टोन स्पोर्ट्स एकेडमी (हैदराबाद) ने आपस में हाथ मिलाया है। इस साझेदारी का मुख्य उद्देश्य भारतीय युवाओं को यूरोपीय कोचिंग पद्धतियों से परिचित कराना और उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के लिए तैयार करना है। इस विशेष कार्यक्रम का समन्वय स्पोर्ट्स विलेज हैदराबाद के मल्टीस्पोर्ट्स प्रमोटर मोहम्मद शम्सुद्दीन और स्पोर्ट्स विलेज यूरोपा के निदेशक जोकिन बीना मार्टिनेज कर रहे हैं। ये दोनों दिसंबर 2026 के पहले सप्ताह में हैदराबाद का दौरा करेंगे। इस दौरान स्कूलों में फुटबॉल सेमिनार, कोचिंग क्लीनिक, पोजीशन-विशिष्ट प्रशिक्षण और प्रतिभा खोज कैंप आयोजित किए जाएंगे। हैदराबाद में सफलता के बाद इस योजना को देश के अन्य शहरों में भी लागू किया जाएगा।

इस अभियान का सबसे बड़ा आकर्षण स्पेन के सबसे होनहार युवा फुटबॉलरों में से एक, अर्तुरो गार्सिया पेरेज़ का प्रस्तावित हैदराबाद दौरा होगा। अर्तुरो साल 2019 में आरसीडी एस्पेनयोल क्लब से जुड़े थे और लगातार छह वर्षों तक क्लब की युवा टीम के कप्तान रहे हैं।

आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने पुरुषों को टी20 खिताब जीतने के मामले में पीछे छोड़ा

सिडनी। आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम ने विश्व क्रिकेट में कई बड़े रिकार्ड अपने नाम किये हैं। यहां तक कि पुरुष टीमों को भी पीछे छोड़ दिया है। आस्ट्रेलियाई महिला टीम ने टी20 विश्व कप में जितने खिताब जीते हैं उतने भारत, पाकिस्तान और स्वयं आस्ट्रेलिया की पुरुष टीमों ने मिलकर भी नहीं जीते हैं। इससे साफ है कि आस्ट्रेलियाई महिला टीम सबसे आगे हैं। आस्ट्रेलिया की महिला टीम ने रिकार्ड सातवीं बार टी20 खिताब जीता है। टीम कुल आठ बार फाइनल में पहुंची है और उनमें से सात बार चैंपियन बनी है। इस टूर्नामेंट के इतिहास में उन्हें सिर्फ एक बार वेस्टइंडीज के खिलाफ फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है, जो इस बात को साबित करता है कि महिला क्रिकेट में आस्ट्रेलिया का दबदबा है। आस्ट्रेलिया की महिला टीम के इन सात टी20 विश्व कप खिताबों के मुकाबले, भारत, पाकिस्तान और खुद आस्ट्रेलिया की पुरुष टीमें मिलकर भी इतने खिताब नहीं जीत पाई हैं। इन तीनों दिग्गज टीमों ने अब तक कुल तीन टी20 विश्व कप खिताब जीते हैं - भारत ने एक बार, पाकिस्तान ने एक बार और आस्ट्रेलिया ने भी एक बार।

23 जुलाई से शुरु होंगे राष्ट्रमंडल खेल, भारोत्तोलक मीराबाई चानू पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली

भारत की ओलंपिक पदक विजेता और स्टार भारोत्तोलक मीराबाई चानू का ध्यान अब 23 जुलाई से 2 अगस्त तक ग्लासगो में होने वाले राष्ट्रमंडल खेलों पर है। इन खेलों में वह अपने पसंदीदा 48 किग्रा वर्ग में उतरेंगी, जहां उन्हें स्वर्ण पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। राष्ट्रमंडल खेलों में उनका प्रदर्शन हमेशा ही बेहतरीन रहा है और वह एक बार फिर पोडियम पर शीर्ष स्थान हासिल करने की उम्मीद कर रही हैं।

हाल ही में मोदीनगर में हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप में उन्होंने कुल 205 किग्रा (89 किग्रा स्नैच और 116 किग्रा क्लीन एंड जर्क) भार उठाकर 48 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता था, जो उनके फार्म को दर्शाता है।

राष्ट्रमंडल खेलों के बाद, चानू अक्टूबर में होने वाले एशियाई खेलों पर ध्यान केंद्रित करेंगी। एशियाई खेल उनके लिए एक नई चुनौती पेश करेंगे, क्योंकि इस टूर्नामेंट के लिए उन्हें 53 किग्रा वर्ग में उतरना होगा।

इसके लिए उन्हें अपना वजन भी बढ़ाना होगा, जो किसी भी भारोत्तोलक के लिए एक महत्वपूर्ण समायोजन होता है। दिलचस्प बात यह है कि अपने शानदार करियर के बावजूद, मीराबाई चानू

ने अब तक एशियाई खेलों में कोई पदक नहीं जीता है, जिससे यह उनके लिए एक विशेष प्रेरणा का स्रोत है।यह साल 2028 लास एंजिलिस ओलंपिक के लिए पहला क्वालीफाइंग टूर्नामेंट होने के कारण और भी अहम माना जा रहा है। एशियाई खेलों का प्रदर्शन न केवल पदक के लिए, बल्कि ओलंपिक क्वालीफिकेशन प्रक्रिया की शुरुआत के लिए भी महत्वपूर्ण होगा।

मीराबाई की अनुपस्थिति से एशियाई चैम्पियनशिप में उनकी जगह कोमल कोहर को शामिल किया जा सकता है, जिससे उन्हें भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। मीराबाई चानू अब पूरी तरह से अपनी चोट से उबरने और ग्लासगो व आइची-नागोया (में होने वाले बड़े मुकाबलों के लिए अपनी तैयारी पर ध्यान केंद्रित करेंगी, ताकि वह एक बार फिर भारत को गौरवान्वित कर सकें।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने विश्व कप को कहा अलविदा, बोले- यह मेरा आखिरी फीफा वर्ल्ड कप था

आर्लिंग्टन

पुर्तगाल के दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुष्टि कर दी है कि फीफा विश्व कप 2026 उनके करियर का आखिरी विश्व कप था। स्पेन से राउंड आफ-16 में 0-1 की हार के बाद भावुक रोनाल्डो ने कहा कि वह विश्व कप को अलविदा कह रहे हैं, लेकिन अपने अंतरराष्ट्रीय भविष्य पर कोई जल्दबाजी में फैसला नहीं लेंगे।

मैच के बाद मीडिया से बातचीत में रोनाल्डो ने कहा कि स्पेन को जीत में थोड़ी किस्मत का साथ मिला और मुकाबला किसी भी दिशा में जा सकता था।

उन्होंने कहा, इस तरह विश्व कप से बाहर होना मेरे लिए बेहद दुखद है। मैंने अपना सब कुछ

झोंक दिया। अपनी ओर से पूरी कोशिश की और मैं पूरी तरह संतुष्ट हूं कि मैंने कोई कमी नहीं छोड़ी। हां, यह मेरा आखिरी विश्व कप था, लेकिन अब मैं अपने परिवार के साथ समय बिताऊंगा और शांति से आगे के बारे में सोचूंगा। मैं कोई भी फैसला जल्दबाज़ी में नहीं लूंगा।

41 वर्षीय रोनाल्डो ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह पुर्तगाल के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच था या नहीं। उन्होंने कहा कि वह नहीं चाहते कि उनका व्यक्तिगत फैसला टीम के अभियान पर हावी हो जाए। उन्होंने कहा, मैं भावनाओं में बहकर फैसले नहीं करता। रोनाल्डो ने पुर्तगाल के साथ अपने सफर पर गर्व जताते हुए कहा कि उन्होंने देश को वह उपलब्धियां दिलाईं, जो पहले कभी नहीं मिली थीं। उन्होंने कहा, मैंने पुर्तगाल के लिए तीन बड़े खिताब जीते। क्रिस्टियानो रोनाल्डो से पहले पुर्तगाल ने कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था। राष्ट्रीय टीम के साथ 2016 में जीती गई यूरोपीय चैम्पियनशिप मेरे लिए विश्व कप जीतने जितनी ही बड़ी उपलब्धि है। पुर्तगाल के विश्व कप से बाहर होने के साथ ही मुख्य कोच रोबर्टो मार्टिनेज का कार्यकाल भी समाप्त हो गया। रोनाल्डो ने उनके लिए भी सम्मान व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझे उनके साथ काम करके बहुत अच्छा लगा। वह शानदार कोच और बेहतरीन इंसान हैं। उन्होंने पुर्तगाल के लिए जो किया, उसके लिए उनकी सराहना होनी चाहिए। मैं उनका धन्यवाद करता हूं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता हूं।

अल-नस्र के स्टार फारवर्ड ने अंत में कहा, किसी बड़े टूर्नामेंट से बाहर होना हमेशा दुख देता है। यह विश्व कप था और हमारी टीम लगातार बेहतर खेल रही थी। मेरी नजर में हमने अच्छा प्रदर्शन किया। मुकाबला किसी भी तरफ जा सकता था, लेकिन यही फुटबाल है। हमें इस हार से उबरकर आगे बढ़ना होगा। इस तरह बाहर होना निराशाजनक है, लेकिन हमें गर्व के साथ सिर ऊंचा रखकर आगे बढ़ना चाहिए।

एक्सिस बैंक आगे, पीएनबी का मुनाफा 186 फीसदी बढ़ने का अनुमान, कौन से बैंक दिखाएंगे दम

15 जून तक बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों में सालाना आधार पर 17.7 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई

नई दिल्ली

अप्रैल-जून तिमाही में भारतीय वाणिज्यिक बैंकों के मुनाफे में सालाना आधार पर अच्छी वृद्धि की उम्मीद है, जिसका मुख्य कारण मजबूत ऋण वृद्धि और अनुकूल ट्रेजरी लाभ हैं। इस अवधि में संपत्ति की गुणवत्ता स्थिर रहने की संभावना है, जबकि पश्चिम एशिया के संघर्ष का कोई तात्कालिक प्रभाव बैंकों पर नहीं देखा जा रहा है। कुल मिलाकर, उद्योग सकारात्मक रुझान दर्शा रहा है, हालांकि कुछ बैंकों को शुद्ध ब्याज मार्जिन के मोर्चे पर मिश्रित परिणाम मिल सकते हैं। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, 15 जून तक बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों में सालाना आधार पर 17.7 फीसदी की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई, जबकि जमा वृद्धि 12 फीसदी रही। यह मजबूत ऋण उठाव बैंकों के लिए ब्याज आय का प्रमुख स्रोत रहा है। ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि जिन बैंकों ने उच्च यील्ड वाले उत्पाद मिश्रण को अपनाया है, उनके शुद्ध ब्याज मार्जिन में सुधार की संभावना है, हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मार्जिन में स्थिरता बनी रहने का अनुमान है।

अनुमानों के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही में बैंकिंग क्षेत्र का कुल शुद्ध लाभ 9.4 फीसदी बढ़कर 90,591 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, हालांकि यह पिछली तिमाही से क्रमिक रूप से 3.8 फीसदी कम होगा। निजी क्षेत्र के बैंक इस वृद्धि में अग्रणी रहेंगे, जिनका कुल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 11.4 फीसदी बढ़कर 49,457 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। बड़े निजी ऋणदाताओं में, एक्सिस बैंक की कमाई में सबसे अधिक उछाल देखने को मिल सकता है, जिसका शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 22.9 फीसदी बढ़कर 7,134 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। इसके विपरीत, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की कमाई की वृद्धि धीमी रहने की उम्मीद है, जिसका कुल शुद्ध लाभ सालाना आधार पर 7 फीसदी बढ़कर 41,135 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, सरकारी बैंकों में पंजाब नेशनल बैंक असाधारण प्रदर्शन कर सकता है, जिसका लाभ सालाना आधार पर 186 फीसदी बढ़कर 4,784 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।

न्यूज ब्रीफ

अब हर कोई पहचान सकेगा असली 100 का नोट, धोखाधड़ी से बचने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जारी की गाइडलाइन

मुंबई। बाजार में खरीदारी के दौरान नकली नोटों का मिलना एक आम समस्या है, जो आर्थिक नुकसान का कारण बन सकती है। इस धोखाधड़ी से बचने के लिए, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने 100 रुपये के असली नोट की पहचान करने के लिए सात महत्वपूर्ण सुरक्षा फीचर्स बताए हैं। इन संकेतों को जानकर कोई भी व्यक्ति आसानी से नोट की प्रामाणिकता जांच सकता है और धोखाधड़ी से बच सकता है। असली 100 रुपये के नोट की पहचान के 7 प्रमुख संकेत: रोशनी में 100 दिखेगा: नोट को रोशनी के सामने रखने पर सी-थ्रू रजिस्टर में साफ तौर पर 100 का अंक दिखाई देता है। देवनागरी में मूल्य: असली नोट पर अंग्रेजी के साथ-साथ देवनागरी लिपि में भी 100 अंकित होता है। अशोक स्तंभ: नोट पर अशोक स्तंभ का राष्ट्रीय प्रतीक स्पष्ट और बारीक प्रिंटिंग के साथ बना होता है। गवर्नर के हस्ताक्षर व आरबीआई प्रतीक: आरबीआई गवर्नर के हस्ताक्षर, गारंटी संबंधी वचन और भारतीय रिजर्व बैंक का आधिकारिक प्रतीक स्पष्ट रूप से छपा होता है। नीचे दाईं ओर सीरियल नंबर: नोट के निचले दाईं ओर सीरियल नंबर स्पष्ट, समान दूरी और सही फान्ट में छपा होता है। ऊपर बाईं ओर भी नंबर: ऊपरी बाईं हिस्से में भी सीरियल नंबर मौजूद रहता है, जिसकी गुणवत्ता नीचे वाले नंबर जैसी ही होती है। महात्मा गांधी का चित्र: नोट के सामने वाले हिस्से के बीच में महात्मा गांधी का साफ और उच्च गुणवत्ता वाला चित्र होता है। इन फीचर्स को ध्यान में रखकर आप नकली नोटों की पहचान कर सकते हैं और आर्थिक नुकसान से बच सकते हैं।

ईपीएफओ अपग्रेड पूरा, लेकिन पासबुक-दावों में देरी; नए यूएएन नियम लागू

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने करीब 10 दिनों तक चले डेटाबेस इंटीग्रेशन और साफ्टवेयर अपग्रेड की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी कर ली है। हालांकि, अपडेट के बाद भी लाखों सदस्यों को पासबुक देखने, लागिन करने और कुछ आनलाइन सेवाओं का उपयोग करने में अभी भी समस्या आ रही है। संगठन ने स्वीकार किया है कि सभी सेवाओं को पूरी तरह सामान्य होने में लगभग एक से डेढ़ सप्ताह का समय लग सकता है, जबकि दावों के निपटारे में अतिरिक्त सत्यापन प्रक्रियाओं के चलते लगभग दो सप्ताह तक सामान्य से अधिक समय लग सकता है। ईपीएफओ ने सदस्यों से सहयोग की अपील की है और व्यस्त समय में बार-बार अनुरोध भेजने से बचने की सलाह दी है। अच्छी खबर यह है कि सेवाएं सामान्य होने के बाद ईपीएफओ यूपीआई के जरिए पीएफ खाते से निकासी की सुविधा शुरू करने की योजना बना रहा है। इसके साथ ही यूएएन से जुड़े नियमों में भी महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है।

माइक्रोसाफ्ट में बड़ी छंटनी, 4800 कर्मचारी होंगे बाहर, लाभ मार्जिन में कमी और पुनर्गठन के तहत लिया फैसला

मुंबई। दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी माइक्रोसाफ्ट ने वैश्विक स्तर पर करीब 4,800 कर्मचारियों की छंटनी घोषणा की है, जो उसके कुल कार्यबल का लगभग 2.1 प्रतिशत है। इस फैसले से कंपनी का वीडियो गेम कारोबार एक्सबाक्स सबसे ज्यादा प्रभावित होगा, जहां लाभप्रदता में कमी और बढ़ते परिचालन दबाव को मुख्य कारण बताया गया है। कंपनी ने कहा कि एक्सबाक्स इकाई में करीब 1,600 कर्मचारियों को पहले ही नौकरी से निकाला जा चुका है, जबकि चालू वित्त वर्ष में 1,600 और पदों को समाप्त किया जाएगा। एक्सबाक्स की एक अधिकारी ने एक आंतरिक संदेश में बताया कि कारोबार की मौजूदा स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके लाभ मार्जिन प्रतिस्पर्धी कंपनियों (जैसे सोनी प्लेस्टेशन और निनटेंडो स्विच) की तुलना में काफी कम हैं। उन्होंने गेमिंग कंसोल के पुर्जों की बढ़ती लागत को भी गेमिंग उद्योग पर दबाव का प्रमुख कारण बताया। कंपनी अब तक अधिग्रहीत चार वीडियो गेम डेवलपमेंट स्टूडियो को भी अलग कर रही है।

आयकर रिटर्न में टैक्स क्रेडिट मिसमैच पड़ सकता है भारी. फॉर्म 26एएस का सावधानी से करें मिलान

नई दिल्ली

आयकर रिटर्न (आईटीआर) दाखिल करने वाले करदाताओं के लिए टैक्स क्रेडिट का सही मिलान करना बेहद महत्वपूर्ण है। इसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी आयकर विभाग के नोटिस, रिफंड में देरी या अतिरिक्त कर मांग का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों का कहना है कि ऐसी परेशानियों से बचने के लिए रिटर्न दाखिल करने से पहले फॉर्म 26एएस और अन्य कर विवरणों का सावधानीपूर्वक मिलान करना बेहद जरूरी है। यदि आपके द्वारा आईटीआर में दर्ज टैक्स भुगतान और आयकर विभाग के रिकॉर्ड में उपलब्ध जानकारी के बीच अंतर पाया जाता है, तो इसे टैक्स क्रेडिट मिसमैच कहा जाता है। इस स्थिति में, विभाग केवल उन्हीं टैक्स क्रेडिट को मान्यता देता है जो उसके आधिकारिक रिकॉर्ड और फॉर्म 26एएस में उपलब्ध होते हैं। यह अंतर स्रोत पर कर कटौती (टीडीएस), स्रोत पर कर संग्रह (टीसीएस), एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स या नियमित कर भुगतान से जुड़ा हो सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, टैक्स क्रेडिट मिसमैच के कई कारण हो सकते हैं। इनमें नियोक्ता या कर काटने वाली संस्था द्वारा गलत टीडीएस विवरण जमा करना, एडवांस या सेल्फ असेसमेंट टैक्स जमा करते समय चालान की जानकारी में त्रुटि, गलत पैन नंबर दर्ज होना, आईटीआर में कर विवरण गलत भरना, या टीडीएस रिटर्न दाखिल करने में देरी शामिल है। फॉर्म 26एएस करदाताओं के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। इसमें संबंधित वित्तीय वर्ष के दौरान काटे गए टीडीएस, टीसीएस, एडवांस टैक्स, सेल्फ असेसमेंट टैक्स, कर रिफंड और अन्य महत्वपूर्ण वित्तीय लेनदेन की विस्तृत जानकारी दर्ज रहती है। इसलिए, आईटीआर दाखिल करने से पहले इस दस्तावेज का अपनी जानकारियों से मिलान करना अत्यंत आवश्यक है। यदि किसी करदाता को अपने रिटर्न में टैक्स क्रेडिट संबंधी संदेह हो, तो वह आयकर विभाग के ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध टैक्स क्रेडिट मिसमैच सेवा का उपयोग कर सकता है। पोर्टल पर लॉगिन करने के बाद सर्विसेज अनुभाग में जाकर संबंधित असेसमेंट वर्ष का चयन कर अपनी त्रुटियों की जांच की जा सकती है। यदि गड़बड़ी टीडीएस से संबंधित हो, तो अपने नियोक्ता या संबंधित संस्था से संशोधित टीडीएस रिटर्न दाखिल करने का अनुरोध करें। यदि आईटीआर अभी तक प्रोसेस नहीं हुआ है, तो संशोधित रिटर्न दाखिल किया जा सकता है।

कोचिन शिपयार्ड ओएफएसः सरकार बेचेगी 5 फीसदी तक हिस्सेदारी, सरकार ने 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया

नई दिल्ली। सरकारी स्वामित्व वाली कंपनी कोचिन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में निवेश करने की योजना बना रहे निवेशकों के लिए एक आकर्षक अवसर सामने आया है। भारत सरकार ने कंपनी में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए आफर फार सेल (ओएफएस) की घोषणा की है, जिसके तहत निवेशकों को बाजार भाव से लगभग 7 फीसदी कम कीमत पर शेयर खरीदने का मौका मिलेगा। यह बिक्री 7 और 8 जुलाई को दो चरणों में होगी। सरकार ने इस इश्यू के लिए 1,400 रुपये प्रति शेयर का फ्लोर प्राइस तय किया है, जबकि सोमवार को कंपनी का शेयर 1,504.75 रुपये पर बंद हुआ था। इस तरह निवेशकों को बाजार भाव से करीब 7 प्रतिशत के आकर्षक डिस्काउंट पर शेयर मिलेंगे। शुरुआती चरण में सरकार अपनी 2.52 फीसदी हिस्सेदारी बेचेगी, जिसमें लगभग 33 लाख शेयर शामिल हैं। यदि निवेशकों की तरफ से अच्छी मांग रहती है, तो सरकार इतनी ही अतिरिक्त हिस्सेदारी यानी 2.52 फीसदी और बेच सकती है, जिससे कुल बिक्री 5.04 फीसदी तक पहुंच सकती है। संस्थागत और बड़े निवेशक 7 जुलाई को बोली लगा सकेंगे, जबकि खुदरा यानी आम निवेशकों के लिए 8 जुलाई का दिन निर्धारित किया गया है।

सेबी एक अगस्त से खुले बाजार के जरिये शेयर पुनर्खरीद व्यवस्था लागू करेगी

नई दिल्ली

पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में शेयर की पुनर्खरीद (बायबैक) की व्यवस्था को फिर से लागू करने के नियम अधिसूचित किए हैं। कंपनियां 1 अगस्त से ओपन मार्केट में अपने शेयर वापस खरीद सकेंगी। इस प्रक्रिया की समय-सीमा 66 कार्य-दिवस तय की गई है। नए नियमों के तहत कंपनियां पुनर्खरीद के लिए अलग से पुनर्खरीद खिड़की के बिना नियमित कारोबार व्यवस्था के माध्यम से पुनर्खरीद कर सकेंगी।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक जुलाई को जारी अधिसूचना में कहा कि शेयर बाजार के माध्यम से खुले बाजार में पुनर्खरीद कंपनी की चुकता पूंजी और मुक्त भंडार के 15 फीसदी से कम होगा। इसकी गणना कंपनी के एकल और समेकित दोनों वित्तीय विवरणों के आधार पर की जाएगी। इस संबंध में सेबी के निदेशक मंडल ने जून में प्रस्ताव को मंजूरी दी थी। इसके अलावा शेयर बाजार के जरिए खुले बाजार में पुनर्खरीद की प्रक्रिया पेशकश खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवस के भीतर पूरी करनी होगी। इससे पहले यह अवधि अधिकतम छह महीने तक हो सकती थी।

सेबी ने कहा कि पुनर्खरीद की पेशकश सार्वजनिक घोषणा की तारीख से चार कार्य दिवस के भीतर खुलेगी और पेशकश खुलने की तारीख से 66 कार्य दिवस के भीतर बंद होगी। सेबी ने दो पुनर्खरीद पेशकशों के बीच न्यूनतम अंतराल को पुनर्खरीद विनियमों के तहत अलग समय-सीमा बनाए रखने के बजाय कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुरूप कर दिया है।

सेबी ने 2025 में खुले बाजार के जरिए पुनर्खरीद की व्यवस्था को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर दिया था। नियामक ने उस समय शेयरधारकों के साथ असमान व्यवहार और कर संबंधी विकृतियों पर चिंता जताई थी, क्योंकि यह व्यवस्था चुनिंदा निवेशकों के पक्ष में मानी जाती थी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

चोरी-चोरी...

इस मामले में सीट अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। इनमें अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू यादव, मनीष यादव, सुभाष श्रीवास्तव, अविनाश शुक्ला, रामशंकर मिश्रा और करुणेश पांडेय शामिल हैं। तलाशी के दौरान इन 7 आरोपियों से करीब 80 लाख रुपये नकदी भी बरामद हुआ है।

वहीं जांच के दौरान एक नया खुलासा हुआ है। खबर ये है कि यह करीब 3 महीने पहले ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) ने मंदिर में दान राशि की गिनती करने वाले कर्मचारियों की संदिग्ध गतिविधियों पर चिंता जताई थी। एसबीआई को दान में मिलने वाली राशि और कीमती सामान के रखरखाव में गड़बड़ी का शक था। उसने मंदिर के दान पात्रों में एकत्रित होने वाली रकम गिनने वाले कर्मचारियों को बदलने की सिफारिश की थी। लेकिन आरोप है कि श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट से जुड़े सदस्यों के दखल देने से यह कदम नहीं उठाया गया था।

अयोध्या पुलिस ने सात बैंकों से पिछले पांच वर्ष का रिकॉर्ड तलब किया है। इन बैंकों में ही चढ़ावा चोरी के आरोप में पकड़े गए आठ आरोपियों और श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के खाते हैं। इसके पीछे फाइनेंशियल ट्रेल का पता लगाने की कोशिश वजह बताई जा रही है।

इस नए एंगल से भी जांच जारी

सूत्रों के अनुसार, राम मंदिर से चोरी किए गए आभूषणों को गलाकर सोने के बिस्कुट बनवाने की आशंका की जांच की जा रही है। एसआईटी यह पता लगाने में जुटी है कि कहीं आरोपियों ने चोरी किए गए सोने-चांदी के आभूषणों को गलवाकर उनकी पहचान मिटाने की कोशिश तो नहीं की।

अब तक की छापेमारी में चोरी से जुड़े आभूषण बरामद नहीं हो सके हैं, जिससे जांच एजेंसियों का शक और गहरा गया है। एसआईटी अधिकारियों ने रामलला के दर्शन करने के बाद प्रभारी केडी बाबू से आभूषणों, चढ़ावे की बहुमूल्य वस्तुओं और उनके रखरखाव की व्यवस्था पर विस्तृत पूछताछ की।

जांच टीम ने आभूषणों और बहुमूल्य वस्तुओं से जुड़े अभिलेख, रिकॉर्ड और भारत सरकार के उपक्रम प्रिंटिंग एंड मिंटिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (मिंट) के साथ हुए लेन-देन की जानकारी भी तलब की। अधिकारियों ने बैंकों और मिंट को भेजी गई धातुओं का पूरा ब्यौरा मांगा है और अब तक की प्रक्रिया की जांच की जा रही है।

एसआईटी जांच में यह भी सामने आया है कि ट्रस्ट की हर तीसरे महीने होने वाली बैठक में नकद दान और आय का विवरण रखा जाता था, लेकिन सोने-चांदी व अन्य बहुमूल्य दान सामग्री की मात्रा, मूल्यांकन और उपलब्ध स्टॉक का विस्तृत ब्यौरा नियमित एजेंडे का हिस्सा नहीं था।

ट्रस्ट ने पहले चरण में 944 किलो चांदी की जांच और गलाने के लिए भारत सरकार की संस्था मिंट को भेजी थी। भक्तों से प्राप्त सोने-चांदी की गुणवत्ता और मात्रा के मूल्यांकन के लिए ट्रस्ट ने यह प्रक्रिया अपनाई थी। चंपत राय पहले सार्वजनिक रूप से बता चुके हैं कि मंदिर को दान में करीब 13 क्विंटल चांदी और 20 किलो सोना प्राप्त हुआ था।

बद्रीनाथ-केदारनाथ...

भेंट गणना प्रक्रिया के बिल्कुल खिलाफ है। समिति ने प्रमोद नौटियाल को चेतावनी दी है कि अगर वो सफाई नहीं देते हैं तो उन पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हाई लेवल जांच समिति गठित होने की तैयारी

इस मामले को लेकर उत्तराखंड सरकार भी एक्शन मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के आदेश के बाद इस पूरे मामले की जांच कमिश्नर गढ़वाल आनंद स्वरूप को सौंपी जा सकती है। इसके लिए जल्द ही आधिकारिक आदेश जारी होने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक, कमिश्नर की अध्यक्षता में एक हाई लेवल जांच समिति बनाई जाएगी। इस समिति में चमोली के पूर्व जिलाधिकारी और वर्तमान एमडी जीएमवीएन आईएएस अधिकारी संदीप तिवारी को भी शामिल किया जा सकता है। संदीप तिवारी की ईमानदार छवि को देखते हुए उन्हें इस जांच का जिम्मा दिया जा रहा है। उनके अलावा नेशनल हेल्थ मिशन के फाइनेंस कंट्रोलर जगत चौहान भी इस समिति के सदस्य हो सकते हैं।

हिंदू संगठनों के आरोपों के बाद जांच

गौरतलब है कि 3 जुलाई को एक हिंदू संगठन द्वारा बद्रीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी होने के आरोप लगाए गए थे। बुकेटीसी के अध्यक्ष ने पहले ही 4 सदस्यीय समिति बनाई थी, जिसकी जांच शुरू करने के लिए आज बद्रीनाथ मंदिर पहुंच चुकी है। ये समिति मामले की शुरुआती जांच कर रही है, जिसके बाद शासन स्तर से गठित होने वाली नई समिति मामले की विस्तृत और गहन जांच को आगे बढ़ाएगी।

सिया...

भी मिली हैं, जिनमें उनके शादीशुदा होने का दावा किया गया है। हालांकि, इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। पुलिस अब यह भी जांच रही है कि अगर दोनों ने शादी की थी तो क्या उसका कानूनी रजिस्ट्रेशन कराया गया था। इसके लिए संबंधित दस्तावेजों और रिकॉर्ड की पड़ताल की जा रही है।

जांच एजेंसियों का मानना है कि सिया और चेतन के रिश्ते में केतन अग्रवाल सबसे बड़ी बाधा बन रहा था। इसी वजह से दोनों ने कथित तौर पर उसकी हत्या की साजिश रची। पुलिस का दावा है कि आरोपियों ने वारदात को अंजाम देने से पहले इसकी पूरी योजना बनाई थी और घटना से पहले इसका रिहर्सल भी किया था। फिलहाल सिया गोयल और चेतन चौधरी न्यायिक हिरासत में हैं। पुलिस डिजिटल सबूतों और अन्य साक्ष्यों के आधार पर पूरे मामले की गहन जांच कर रही है।

मेरा ...

मैंने अपना डीएनए टेस्ट करवाया और मुझे पता चला कि मुझमें भारतीय डीएनए है। और इसीलिए मुझे लगता है कि जब भी मैं कोई संगीत सुनता हूं, खासकर भारतीय संगीत, तो मेरा शरीर थिरकने लगता है।

मोदी जवाब: यह डीएनए आपसी भरोसे से बना

राष्ट्रपति सुबियांतो के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्रपति जी आपने यह बात उस समय भी कही थी और आज फिर से कही है। आपने उस समय यह भी कहा था कि आपमें भारत का डीएनए है। मैंने देखा कि आपकी उसी बात पर सबसे ज़ोरदार तालियां बजी थीं। आज भी आपने उस बयान से करोड़ों भारतीयों का दिल जीत लिया; उस एक वाक्य ने भारत के लोगों के दिलों को छू लिया। यह डीएनए आपसी भरोसे से बना है। यह डीएनए एक साझा विरासत पर टिका है।

बता दें कि मंगलवार को भारत ने इंडोनेशिया को ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल और अस्त्र एयर-टू-एयर मिसाइल सप्लाई करने पर सहमति जताई है। यह रक्षा संबंधों के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम है।

38 को ...

जांच और अदालत की सुनवाई 12 साल तक चली। करीब 80 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा चला। कोरोना के समय भी सुनवाई बंद नहीं हुई। प्रॉसिक्यूशन ने जज एआर पटेल की अदालत में 1,100 से ज्यादा गवाहों के बयान दर्ज कराए। कोर्ट में 6,000 से अधिक दस्तावेज पेश किए गए। मामले में 5,47 चार्जशीट के कुल 3,47,800 पन्ने दाखिल किए गए, जबकि सिर्फ मुख्य चार्जशीट ही 9,800 पन्नों की थी।

जांच के दौरान पुलिस ने दावा किया कि धमाकों के पीछे आतंकी संगठन इंडियन मुजाहिदीन (आईएम) और प्रतिबंधित स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया (सिमी) से जुड़े लोगों का हाथ था। इसे 2000 के दशक में बनाया गया था।

नर्स ने पति...

पुलिस का आरोप है कि उसने अपने मेडिकल नॉलेज का इस्तेमाल करते हुए इलाज के दौरान पति की ड्रिप में टॉयलेट क्लीनर और एनेस्थीसिया इंजेक्ट कर दिया।

प्रशांत की मौत के बाद उनकी मां को घटना पर संदेह हुआ। उन्होंने 1 जुलाई को पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

जांच के दौरान पुलिस ने तीनों आरोपियों से पूछताछ की, जिसमें साजिश का खुलासा हुआ। असली राज तब खुला जब शव का पोस्टमॉर्टम हुआ। पुलिस की पूछताछ में संध्या ने सच कबूल कर लिया। पुलिस ने पत्नी संध्या और उसके प्रेमी को हिरासत में ले लिया। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में वेंकट साई ने भी पहली हत्या की कोशिश में अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस ने संध्या, अनिल और वेंकट साई को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 08 जुलाई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की 'राधे कृष्ण एर्रागड्डा' महिला शाखा का गठन

नई शाखा के पदाधिकारियों का सम्मान, समाज से अधिकाधिक अग्रबंधुओं को जोड़ने का लिया संकल्प

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

अग्रवाल समाज तेलंगाना के विस्तार एवं संगठन को सशक्त बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राधे कृष्ण एरागड्डा महिला शाखा का विधिवत गठन किया गया।

इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में समाज के पदाधिकारियों ने नवगठित शाखा के पदाधिकारियों का सम्मान करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

समाज के कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए कहा कि समाज का लक्ष्य अधिक से अधिक अग्रबंधुओं को विभिन्न शाखाओं के माध्यम से अग्रवाल समाज तेलंगाना से जोड़ना है, ताकि प्रत्येक अग्रबंधु समाज द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सके।

नई शाखा के पदाधिकारियों की हुई घोषणा

अग्रवाल समाज के राघव रत्ना टावर स्थित कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन की उपस्थिति में नई शाखा के पदाधिकारियों की घोषणा की गई। नवगठित शाखा में पायल अग्रवाल को अध्यक्ष, रिंकी बंसल को उपाध्यक्ष, भावना अग्रवाल को मंत्री, ऋतु अग्रवाल को सहमंत्री, संगीता अग्रवाल को कोषाध्यक्ष तथा कुसुम अग्रवाल को केंद्रीय समिति सदस्य का दायित्व सौंपा गया।

महिलाओं की रही सक्रिय सहभागिता

कार्यक्रम में रेखा अग्रवाल, शशि सिंघल, रिंकू गर्ग, रानी मित्तल, सुमन गुप्ता, संगीता जाजोदिया सहित अनेक महिला सदस्याएं उपस्थित रहीं। सभी ने संगठन को मजबूत बनाने तथा समाजहित के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

पदाधिकारियों का सम्मान कर दीं शुभकामनाएं

कार्यक्रम के अंत में कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र कुमार गोयल एवं मानद मंत्री डॉ. सीमा जैन ने नवगठित शाखा के सभी पदाधिकारियों का सम्मान किया तथा उन्हें सफल कार्यकाल एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि नई शाखा समाज की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने और महिला सहभागिता को और अधिक सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

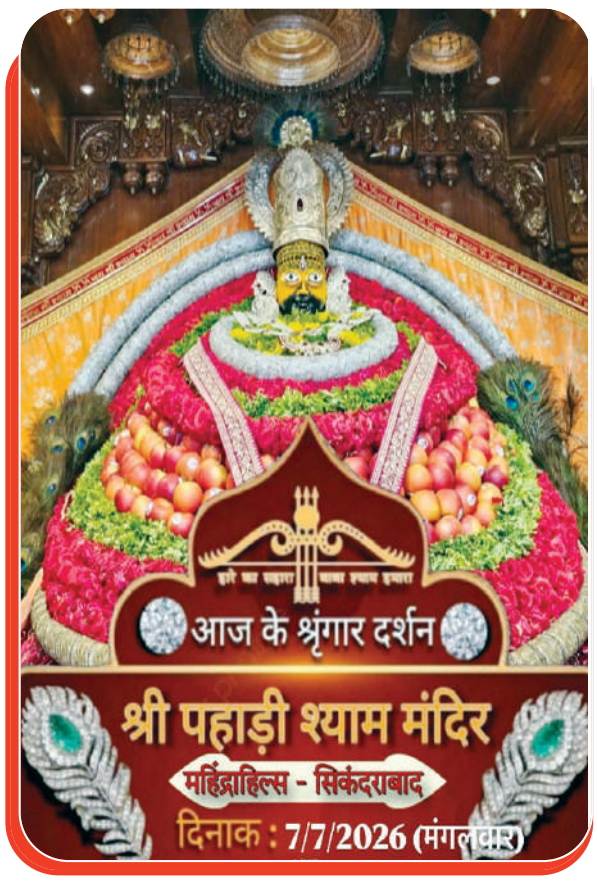

सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की 'सावन की सैर' 15 को

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा की बैठक 4 जुलाई को मलकपेट स्थित हल्दीराम में शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि सत्य शक्ति महिला टीवी टावर शाखा द्वारा आगामी 15 जुलाई (बुधवार) को सावन की सैर का भव्य आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम शाखा की सभी सदस्याओं के लिए पूर्णतः निःशुल्क रहेगा। कार्यक्रम के अंतर्गत सभी सदस्याएँ श्री पाथला हनुमान देवालय के दर्शन करेंगी तथा सावन माह के पावन अवसर पर भक्ति, मनोरंजन एवं आपसी सौहार्द का आनंद लेंगी। आयोजन में भजन प्रतियोगिता, तंबोला एवं बिंगो जैसे मनोरंजक कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे। सभी सदस्याओं के लिए नाश्ता, दोपहर का भोजन एवं हाई-टी की व्यवस्था शाखा की ओर से की गई है। बस प्रातः 8:30 बजे मलकपेट स्थित डी-मार्ट से निर्धारित समय पर रवाना होगी। आयोजकों ने सभी सदस्याओं से अनुरोध किया है कि वे अपने साथ एक छाता, एक बेडशीट तथा एक पानी की बोतल अवश्य लेकर आएँ। बैठक के दौरान शाखा अध्यक्ष श्रीमती रानी मित्तल ने 16 जुलाई को आयोजित होने वाली भगवान श्री जगन्नाथ रथ यात्रा में शाखा की सदस्याओं की सहभागिता को लेकर विस्तार से चर्चा की। सभी सदस्याओं ने अधिक से अधिक संख्या में रथ यात्रा में शामिल होकर धार्मिक एवं सामाजिक एकता का संदेश देने का संकल्प लिया।

इसके साथ ही शाखा के आगामी रक्षाबंधन कार्यक्रम पर भी विचार-विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि शाखा का रक्षाबंधन उत्सव 30 अगस्त को अतऋमें हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ मनाया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न जिम्मेदारियाँ भी निर्धारित की गईं।

शाखा अध्यक्ष रानी मित्तल, उपाध्यक्ष पुष्पा अग्रवाल, मंत्री निती अग्रवाल, सह-मंत्री कविता बंसल, कोषाध्यक्ष मीना अग्रवाल तथा केंद्रीय समिति सदस्य सुनीता तुलस्यान ने सभी सदस्याओं से इन आध्यात्मिक एवं आनंदमय आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की।

बैठक में केंद्रीय सदस्य श्वेता अग्रवाल, सहायक कोषाध्यक्ष संतोष जी, सलाहकार निर्मला जी, लक्ष्मी जी, कमला गोयल, आशा अग्रवाल, सुरभि अग्रवाल, अलका अग्रवाल, जगदंबा अग्रवाल एवं सुजाता अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहीं।

सतीश कुमार गुप्ता का आह्वान आइए, मानव सेवा के इस पावन अभियान से जुड़ें

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क में नियमित अन्नदान सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ आयोजित किया गया। इस दौरान जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा के इस सतत अभियान ने एक बार फिर यह संदेश दिया कि मानवता की सच्ची पहचान निस्वार्थ सेवा और परोपकार में ही निहित है।

इस अवसर पर राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के प्रमुख संयोजक सतीश कुमार गुप्ता ने अपने प्रेरणादायी विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति यदि सप्ताह में कुछ समय और अपनी सामर्थ्य का एक छोटा-सा हिस्सा भी जरूरतमंदों की सेवा के लिए समर्पित कर दे, तो कोई भी व्यक्ति भूखा या असहाय नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि अन्नदान केवल भोजन कराना नहीं, बल्कि किसी के जीवन में आशा, सम्मान और अपनत्व का संचार करना है। यही सेवा ईश्वर की सच्ची आराधना है।

कार्यक्रम में सतीश कुमार गुप्ता, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, गौरव गोयल, रोहित अग्रवाल, संजय गुप्ता एवं भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ सेवा कार्य में भाग लिया। सभी कार्यकर्ताओं ने जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया तथा सेवा के इस अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का नियमित अन्नदान अभियान आज सेवा, समर्पण और मानवता की एक प्रेरणादायी मिसाल बन चुका है। प्रतिदिन शहर के विभिन्न स्थानों पर चल रहे इन सेवा कार्यों से अनेक जरूरतमंद लाभान्वित हो रहे हैं। ग्रुप का विश्वास है कि सेवा का यह कारवां निरंतर आगे बढ़ता रहेगा और अधिक से अधिक लोग इस पुण्य कार्य से जुड़कर मानवता की सेवा में अपना अमूल्य योगदान देंगे।

बीजेपी माइनॉरिटी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री रजनीश जैन का जन्मदिन मनाया गया

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बीजेपी माइनॉरिटी मोर्चा तेलंगाना प्रदेश शाखा के तत्वावधान में, माइनॉरिटी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सरदार जगमोहन सिंह जी की उपस्थिति में मंगलवार को बीजेपी प्रदेश कार्यालय में बीजेपी माइनॉरिटी मोर्चा तेलंगाना प्रदेश के प्रदेश महामंत्री रजनीश जैन जी का जन्मदिन समारोह भव्य एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में मनाया गया।

इस अवसर पर आयोजित समारोह में बीजेपी तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष श्री रामचंद्र राव जी, बीजेपी प्रदेश संगठन मंत्री श्री चंद्रशेखर जी, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय जी, माइनॉरिटी मोर्चा प्रभारी जयश्री जी, बीजेपी प्रदेश कार्यालय सचिव उमा शंकर जी सहित पार्टी के अनेक वरिष्ठ पदाधिकारी एवं नेता उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने रजनीश जैन जी को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई देते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु और उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सभी नेताओं ने उनके संगठन के प्रति समर्पण, सक्रिय कार्यशैली एवं सेवा भाव की सराहना की।

कार्यक्रम पूरे उत्साह, सौहार्द एवं आत्मीयता के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने रजनीश जैन जी के साथ जन्मदिन की खुशियां साझा करते हुए उन्हें शुभकामनाएं प्रेषित कीं। समारोह में बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपातकाल के साथी रहे मंचेना गुंडेर राव से मिले बंडारू दत्तात्रेय

शॉल ओढ़ाकर किया सम्मानित

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)

पूर्व राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने आज आंध्र प्रदेश के कर्नूल जिले में एक कार्यक्रम में शामिल होने के रास्ते में महबूबनगर जिले के जडचेरला का दौरा किया। वहाँ वे श्री मंचेना गुंडेर राव के आवास पर पहुंचे, जो 1975 के आपातकाल (Emergency) के दौरान उनके साथ मीसा (MISA - आंतरिक सुरक्षा रखरखाव अधिनियम) के तहत गिरफ्तार हुए थे और चंचलगुड़ा जेल में बंद रहे थे। उन दिनों को याद करते हुए श्री दत्तात्रेय ने कहा कि आपातकाल के खिलाफ संघर्ष ने उन्हें एक साथ लाया था और तब से उनकी दोस्ती का बंधन लगातार मजबूत बना हुआ है। इस भावुक मुलाकात के दौरान दत्तात्रेय ने श्री मंचेना गुंडेर राव को पारंपरिक शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया और आपातकाल के दौर की अपनी साझा यादों व अनुभवों को ताजा किया। श्री दत्तात्रेय ने लोकतंत्र की रक्षा के लिए श्री गुंडेर राव के बलिदान, उनकी देशभक्ति और मूल्यों के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता की सराहना करते हुए इसे अविस्मरणीय बताया। उन्होंने कहा कि श्री गुंडेर राव न केवल आपातकाल आंदोलन के एक प्रतिष्ठित सेनानी हैं, बल्कि एक कुशल साहित्यकार, कवि और गहरे आध्यात्मिक विचारक भी हैं।

पूर्व राज्यपाल ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि 83 वर्ष की आयु में भी श्री गुंडेर राव को उसी उत्साह के साथ आध्यात्मिक और सामाजिक सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लेते देखना बेहद प्रेरणादायक है। वे समाज के लिए एक आदर्श स्थापित कर रहे हैं। श्री दत्तात्रेय ने ईश्वर से श्री मंचेना गुंडेर राव के निरंतर अच्छे स्वास्थ्य, दीर्घायु और कल्याण की प्रार्थना भी की।

लव फोर काऊ फाउंडेशन टीम ने जैनाचार्य विमल सागरसूरीश्वर जी से की भेंट

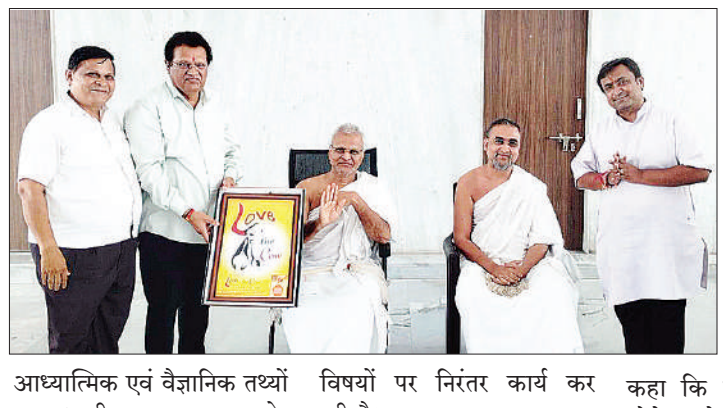

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। लव फोर काऊ फाउंडेशन की टीम ने गगनपहाड़ स्थित सत्यम शिवम सुंदरम गौशाला का दौरा किया तथा श्री नेमीनाथ स्वामी जैन मंदिर प्रांगण में विराजमान जैनाचार्य श्री विमलसागरसूरीश्वरजी, गणिवर्य श्री पद्मविमलसागरजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर फाउंडेशन की विभिन्न सेवा योजनाओं, गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रुपया दान' अभियान तथा जीवदया से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई।

आज यहां जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में लव फोर काऊ फाउंडेशन की ट्रस्टी रंजना शाह ने बताया कि फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार एवं मुकेश चौहान ने पूज्य गुरु भगवंतों से भेंट कर गौवंश की रक्षा, गौसेवा तथा अध्यात्म के प्रसार को लेकर विचार-विमर्श किया।

इस पावन मिलन के दौरान फाउंडेशन की टीम एवं गुरु भगवंतों के बीच गोरक्षा, गौसेवा, गौशालाओं को आत्मनिर्भर बनाने तथा समाज के युवाओं को जीवदया के कार्यों से जोड़ने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई।

फाउंडेशन की टीम ने नगरद्वय एवं आसपास संचालित विभिन्न गौशालाओं के समक्ष उत्पन्न आर्थिक कठिनाइयों तथा उनके संभावित समाधान पर भी पूज्य गुरु भगवंतों के साथ विस्तृत संवाद किया। इस अवसर पर स्थानीय जैन समाज एवं गौशाला समिति के अनेक गणमान्य पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल ने बताया कि संस्था गौमाता को राष्ट्रमाता घोषित कराने, गौमाता से जुड़े आध्यात्मिक एवं वैज्ञानिक तथ्यों का प्रभावी प्रचार-प्रसार करने, गौरक्षा से जुड़े कार्यकर्ताओं को सरकारी नियमों एवं कानूनों की जानकारी उपलब्ध कराने, गोवध रोकने के लिए जागरूकता बढ़ाने, गो-गव्य के प्रचार-प्रसार, गौशालाओं को स्वावलंबी बनाने तथा किसानों को जैविक खेती के लिए प्रेरित करने जैसे अनेक विषयों पर निरंतर कार्य कर रही है।

ट्रस्टी रिद्धीश जागीरदार ने बताया कि लव फोर काऊ फाउंडेशन द्वारा 'गौमाता के लिए प्रतिदिन एक रुपया दान' अभियान का शुभारंभ लगभग 14 वर्ष पूर्व किया गया था। उन्होंने कहा कि संस्था सभी गौभक्तों को अपने जन्मदिन, बच्चों के जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ, पितरों की पुण्यतिथि अथवा अन्य शुभ अवसरों पर गौसेवा के लिए दान देकर अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए प्रेरित करती है।

इस अवसर पर पूज्य गुरु भगवंतों ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौसेवा से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है।

वर्तमान समय में गौवंश की रक्षा एवं गौसेवा करना हम सभी का परम कर्तव्य है। उन्होंने समाज से गौसंरक्षण एवं जीवदया के कार्यों में अधिकाधिक सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

श्री कली कुंड पारस नाथ जैन मन्दिर सांताक्रूज़ मुंबई मे प पू साध्वीश्री लक्ष्यलीनाश्री जी म सा आदि ठाना के चातुर्मास मंगल प्रवेश मे उपस्थित श्री कच्छि जैन सेवा संघ हैदराबाद के पूर्व अध्यक्ष विजय जागीरदार, गौतम लोडाया एवं अन्य।

कोमाटीरेड्डी ने रंगारेड्डी जिले में 338 करोड़ रुपये की चार लेन सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 7 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

तेलंगाना के सड़क एवं भवन मंत्री कोमाटीरेड्डी वेंकट रेड्डी ने मंगलवार को इब्राहिमपटनम, मेडचल और महेश्वरम विधानसभा क्षेत्रों में 338 करोड़ रुपये की आधुनिक चार लेन सड़क परियोजनाओं की आधारशिला रखी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और जनता से किए गए सभी वादों को पूरा करेगी।

इस अवसर पर सांसद चमाला किरण कुमार रेड्डी ने जानकारी दी कि 140 से ज्यादा सड़क कार्य शुरू किये जा चुके हैं। ये परियोजनाएं हाइब्रिड एन्युइटी मॉडल के तहत क्रियान्वित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं से रंगारेड्डी जिले और पूरे राज्य के विकास को गति मिलेगी। एक जनसभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि 85 करोड़ रुपये की लागत के सड़क कार्य पहले ही पूरे हो चुके हैं, जबकि 275 करोड़ रुपये की परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं।

श्री वेंकट रेड्डी ने अधिकारियों को 100 करोड़ रुपये के अतिरिक्त सड़क कार्यों के प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों को विकास के मुद्दों पर मिलकर काम करना चाहिए और इस बात पर जोर दिया कि सरकार तेलंगाना के विकास को गति देने के लिए यातायात के जाम को हल करने, राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार और कनेक्टिविटी में सुधार पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

श्री रेड्डी ने कहा कि इब्राहिमपटनम निर्वाचन क्षेत्र में 338 करोड़ रुपये की लागत वाले 140 से अधिक सड़कों के कार्य शुरू किए गए हैं। उन्होंने आगे कहा कि सरकार लक्ष्मीरेड्डीपालेम में एक फ्लाईओवर और अंडरपास का प्रस्ताव देने के अलावा ग्रामीण सड़कों, जल निकासी प्रणालियों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और सरकारी स्कूलों को तेलंगाना पब्लिक स्कूल में बदलने को भी प्राथमिकता दे रही है।

कांग्रेस ने कालेश्वरम परियोजना में बीआरएस पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया

केटीआर और ईटेला पर साधा निशाना

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस समिति (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और विधायक महेश कुमार गौड़ ने मंगलवार को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर आरोप लगाया कि पिछली केसीआर सरकार के तहत हुए भ्रष्टाचार ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई योजना को आपदा में बदल कर परियोजना के भविष्य को खतरे में डाल दिया है।

श्री गौड़ ने अपने बयान में कहा कि बीआरएस को कालेश्वरम परियोजना के बारे में बोलने से बचना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर परिवार ने इसके क्रियान्वयन में हजारों करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने दावा किया कि इंजीनियरों की तकनीकी सलाह की अनदेखी की गई। इस परियोजना में गुणवत्ता से समझौता किया गया। श्री केसीआर ने कथित तौर पर खुद एक इंजीनियर की तरह काम किया, जिसकी वजह से परियोजना में संरचनात्मक खामियां आ गई हैं।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामा राव ने हाल ही में टिप्पणी की थी कि अगर पार्टी को एक हफ्ते के लिए परियोजना का नियंत्रण दे दिया जाए तो वे पानी की आपूर्ति बहाल कर सकते हैं। इस पर सवाल उठाते हुए श्री गौड़ ने कहा कि श्री केटीआर ने बीआरएस के साढ़े नौ साल के शासनकाल में क्या हासिल किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के तहत हुए भ्रष्टाचार ने परियोजना के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया है।

टीपीसीसी प्रमुख ने कहा कि मेदिगड्डा, अन्नाराम और सुंदिला बैराजों की नींव दोषपूर्ण पाई गई है। उन्होंने सवाल किया कि बीआरएस अनिवार्य तकनीकी मंजूरियों के बिना पंपों को संचालित करने की मांग कैसे कर सकती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय बांध सुरक्षा प्राधिकरण (एनडीएसए) और केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की मंजूरी के बिना बैराजों का संचालन करना अवैज्ञानिक होगा और इससे जनता की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र की भी आलोचना की और उन पर इस मुद्दे पर एक बीआरएस नेता की तरह बोलने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा कि यह केंद्र सरकार की संस्था एनडीएसए थी, जिसने सुरक्षा चिंताओं के कारण कन्नेपल्ली पंप हाउस से पानी निकालने के खिलाफ सलाह दी थी। उन्होंने श्री राजेंद्र से राज्य सरकार की आलोचना करने के बजाय केंद्र सरकार से स्पष्टीकरण मांगने का आग्रह किया।

श्री गौड़ ने भाजपा और बीआरएस के मिलकर काम करने का दावा करते हुए आरोप लगाया कि दोनों दल दिल्ली में दोस्ती और तेलंगाना में दुश्मनी रखते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य की जनता के सामने भाजपा और बीआरएस के बीच के इस राजनीतिक नाटक को बेनकाब करेगी।

नगरागमन पर सिखवाल समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ताओं का हुआ स्वागत-सम्मान

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद आगमन पर मारवाड़ पाली सिखवाल ब्राह्मण समाज के महामंत्री श्री नंदकिशोर जी नागला, इंदौर सिखवाल समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन के कोषाध्यक्ष श्री भगवान जी नागला तथा एलंदू सिखवाल ब्राह्मण समाज के वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता श्री जयप्रकाश जी कोलरिया का सिखवाल प्रगति समाज ऋष्यशृंग भवन में भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इस अवसर पर समाज के पदाधिकारियों एवं वरिष्ठ सदस्यों ने अतिथियों का आत्मीय अभिनंदन करते हुए उनके सामाजिक, संगठनात्मक एवं जनसेवा कार्यों की सराहना की तथा समाज हित में उनके निरंतर योगदान की प्रशंसा की।

स्वागत एवं सम्मान समारोह में सिखवाल प्रगति समाज ऋष्यशृंग भवन के परामर्शदाता ब्रजेश तड़बा तिवारी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामदेव नागला, अधिवक्ता नंदकिशोर व्यास, रूपचंद जी उपाध्याय, हरीश नागला (निजामाबाद), सुखदेव नागला, राजाराम उपाध्याय, गणपतलाल तुकार, चंद्रभान व्यास, सुरेश कुमार व्यास जानम, सूर्यप्रकाश उपाध्याय अनुभवी, भँवरलाल उपाध्याय, गोपाल नागला, भगवान उपाध्याय (अमरावती), अधिवक्ता रामदेव नागला तथा विनोद तिवारी सहित अनेक समाजबंधु उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित समाजजनों ने आपसी सहयोग, सामाजिक समरसता एवं संगठनात्मक एकता को और अधिक मजबूत बनाने पर बल दिया।

सभी ने समाज के विकास एवं जनकल्याण के कार्यों में मिलकर सक्रिय योगदान देने का संकल्प व्यक्त किया। समारोह आत्मीय एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

सेवा से बढ़कर कोई साधना नहीं : पन्नालाल अग्रवाल

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में मंगलवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान (चंदन) सेवा कार्यक्रम श्रद्धा, समर्पण और मानवता की भावना के साथ आयोजित किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरित किया गया। सेवा के दौरान उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं ने अनुशासन, आत्मीयता और विनम्रता के साथ अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए यह संदेश दिया कि समाज की सच्ची उन्नति तभी संभव है, जब प्रत्येक व्यक्ति सेवा को अपने जीवन का अभिन्न संस्कार बनाए।

कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि ''सेवा से बढ़कर कोई साधना नहीं है।'' उन्होंने कहा कि मंदिरों में पूजा, जप और तप का अपना महत्व है, लेकिन किसी जरूरतमंद की भूख मिटाना, पीड़ित व्यक्ति का सहारा बनना और बिना किसी स्वार्थ के मानवता की सेवा करना ईश्वर की सबसे बड़ी आराधना है। सेवा वह माध्यम है जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ती है और समाज में प्रेम, विश्वास तथा अपनत्व की भावना को मजबूत करती है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह नियमित सेवा अभियान केवल भोजन वितरण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज में संवेदनशीलता, सहयोग और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना को जागृत करने का एक सतत प्रयास है। जब समाज का प्रत्येक सक्षम व्यक्ति अपने आसपास के जरूरतमंद लोगों की चिंता करेगा, तभी एक समरस, सशक्त और संवेदनशील समाज का निर्माण होगा। उन्होंने कहा कि सेवा का वास्तविक आनंद तभी मिलता है जब वह बिना किसी प्रचार, अपेक्षा और भेदभाव के की जाए।

पन्नालाल अग्रवाल ने सभी समाजबंधुओं से आह्वान किया कि वे अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ और अन्य शुभ अवसरों को केवल उत्सव तक सीमित न रखें, बल्कि ऐसे अवसरों पर सेवा कार्यों से जुड़कर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां लाने का प्रयास करें। उन्होंने कहा कि एक छोटा-सा सहयोग भी किसी परिवार के लिए बड़ी राहत बन सकता है और यही संस्कार हमारी भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी पहचान हैं।

कार्यक्रम के अंत में सभी कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का यह सेवा अभियान भविष्य में भी निरंतर इसी समर्पण, अनुशासन और उत्साह के साथ चलता रहेगा, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाई जा सके और समाज में सेवा, सद्भाव तथा मानवता का संदेश निरंतर प्रसारित होता रहे।

इस अवसर पर पन्नालाल अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, रेनू शर्मा, शर्मिला अग्रवाल, महेश अग्रवाल, जगन गुप्ता एवं गोपाल अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे और सभी ने पूरे समर्पण के साथ सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाई।

भाजपा ने ओवैसी के स्थायी निवास प्रमाण पत्र की मांग को बेतुका बताया

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मंगलवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) अध्यक्ष ओवैसी की आलोचना करते हुए गरीब मुसलमानों को स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी करने की मांग को बेतुका और अस्वीकार्य कहा क्योंकि वे नागरिकता के असली दस्तावेज नहीं दिखा सकते।

भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एनवी सुभाष ने इस मांग के पीछे कांग्रेस के वोट बैंक को बचाने की साजिश बताया। उन्होंने दावा किया कि श्री ओवैसी को चिंता है कि चुनाव आयोग द्वारा मतदाता सूची में सुधार के लिए चल रही विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया से उनके चुनावी नतीजों पर असर पड़ सकता है।

श्री सुभाष ने एसआईआर प्रक्रिया के दौरान फर्जी वोटर पाए जाने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि एआईएमआईएम के संरक्षण में हैदराबाद में अवैध प्रवासी रह रहे हैं।

उन्होंने राज्य सरकार के स्थायी निवास प्रमाण पत्र जारी करने के किसी भी कदम के खिलाफ चेतावनी देते हुए भाजपा द्वारा उसका विरोध करने की बात बताई।

उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ता यह सुनिश्चित करेंगे कि चुनाव आयोग की सत्यापन प्रक्रिया बिना किसी रुकावट के पूरी हो।

सना महमूद को साउथ इंडिया वुमन अचीवमेंट अवार्ड-2026

कुछ अल्फ़ाज़ के लिए गोल्डन विंग्स बुक अवार्ड भी मिला

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हैदराबाद की आईटी पेशेवर, लेखिका और उर्दू कवयित्री सना महमूद को साहित्य, कला और संस्कृति में योगदान के लिए चेंजमेकर श्रेणी में साउथ इंडिया वुमन अचीवमेंट अवार्ड-2026 से सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार बेंगलुरु के जवाहरलाल नेहरू सेंटर ऑडिटोरियम में आयोजित समारोह में प्रदान किया गया। सना को उनकी पुस्तक कुछ अल्फ़ाज़ के लिए गोल्डन विंग्स बुक अवार्ड-2026 भी मिला है।

आईटी प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ लेखिका, कवयित्री और मंच कलाकार के रूप में सक्रिय सना मुशायरों और डिजिटल मंचों से नारीत्व, भावनात्मक स्वास्थ्य और भाषा के सौंदर्य पर संवाद को बढ़ावा देती हैं।सना ने कहा कि ये सम्मान साबित करते हैं कि जुनून और पेशा साथ चल सकते हैं। वे महिलाओं को अपनी पहचान के हर पहलू को निखारने के लिए प्रेरित करना चाहती हैं।

मैसूर-उदयपुर या बेंगलूरु-जोधपुर एक्सप्रेस का नाम महाराणा प्रताप एक्सप्रेस रखने की मांग

बेंगलूरु, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। दक्षिण पश्चिम रेलवे की जोनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी (जेडआरयूसीसी) के सदस्य महेंद्र एच. सिंघी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को पत्र लिखकर मैसूर-उदयपुर हमसफ़र एक्सप्रेस या बेंगलूरु-जोधपुर एक्सप्रेस का नाम ''महाराणा प्रताप एक्सप्रेस'' रखने की मांग की है।

पत्र में कहा गया है कि यह रेल सेवा दक्षिण भारत को महाराणा प्रताप की कर्मभूमि राजस्थान से जोड़ती है। उनके नाम पर ट्रेन का नामकरण राष्ट्रनायक को श्रद्धांजलि होगा और कर्नाटक-राजस्थान के सांस्कृतिक संबंध मजबूत होंगे। सिंघी ने रानी चेन्नम्मा एक्सप्रेस का उदाहरण देते हुए हल्दीघाटी युद्ध में महाराणा प्रताप के अदम्य साहस और त्याग का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि इस नामकरण से राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक समरसता और युवाओं में राष्ट्रभक्ति को बढ़ावा मिलेगा। सिंघी ने रेल मंत्री से प्रस्ताव पर शीघ्र सकारात्मक निर्णय का आग्रह किया है।

राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर 25 चिकित्सकों का सम्मान

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सेवा परमो धर्म संस्था ने राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे पर अन्नपूर्णा रेजीडेंसी में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य निस्वार्थ सेवा करने वाले डॉक्टरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना था। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. माधवी सराबू और डॉ. सी. वी. गंगा भवानी, विशिष्ट अतिथि कॉरपोरेटर कोंथम दीपिका नरेश रहीं। अतिथियों ने स्वस्थ जीवनशैली के टिप्स दिए। शहर के करीब 25 विशेषज्ञ डॉक्टरों को शॉल और फूल-मालाओं से सम्मानित किया गया। प्राची मोदी ने डॉक्टरों का परिचय प्रस्तुत किया।

सम्मानित डॉक्टरों में हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. अमरेंद्र सिंह, दंत चिकित्सक डॉ. हरिनाथ बाबू, नेत्र शल्य चिकित्सक डॉ. भावना, कैंसर सर्जन डॉ. श्रीनिवासुलु, न्यूरो सर्जन डॉ. एस. रमेश समेत कई नाम शामिल रहे।

कार्यक्रम के बाद लंच का आयोजन हुआ। आयोजन राजेंद्र प्रसाद दायमा के मार्गदर्शन में हुआ। विद्या देवी दुगड़ का विशेष योगदान रहा। शीतल जैन, सुमन घोड़ेला, मोना वर्मा समेत टीम ने आभार जताया।

भाजपा शिष्टमंडल ने तेलंगाना के मुख्य चुनाव अधिकारी से मुलाकात कर एसआईआर प्रक्रिया में गड़बड़ियों की ओर ध्यान दिलाया

हैदराबाद, 07 जुलाई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रदेश अध्यक्ष एन रामचंद्र राव के नेतृत्व में एक शिष्टमंडल ने मंगलवार को बीआरके भवन में राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) से मुलाकात की। शिष्टमंडल ने उन्हें ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची के चल रहे एसआईआर 2026 में गड़बड़ियों की ओर ध्यान दिलाया है। शिष्टमंडल ने मुख्य चुनाव अधिकारी से पुनरीक्षण प्रक्रिया से जुड़े कई मुद्दों के समाधान का आग्रह किया। शिष्टमंडल में विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) अंजी रेड्डी, भाजपा प्रदेश महासचिव वेमुला अशोक, प्रदेश उपाध्यक्ष मूगा जयश्री और वरिष्ठ नेता एंथोनी रेड्डी तथा सोल्कर रेड्डी शामिल थे। ज्ञापन में भाजपा ने आरोप लगाया है कि हैदराबाद के पुराने शहर में बीएलओ अनिवार्य रूप से घर-घर जाने के बजाय एआईएमआईएम के कैंपों में थोक में गणना फॉर्म बांट रहे हैं। पार्टी ने यह भी आरोप लगाया कि भरे फॉर्म अपलोड करने के लिए एआईएमआईएम नेताओं को चुनाव आयोग के ऐप का एक्सेस दिया जा रहा है। भाजपा ने दावा किया कि जीएचएमसी , साइबराबाद, मल्काजगिरी, वारंगल और करीमनगर नगर निगम क्षेत्रों में कई मतदाताओं के घरों का पता लगाने में आ रही दिक्कतों और एक ही परिवार के सदस्यों के लिए अलग-अलग पोलिंग बूथ आवंटित किये जाने की विसंगतियों के कारण गणना फॉर्म नहीं मिले हैं।पार्टी ने पूरे राज्य में गणना फॉर्म अंग्रेजी में भी उपलब्ध कराने का अनुरोध किया और कहा कि रोजगार, शिक्षा और व्यवसाय के लिए दूसरे राज्यों से आकर यहां बसे कई निवासी केवल तेलुगु में छपे फॉर्मों को समझने में असमर्थ हैं। भाजपा ने मांग की कि बीएलओ के लिए घर-घर जाना अनिवार्य किया जाए और अनुपस्थित मतदाताओं से संपर्क करने के लिए कम से कम तीन बार प्रयास किये जायें।

ज्ञापन में यह भी आरोप लगाया गया है कि कुछ मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) घोषणा पत्रों के साथ फॉर्म-6 और फॉर्म-8 के आवेदनों को स्वीकार नहीं कर रहे हैं, जबकि तकनीकी दिक्कतों के कारण गणना फॉर्म अपलोड करने में देरी हो रही है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.